प्रयागराज, रविवार 11 अक्टूबर 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक
वर्ष-14, अंक-41
पृष्ठ- 8 मूल्य: 3 रूपये
आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया
आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक
E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

व्हाइट हाउस की नई प्रेस सेक्रेटरी बनीं केटी जकारिया, ट्रम्प बोले- वे मेरी वफादर-7 बार से इस पद पर महिला चुनी गईं

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने केटी जकारिया को व्हाइट हाउस का नया सेक्रेटरी बनाया है। उन्होंने कैरोलिन लेविट की जगह ली है, जिन्होंने अगस्त में यह पद छोड़ दिया था। 41 साल की जकारिया वकील रह चुकी हैं और फिलहाल ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप में सलाहकार हैं। यह कंपनी ट्रम्प के सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल को चलाती है। ट्रम्प ने शुक्रवार को उनकी नियुक्ति का ऐलान करते हुए कहा कि वह उनकी बहुत वफादार हैं और उनका रिकॉर्ड बेदाग है। केटी जकारिया से पहले लगातार 6 महिलाएं इस पद की जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं। आखिरी पुरुष प्रेस सेक्रेटरी शॉन स्पाइसर थे, जिन्होंने 2017 में ट्रम्प के पहले कार्यकाल की शुरुआत में यह पद संभाला था। ट्रम्प ने टीवी पर देखकर पसंद किया था:- 42 साल की केटी जकारिया कैलिफोर्निया से हैं और उनके चार बच्चे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रम्प ने जकारिया को टीवी पर देखने के बाद पसंद किया। जकारिया एक्सपर्ट के रूप में

लगातार टीवी पर आती रही हैं। ट्रम्प टीवी पर उनके बात रखने के अंदाज से काफी प्रभावित हुए थे। ट्रम्प ने यह फैसला लेने से पहले अपने कई करीबी सलाहकारों से बात की थी। इनमें पूर्व प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिना लेविट भी शामिल थीं। लेविट ने अपने दूसरे बच्चे को जन्म देने के बाद अगस्त के आखिर में प्रशासन छोड़ दिया था।उनकी जगह लेने के लिए सीएनएन के कंजर्वेटिव कमेंटेटर स्कॉट जेनिंग्स, ट्रम्प की पूर्व वकील अलीना हब्बा और डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी एना केली के नाम भी चर्चा में थे। पिछले कार्यकाल में ट्रम्प के 4 प्रेस सेक्रेटरी रहे:-ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान चार लोगों ने व्हाइट हाउस के प्रेस सेक्रेटरी का पद संभाला था। सबसे पहली सीन स्पाइसर को छह महीने बाद ही पद से हटा दिया गया था। उन्होंने 2017 में ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह को सबसे ज्यादा देखे जाने का झूठा दावा किया था। इसके बाद साराह सैंडर्स ने पद संभाला। ट्रम्प ने उनके काम की काफी तारीफ भी की। स्टेफनी ग्रिशम तीसरी प्रेस सेक्रेटरी बनीं, जिन्होंने ट्रम्प के कहने पर कभी प्रेस ब्रीफिंग नहीं की। 6 जनवरी 2021 को ट्रम्प समर्थकों के व्हाइट हाउस घेराव के बाद ग्रिशम ने पद छोड़ दिया था। अब ग्रिशम ट्रम्प विरोधी हैं। कैली मैकनेनी ट्रम्प कार्यकाल में व्हाइट हाउस की आखिरी प्रेस सेक्रेटरी रहीं। अब वे फॉक्स न्यूज के लिए काम करती हैं। व्हाइट हाउस के प्रेस सेक्रेटरी से जुड़ी रोचक बातें:- 1. पहली नियुक्तिः 1920 के दशक में व्हाइट हाउस में पत्रकारों की संख्या बढ़ रही थी। राष्ट्रपति के फैसलों और बयानों की जानकारी मीडिया तक पहुंचाने के लिए एक जिम्मेदार अधिकारी की जरूरत महसूस हुई। इसी वजह से 1929 में राष्ट्रपति हर्बर्ट हूवर ने जॉर्ज एकरसन को प्रेस सेक्रेटरी बनाया। वह पहले पत्रकार रह चुके थे।

ट्रम्प ने नोबेल नहीं मिलने पर नाराज़, बोला-पिल्लै को कोई नहीं जानता, मैंने 8 युद्ध रोके, हर युद्ध पर शांति पुरस्कार मिलना था

वॉशिंगटन डीसी। ट्रम्प ने नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिलने पर एक बार फिर नाराजगी जताई है। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि यह पुरस्कार उन्हें नहीं देकर नॉर्वे ने अपने ऊपर ऐसा दाग लगा लिया है, जो कभी नहीं मिटेगा। ट्रम्प ने इस फैसले को शर्मनाक और अपमानजनक बताते हुए कहा कि उन्हें हर जंग रोकने के लिए आठ बार पुरस्कार मिलना चाहिए था। इस साल नोबेल शांति पुरस्कार दक्षिण अफ्रीका की पूर्व यूएन मानवाधिकार प्रमुख नवी पिल्लै को दिया गया है। ट्रम्प ने कहा कि उन्हें कोई नहीं जानता। ट्रम्प बोलेः- 'नोबेल पुरस्कार आज एक लिबरल को दिया गया, जो संयुक्त राष्ट्र में काम करती हैं और जिनके बारे में किसी ने नहीं सुना।' 'भारत-पाकिस्तान युद्ध रोका, 5 करोड़ लोगों की जान बचाई'. ट्रम्प ने एक बार फिर दावा किया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाया था। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियार रखने वाले दोनों देशों को युद्ध से रोककर उन्होंने 5 करोड़ लोगों की जान बचाई। ट्रम्प ने कहा कि वह ईरान और रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म कराने की दिशा

में भी काम कर रहे हैं। उनके मुताबिक, अमेरिका को नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसके लिए अमेरिका नॉर्वे को कभी नहीं भूलेगा। ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि उन्होंने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोका। अगर ऐसा नहीं होता, तो पूरे मिडिल-ईस्ट के साथ यूरोप और अमेरिका तक तबाही फैल सकती थी। उन्होंने कहा, 'मैंने इतिहास में किसी भी दूसरे व्यक्ति से ज्यादा लोगों की जान बचाई है।' 2018 से नोबेल प्राइज मांग रहे ट्रम्पः-ट्रम्प के लिए नोबेल प्राइज मांगना कोई नई बात नहीं है। अक्टूबर 2018 में एक कार्यक्रम में ट्रम्प ने नोबेल शांति पुरस्कार का जिक्र करते हुए कहा था कि उन्हें शायद यह पुरस्कार कभी नहीं मिलेगा, भले ही ने कोरिया और सीरिया में शांति कायम करने की कोशिश कर रहे हों। इसके बाद फरवरी 2019 में उन्होंने खुलकर अपनी दावेदारी रखी। उन्होंने कहा कि जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने उन्हें नोबेल के लिए नामित किया है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसे कभी नहीं जीत पाऊंगा। 2019 में एक पाकिस्तानी पत्रकार के सवाल के जवाब में ट्रम्प ने कहा कि उन्हें लगता है कि उन्हें कई चीजों के लिए नोबेल मिलेगा, अगर पुरस्कार निष्पक्ष तरीके से दिया जाए। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान भी ट्रम्प ने नोबेल का मुद्दा उठाया। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा से अपनी तुलना करते हुए कहा था कि अगर ओबामा को यह पुरस्कार मिल सकता है तो उन्हें भी मिलना चाहिए। नवी पिल्लै बोलीं-शायद मैं अपना पुरस्कार ट्रम्प के साथ बांट लूंः- नॉर्वे की नोबेल समिति ने 2026 का शांति पुरस्कार भारतवंशी नवनीतम नवी पिल्लै को देने का ऐलान किया। पुरस्कार मिलने के बाद उन्होंने ट्रम्प पर मजाकिया अंदाज में तंज कसा। जब उनके साथियों ने तालियां बजाईं, तो पिल्लै ने मजाक में कहा, 'अगर आप थोड़ी और तालियां बजाएंगे, तो शायद मैं यह पुरस्कार ट्रम्प के साथ बांट लूं।' ट्रम्प को इससे पहले वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो ने अपना नोबेल दिया था। मचाडो को 2025 का यह पुरस्कार लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए उनके काम के लिए दिया गया था। बाद में उन्होंने व्हाइट हाउस में ट्रम्प से मुलाकात की और उन्हें अपना नोबेल मेडल दिया।

अमेरिका में फ्लोरिडा के तट से टकराया 170 किमी की रफ्तार वाला इसायस तूफान,9 लाख घरों की बिजली गुल

फ्लोरिडा। अमेरिका के मेक्सिको की खाड़ी से लगे तटीय इलाकों में शुक्रवार को इसायस तूफान टकराया। फ्लोरिडा और अलबामा में 170 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रही हैं। भारी बारिश के बाद से कई घरों और दुकानों को नुकसान पहुंचा है। पेड़ उखड़कर गिर गए और करीब 9 लाख घरों की बिजली गुल हो गई है। इन इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। अल नीनो के असर से तूफानों की शुरुआत में देरीः- इसायस 2026 में अटलांटिक महासागर में आया पहला तूफान है। आमतौर पर अटलांटिक में तूफानों का मौसम जून से नवंबर तक रहता है। इस बार प्रशांत महासागर में अल नीनो की स्थिति के कारण अटलांटिक में तूफान बनने की रफ्तार धीमी रही। अल नीनो के दौरान प्रशांत महासागर का पानी गर्म हो जाता है। इससे ऊपरी वायुमंडल में हवाओं का बहाव बदलता है। अटलांटिक के ऊपर तेज हवाएं तूफानों की बनावट बिगाड़ सकती हैं, जिससे उनके बनने और ताकतवर होने की

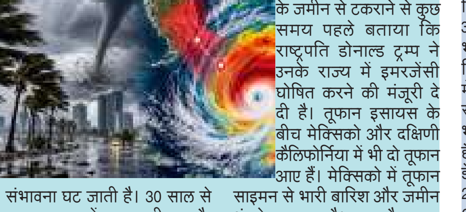

संभावना घट जाती है। 30 साल से ज्यादा समय में यह पहली बार है, जब अक्टूबर तक अटलांटिक महासागर में कोई तूफान नहीं बना था। तीन राज्यों में इमरजेंसी, लोगों को सुरक्षित जगह जाने की सलाहः- तूफान के खतरे को देखते हुए मिसिसिपी, अलबामा और फ्लोरिडा के गवर्नरों ने अपने-अपने राज्यों में इमरजेंसी घोषित कर दी। तटीय इलाकों में रहने वाले कुछ लोगों से घर खाली करने और बाकी लोगों से तूफान से निपटने की तैयारी करने को कहा गया। अलबामा की गवर्नर के आइवे ने तूफान के जमीन से टकराने से कुछ समय पहले बताया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उनके राज्य में इमरजेंसी घोषित करने की मंजूरी दे दी है। तूफान इसायस के बीच मेक्सिको और दक्षिणी कैलिफोर्निया में भी दो तूफान आए हैं। मेक्सिको में तूफान साइमन से भारी बारिश और जमीन धंसने का खतरा है।राहत और बचाव के लिए 5 हजार सैनिक तैनातः- फ्लोरिडा में राहत और बचाव के काम के लिए नेशनल गार्ड के करीब 5 हजार सैनिकों और वायुसेना कर्मियों को तैनात किया गया है। कुछ जेलों से कैदियों को भी दूसरी जगह ले जाया जा रहा है।

अमेरिका में 2 लाख भारतवंशी वोटर्स के नाम कटे,मिडटर्म चुनाव में ट्रम्प को हार का डर

2024 में 65फीसदी ने डेमोक्रेट्स को वोट दिया था

न्यूयॉर्क। अमेरिका की वोटर लिस्ट से 2 लाख भारतीय मूल के वोटर्स का नाम कट गया है। इन लोगों के नाम उन 26 राज्यों में काटे गए हैं, जहां ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी की सरकार है। अमेरिका में करीब 21 लाख भारतवंशी वोटर्स हैं। 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने हैं। इन चुनावों में ट्रम्प की पार्टी को हार का डर सता रहा है। इसकी एक वजह भारतीय मूल के वोटरों का रुझान है, जो हमेशा से उनकी विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर रहा है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में करीब 65फीसदी भारतीय मूल के लोगों ने डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस को वोट दिया था। वोटर लिस्ट की जांच क्यों हो रहीः- अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन वोटर लिस्ट की जांच कर रहा है, ताकि अयोग्य वोटर्स के नाम हटाए जा सकें। सरकार का कहना है कि इससे चुनाव में गड़बड़ी रोकने और वोटिंग प्रक्रिया को ज्यादा सुरक्षित बनाने में मदद मिलेगी। इसी मकसद से ट्रम्प 'सेव अमेरिका एक्ट' का समर्थन कर रहे हैं। फरवरी में अमेरिकी संसद के निचले सदन ने इस बिल को मंजूरी दी थी। इसके तहत वोटर के तौर पर रजिस्ट्रेशन कराने वालों को अमेरिकी नागरिकता साबित करने के लिए जन्म प्रमाण पत्र या पासपोर्ट जैसे दस्तावेज देने होंगे। वोट डालने के लिए पहचान पत्र दिखाने के नियम भी सख्त किए जाएंगे। ये नियम मतदान केंद्र पर और डाक से वोट डालने, दोनों पर लागू होंगे। ट्रम्प चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली होने के दावा करते रहे हैं। हालांकि, इन दावों के समर्थन में ठोस सबूत नहीं मिले हैं। ब्रेनन सेंटर फॉर जस्टिस की एक रिसर्च में भी जांच किए गए चुनावों में धांधली के मामले बेहद कम पाए गए।

अमेरिका ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट पर प्रतिबंध लगाए,रुबियो बोले- कोर्ट धमकी देना बंद करे, वरना खत्म कर देंगे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि कोर्ट अमेरिका के खिलाफ कार्रवाई करना बंद करे, वरना अमेरिका उसे खत्म करने की कोशिश करेगा। अमेरिका कोर्ट से इसलिए भी नाराज है, क्योंकि उसने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत कई इजराइली अधिकारियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। अमेरिकी सरकार का आरोप है कि कोर्ट अमेरिकी और इजराइली नागरिकों को गलत तरीके से निशाना बना रहा है। आईसीसी की डिप्टी प्रॉसिक्यूटर नजहत शमीम खान ने अमेरिकी प्रतिबंधों की निंदा की। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय कानून और एक स्वतंत्र अदालत के काम को कमजोर करने की कोशिश है।खान ने साफ किया कि प्रतिबंधों के बावजूद कोर्ट अपनी जांच और कानूनी कार्रवाई जारी रखेगा। आईसीसी ने 21 नवंबर 2024 को नेतन्याहू के खिलाफ गाजा में युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों में गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। अदालत के मुताबिक, गाजा के आम लोगों को खाने, पानी और दूसरी जरूरी चीजों से वंचित रखा गया, जिससे वहां गंभीर संकट पैदा हुआ। आईसीसी ने माना कि हमास के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के दौरान गाजा के आम लोगों को बचाने के लिए जरूरी कदम नहीं उठाए गए। इसी मामले में इजराइल के पूर्व रक्षा

मंत्री योव गैलेंट के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। इजराइल ने इन आरोपों को खारिज किया था। उसका कहना था कि आईसीसी को इस मामले में कार्रवाई करने का अधिकार नहीं है। नोबेल पुरस्कार के कुछ घंटे बाद प्रतिबंधः-रॉयटर्स के मुताबिक, अमेरिका ने ये प्रतिबंध ऐसे समय लगाए, जब कुछ ही घंटे पहले दक्षिण अफ्रीका की पूर्व न्यायाधीश नवी पिल्लै को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने की घोषणा हुई थी। भारतवंशी पिल्लै 2003 से 2008 तक आईसीसी की अपील चैंबर में जज रही थीं। उन्हें अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्याय के क्षेत्र में काम के लिए यह सम्मान दिया गया। उन्होंने इराक और अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की कार्रवाई से जुड़े संभावित मामलों की जांच में भी भूमिका निभाई थी। हालांकि, अमेरिका ने प्रतिबंध लगाने की योजना नोबेल पुरस्कार की घोषणा से काफी पहले बना ली थी। अमेरिकी कंपनियों पर भी पड़ सकता है असरः- अमेरिकी प्रतिबंधों का असर उन कंपनियों पर भी पड़ सकता है, जो आईसीसी को सेवाएं देती हैं। अमेरिकी कंपनियों को कोर्ट के साथ कारोबार करने से रोका जा सकता है। इससे उसकी बैंकिंग, बीमा और सॉफ्टवेयर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। प्रतिबंधों की आशंका को देखते हुए आईसीसी ने पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कोर्ट ने माइक्रोसॉफ्ट के सॉफ्टवेयर की जगह दूसरे विकल्प अपनाने और बैंकिंग व स्वास्थ्य बीमा के लिए नए इंतजाम करने शुरू कर दिए थे। अमेरिका ने सहयोगी देशों से भी दबाव बनाने को कहाः-रुबियो ने कहा कि अमेरिका ने आईसीसी और उसके सदस्य देशों को अपनी चिंताओं का समाधान करने का मौका दिया था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने अमेरिका के सहयोगी देशों से भी कोर्ट पर लगाम लगाने को कहा। रुबियो के मुताबिक, प्रतिबंधों के साथ बातचीत का रास्ता खुला रखा गया है। अगर बातचीत से समाधान नहीं निकला, तो अमेरिका आगे और कदम उठा सकता है। क्या है इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्टः- इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट की स्थापना 2002 में हुई थी। यह युद्ध अपराध, मानवता के खिलाफ गंभीर अपराध और नरसंहार जैसे मामलों की सुनवाई करता है।इसके 125 सदस्य देश हैं।

अमेरिकी चुनाव से पहले डीजल महंगा अब रूस से खरीदेंगे,इसी वजह से भारत पर 100फीसदी टैरिफ की धमकी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रूसी डीजल खरीदने पर लगी रोक 7 अप्रैल 2027 तक हटा दी है। अब अमेरिका रूस

से डीजल खरीद सकेगा। रूस ने 2022 में यूक्रेन पर हमला किया था। इसके बाद अमेरिका ने रूसी तेल पर प्रतिबंध लगा दिए थे। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है, जब ईरान जंग के बाद अमेरिका में डीजल की कीमतें बढ़ गई हैं। फिलहाल वहां डीजल करीब 6.28 डॉलर प्रति गैलन बिक रहा है, जबकि जंग से पहले इसकी कीमत करीब 3.70 डॉलर थी। अमेरिका में 3 नवंबर को मिडटर्म चुनाव होने हैं। ऐसे में ईंधन की बढ़ती कीमतें ट्रम्प प्रशासन के लिए चुनौती बनी हुई हैं। कीमतें कम करने के लिए ट्रम्प तेल और डीजल की सप्लाई बढ़ाने जैसे कदम उठा रहे हैं। हालांकि, इस फैसले पर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इससे रूस को पैसा मिलेगा, जिसका इस्तेमाल वह यूक्रेन के खिलाफ करेगा। खास बात यह है कि सितंबर में ही ट्रम्प ने ऐसे कानून पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले भारत और चीन जैसे देशों पर 100इ तक टैरिफ लगाया जा सकता है। ट्रम्प ने बताया कि रूस तुरंत 3 लाख टन से ज्यादा डीजल भेजेगा। इसके बाद नवंबर में 5 लाख टन और फिर 10 लाख टन डीजल की आपूर्ति की जाएगी। ट्रम्प के मुताबिक, अगर सबकुछ ठीक रहा तो आगे चलकर 30 लाख टन डीजल भी भेजा जा सकता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने पुतिन का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि कम कीमतें, खासकर अमेरिकी किसानों, पशुपालकों और ट्रक चालकों के लिए, उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस से डीजल खरीदने के समझौते की आलोचना की। उन्होंने कहा कि इससे पुतिन की युद्ध लड़ने की ताकत बढ़ेगी और रूस ज्यादा आक्रामक हमले कर सकेगा। जेलेंस्की के मुताबिक, इस समझौते से रूस को युद्ध लंबा खींचने, ज्यादा लोगों की जान लेने और दुनिया को नुकसान पहुंचाने में मदद मिलेगी। जेलेंस्की का यह बयान ऐसे समय आया है, जब यूक्रेन के वार्ताकार रूस के साथ युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के फ्लोरिडा में अधिकारियों से बातचीत कर रहे थे। एक्सपर्ट बोले- डील से कीमतों पर फर्क नहीं पड़ेगाः-ईरान युद्ध के कारण दुनियाभर में तेल की कीमतें बढ़ी हैं। हालांकि, शुक्रवार को ट्रम्प के ऐलान के बाद डीजल की कीमतों में गिरावट आई। एनर्जी एक्सपर्ट क्लेटन सीगल ने कहा कि इस समझौते से कीमतों पर ज्यादा असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। लेकिन इससे रूस और पुतिन को बड़ा फायदा होगा। वहीं, एक और एक्सपर्ट माइकल लिंच ने इस समझौते की तुलना डूबते जहाज से की। उन्होंने कहा कि अमेरिका रूस से डीजल खरीदेगा, तो रूस के मौजूदा ग्राहक दूसरे देशों से डीजल खरीदने लगेंगे। इससे कीमतों में कोई कमी नहीं आनी वाली।ईरान जंग खत्म कराने में रूस की मदद का ट्रम्प ने स्वागत कियाः- रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के मुताबिक, ट्रम्प ईरान जंग का समाधान निकालने की कोशिशों में रूस की भूमिका का स्वागत करते हैं। ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ जंग खत्म होते ही तेल की कीमतें तेजी से गिरेंगी। उन्होंने शुक्रवार को न्यूयॉर्क के सिरैक्यूज में एक चुनावी रैली के दौरान यह बात कही। ट्रम्प ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट से आज युद्ध शुरू होने से पहले के मुकाबले ज्यादा तेल गुजर रहा है। उन्होंने तेल रिफाइनरियों और खुदरा विक्रेताओं से पेट्रोल-डीजल की कीमतें तुरंत कम करने को कहा। ट्रम्प ने एक बार फिर दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट पर अमेरिका का पूरा नियंत्रण है।

पाक में 4 प्रांतों के 15 हिस्से करने की तैयारी,आर्मी चीफ मुनीर ताकत बढ़ाना चाहते हैं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के आर्मी चीफ असीम मुनीर देश के 4 प्रांतों को 12 से 15 हिस्सों में बांटकर सियासत का पूरा गणित बदलना चाहते हैं। ब्रिटिश मैगजीन 'द इकोनॉमिस्ट' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस कदम से पंजाब और सिंध में मजबूत नवाज शरीफ और बिलावल भुट्टो परिवार कमजोर पड़ सकते हैं। अभी इन प्रांतों की सरकारें केंद्र को चुनौती देने की ताकत रखती हैं। छोटे प्रांत बनने पर यह ताकत बंट जाएगी और इस्लामाबाद का दखल बढ़ेगा। इससे सेना को देश की राजनीति और सरकार पर अपनी पकड़ बढ़ाने का मौका मिल सकता है। पंजाब और सिंध की ताकत कम करने की तैयारीः- पाकिस्तान का पंजाब प्रांत पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज का गढ़ है। सिंध में बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) का दबदबा है। दोनों पार्टियों की ताकत बड़े प्रांतों में उनकी मजबूत पकड़ से आती है। अगर इन प्रांतों को छोटे हिस्सों में बांटा जाता है, तो मौजूदा राजनीतिक समीकरण बदल सकते हैं। पार्टियों को अलग-अलग

छोटे प्रांतों में अपनी ताकत साबित करनी होगी। इससे बड़े नेताओं का प्रभाव घट सकता है और केंद्र सरकार को प्रांतीय राजनीति में दखल देने का ज्यादा मौका मिल सकता है। प्रांत को छोटे करने के पीछे दलील क्या हैः- 'द इकोनॉमिस्ट' के मुताबिक, मुनीर का मानना है कि पाकिस्तान के प्रांत इतने बड़े हैं कि वहां प्रशासन ठीक से नहीं चल पा रहा। पंजाब में करीब 12.8 करोड़ लोग रहते हैं, जबकि क्षेत्रफल के लिहाज से सबसे बड़ा बलूचिस्तान है, जहां करीब डेढ़ करोड़ की आबादी है। बड़े इलाकों में लोगों तक सरकारी सुविधाएं पहुंचाना मुश्किल होता है। ग्रामीण पंजाब में लोगों को बुनियादी सेवाओं के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। बलूचिस्तान में भी दूर-दराज के इलाकों तक सुविधाएं पहुंचाना चुनौती है। लेकिन पाकिस्तान की बदहाल अर्थव्यवस्था, महंगाई और कर्ज की समस्या सिर्फ प्रांतों के बड़े आकार से पैदा नहीं हुई। ऐसे में सवाल है कि प्रांतों को बांटने से आम लोगों की जिंदगी कितनी बदलेगी और सत्ता का फायदा किसे मिलेगा। पाकिस्तान में सेना पहले से ताकतवरः- पाकिस्तान में सेना कई बार सीधे सत्ता संभाल चुकी है। आज भी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति जैसे बड़े मामलों में उसका खासा प्रभाव है। सेना के पास जमीन, कारोबार और बड़े संसाधन भी हैं। ऐसे में प्रांतों को बांटने से अगर मौजूदा राजनीतिक ताकत कमजोर होती है, तो सेना और केंद्र सरकार का दबदबा बढ़ सकता है।

चर्चित किताब 'द ब्यूटी ऑफ द हसबैंड'

2026 का साहित्य नोबेल कनाडाई लेखिका ऐन कार्सन को,ग्रीक-रोमन साहित्य को आधुनिक दुनिया से जोड़ा

स्टॉकहोम। कनाडा की लेखिका और कवयित्री ऐन कार्सन को 2026 का साहित्य नोबेल पुरस्कार दिया गया है। नोबेल समिति ने उन्हें ऐसी रचनाओं के लिए सम्मानित किया है, जिनमें उन्होंने पुराने यूनानी-रोमन साहित्य को आज की जिंदगी, प्यार, रिश्तों और दुख से जोड़ा। नोबेल समिति ने कहा कि कार्सन की खासियत यह है कि वह पुरानी कहानियों को सिर्फ दोबारा नहीं लिखतीं, बल्कि उनमें अपनी कल्पना और आज की जिंदगी की भावनाएं जोड़ देती हैं। उनकी रचनाओं में कविता, कहानी और निबंध की सीमाएं भी कई बार खत्म हो जाती हैं। यही वजह है कि उनका लेखन बाकी लेखकों से काफी अलग नजर आता है।कार्सन का जन्म 1950 में कनाडा के टोरंटो में हुआ था। उन्होंने प्राचीन यूनानी और रोमन साहित्य की पढ़ाई की। 1981 में उन्होंने इसी विषय पर अपनी डॉक्टरेट की थीसिस प्रकाशित की। एक राक्षस की कहानी को प्यार और हिंसा की कहानी बना दियाः- कार्सन की चर्चित किताबों में 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ रेडः ए नॉवेल इन वर्स' भी शामिल है। 1998 में प्रकाशित यह किताब हजारों साल पुरानी यूनानी कथा पर आधारित है। इसमें गेरियोन नाम का एक पंखों वाला लाल राक्षस है। कार्सन ने इस पुराने मिथक को बिल्कुल नए तरीके से लिखा। उनकी कहानी में गेरियोन सिर्फ एक राक्षस नहीं, बल्कि अपनी मां से प्यार करने वाला संवेदनशील युवक है। इस तरह उन्होंने एक पुरानी यूनानी कहानी को प्यार, हिंसा और रिश्तों जैसी मानवीय भावनाओं से जोड़ दिया। कार्सन की 2 और चर्चित पुस्तकेंः- नॉक्सः यह किताब 2010 में प्रकाशित हुई थी। ऐन कार्सन ने इसे अपने भाई माइकल की याद में लिखा था। माइकल की 2000 में डेनमार्क में मौत हो गई थी। उनकी मौत से पहले वह रहस्यमय तरीके से परिवार से दूर हो गए थे। द ब्यूटी ऑफ द हसबैंडः यह किताब 2001 में प्रकाशित हुई। यह एक ऐसे पति की कहानी है, जो अपनी पत्नी को धोखा देता है।

ईरान के 19 जहाज श्रीलंका के पास फंसे, रसद और ईंधन की कमी, अमेरिकी प्रतिबंधों के डर से मदद करने से बच रही सरकार

कोलंबो। श्रीलंका के तट के पास अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में ईरान के 19 जहाज फंसे हुए हैं। इन जहाजों पर खाने-पीने के सामान, पानी और ईंधन की कमी हो गई है। इसके बावजूद श्रीलंका सरकार फिलहाल उनकी मदद करने से बच रही है। सरकार को डर है कि ईरानी जहाजों को सहायता देने से अमेरिकी प्रतिबंधों का जोखिम पैदा हो सकता है। श्रीलंका का कहना है कि वह किसी भी फैसले से पहले अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में

रखेगा। श्रीलंका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता थुषारा रोड्रिगो के मुताबिक, ये जहाज देश के तट से करीब 24 समुद्री मील दूर खड़े हैं। हालांकि, श्रीलंका को अमेरिका की ओर से अब तक कोई आधिकारिक चेतावनी नहीं मिली है कि ईरानी जहाजों की मदद करने पर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेराथ ने संडे टाइम्स को बताया कि ये ईरान के तेल टैंकर हैं। उनके मुताबिक, होर्मुज में अमेरिका की नौसैनिक नाकेबंदी दोबारा शुरू होने के बाद से दर्जनों ईरानी जहाज फंसे हुए हैं और अपने देश नहीं लौट पा रहे हैं। होर्मुज फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। दुनिया के बड़े तेल उत्पादक देशों से होने वाली सप्लाई का एक बड़ा हिस्सा इसी समुद्री रास्ते से गुजरता है। इस साल मार्च में जंग के दौरान अमेरिका ने श्रीलंका के तट के पास ईरान का युद्धपोत आईरिस देना डूब गया था। इसमें 100 से ज्यादा सैनिक मारे गए थे। यह घटना श्रीलंका के तट के पास हुई थी। रॉयटर्स के मुताबिक, ईरानी फ्रिगेट श्रीलंका के गाले शहर से करीब 19 नॉटिकल मील दूर डूबा था। यह इलाका श्रीलंका के विशेष आर्थिक क्षेत्र यानी ईईज़ेड में आता है। श्रीलंका के लिए यह फैसला आसान नहीं है। देश अभी आर्थिक संकट से उबरने की कोशिश कर रहा है और अमेरिका व ईरान दोनों उसके कारोबारी साझेदार हैं। श्रीलंका को आर्थिक संकट के दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से राहत पैकेज दिलाने में अमेरिका ने अहम भूमिका निभाई थी। अमेरिका की मदद से कृषि क्षेत्र को खाद्य संकट से उबारने के प्रयास भी किए गए थे। श्रीलंका के अधिकारियों के मुताबिक, जहाजों को सामान और दूसरी सेवाएं देने वाली कंपनियां अमेरिकी प्रतिबंधों के संभावित खतरे को लेकर सतर्क हैं। ऐसे में सरकार को मानवीय जरूरतों और अमेरिका के साथ अपने रिश्तों के बीच संतुलन बनाना पड़ रहा है। करीब सात महीने पहले अमेरिकी टॉरपीडो हमले में ईरान का नौसैनिक जहाज आईरिस देना डूब गया था। इस घटना में 87 ईरानी नौसैनिकों की मौत हुई थी। यह जहाज भारत के निमंत्रण पर आयोजित नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेने के बाद अपने देश लौट रहा था। इसके बाद एक दूसरे ईरानी जहाज को तकनीकी खराबी के कारण श्रीलंका के बंदरगाह पर लाया गया था। उसके घायल नाविकों का श्रीलंकाई अस्पतालों में इलाज किया गया। जहाज से बचाए गए लोगों और घायल नाविकों को बाद में सुरक्षित ईरान भेज दिया गया था। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार दयान जयतिलके ने कहा कि श्रीलंका मुश्किल स्थिति में है और उसकी मदद करने की भी व्यावहारिक सीमाएं हैं। उनके मुताबिक, दुनिया को यह समझना चाहिए कि श्रीलंका जानबूझकर सहायता से इनकार नहीं कर रहा, बल्कि उसे सावधानी से फैसला लेना पड़ रहा है। जयतिलके ने कहा कि ये युद्धपोत नहीं, बल्कि मालवाहक जहाज हैं, जो ईरान से चीन तक तेल ले जाते थे। अगर इन जहाजों पर हमला होता है और वे मदद के लिए श्रीलंका के जलक्षेत्र में आते हैं, तो उन्हें तुरंत सहायता देना देश की नैतिक जिम्मेदारी होगी।

छिनैती के अभियोग से सम्बन्धित 02 अभियुक्त थाना कर्नलगंज पुलिस द्वारा गिरफ्तार, कब्जे से 04 मोबाइल फोन बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। थाना कर्नलगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय के पंजीकृत

मु0अ0स0 57/2026 धारा 304(2) बी0एन0एस से सम्बन्धित प्रकाश में आये 02 अभियुक्त 1. अभय राज उर्फ राजा पुत्र राज कुमार सरोज नि0 नवघरवा ओम गायत्री नगर चाँदपुर सलोरी थाना कर्नलगंज जनपद प्रयागराज व 2. शहीद पुत्र शंकर नि0 ग्राम पलिन्दा थाना रक्शा जनपद झाँसी हाल पता तिनकुनिया चौराहा छोटा हनुमान मंदिर जी के पास थाना दारागंज जनपद प्रयागराज को मुखबिर की सूचना पर आज दिनांक 08.10.2026 को अयोध्या हॉस्टल के दाहिने तरफ ढरहरिया की तरफ जाने वाले रास्ते के पास थाना क्षेत्र कर्नलगंज से गिरफ्तार किया गया व उनके कब्जे से 03 एंड्रॉयड मोबाइल फोन ओप्पो कम्पनी व 01 एंड्रॉयड मोबाइल फोन पोको कम्पनी का बरामद किया गया।

दीपावली त्यौहार के अवसर पर अस्थायी आतिशबाजी विक्रय लाइसेन्स हेतु आवेदन प्रक्रिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस वर्ष दीपावली त्यौहार के अवसर पर

कमिश्नरेट प्रयागराज में आतिशबाजी का अस्थायी विक्रय लाइसेन्स प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रक्रिया निम्नवत् है- 1. अस्थायी आतिशबाजी विक्रय लाइसेन्स प्राप्त करने हेतु आवेदन फार्म दिनांकः 10.10.2026 से उपलब्ध होगें। इच्छुक व्यक्ति इसके लिए, कमिश्नरेट पुलिस कार्यालय के प्रथम तल पर स्थित कार्यालय, अपर पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) पर अपना आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज-03 फोटो एवं विगत वर्ष दीपावली के अवसर पर, उनको निर्गत अस्थायी आतिशबाजी लाइसेन्स की मूलप्रति के साथ स्वयं उपस्थित होकर, आवेदन फार्म एवं स्व-घोषणा पत्र का प्रारूप निःशुल्क प्राप्त कर सकते हैं।

2. इच्छुक व्यक्ति निर्धारित फार्म को भरकर एवं सभी अपेक्षित प्रपत्रों को संलग्न करके, उपरोक्त कार्यालय में दिनांकः 10.10.2026 से दिनांकः 25.10.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में समय 10:00 बजे से 16:00 बजे तक जमा कर सकते हैं। दिनांकः 25.10.2026 के पश्चात् प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जायेगा। 3. अस्थायी आतिशबाजी विक्रय लाइसेन्स प्राप्त करने हेतु निर्धारित राजकीय शुल्क व अन्य अनिवार्य शर्तों का उल्लेख आवेदन फार्म के पृष्ठ भाग पर अंकित किया गया है।

इच्छुक व्यक्ति इनका भली-भाँति पढ़ने एवं समझने के उपरान्त ही आवेदन करें। 4. अस्थायी आतिशबाजी विक्रय लाइसेन्स का आवंटन 'पहले आओ, पहले पाओ' प्रक्रिया के अन्तर्गत किया जायेगा।

शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में आगामी त्योहारों को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु सेन्ट्रल पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

डीएम व एसपी ने धर्मगुरुओं, आयोजकों एवं संबंधित अधिकारियों से संवाद कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरूवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं सकुशल सम्पन्न कराने के उद्देश्य से सेन्ट्रल

पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी पर्वों एवं त्योहारों के आयोजन को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं संभ्रांत नागरिकों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं एवं सुझावों की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शारदीय नवरात्रि का आयोजन 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। इसके अंतर्गत दुर्गा महाष्टमी 18 अक्टूबर, राम नवमी, दशहरा/भरत मिलाप, महर्षि वाल्मीकि जयंती 20/21 अक्टूबर, धनतेरस 06 नवम्बर, नरक चतुर्दशी 07 नवम्बर, दीपावली 08 नवम्बर, गोवर्धन पूजा 09/10 नवम्बर, भैयादूज एवं चित्रगुप्त जयंती 10 नवम्बर, छठ पूजा 15/16 नवम्बर तथा कार्तिक पूर्णिमा 24 नवम्बर 2026 को मनाई जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में सभी पर्व एवं त्योहार भाईचारे, आपसी सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी आयोजनों को पूर्व से चली आ रही परंपराओं के अनुरूप ही सम्पन्न कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की नई परंपरा की शुरुआत न होने दी जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में संयुक्त रूप से भ्रमण कर जुलूस मार्गों, कार्यक्रम स्थलों एवं पूजा स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर लें। निरीक्षण के दौरान यदि कहीं कोई समस्या अथवा कमी पाई जाती है तो संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर उसका समय से निराकरण सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने कहा कि अतिक्रमण के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित न हो, इसके लिए आवश्यक कार्रवाई की जाए। संबंधित विभाग अपने-अपने क्षेत्र की सड़कों को समय से पूर्व गड्ढामुक्त कराना सुनिश्चित करें, जिससे श्रद्धालुओं एवं आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने दुर्गा पूजा समितियों, रामलीला एवं भरत मिलाप समितियों, मेला समितियों, शोभायात्रा आयोजकों, धर्मगुरुओं, मौलवियों, व्यापार मंडल के पदाधिकारियों, संभ्रांत नागरिकों एवं गंगा स्नान घाटों से जुड़े प्रतिनिधियों से प्रशासन का सहयोग करने तथा आपसी भाईचारा एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की। पुलिस अधीक्षक ने धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस/ प्रशासन का सहयोग करें तथा युवाओं को भी जागरूक करें कि वे किसी भी अप्रिय घटना अथवा हुड़दंग में शामिल न हों। उन्होंने कहा कि पूजा स्थलों एवं जुलूसों में अश्लील गीत-संगीत का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। जुलूसों में किसी भी प्रकार के अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन अथवा प्रयोग पूर्णतः वर्जित होगा। नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, यातायात, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, चिकित्सा एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित कर ली जाएं। उन्होंने कहा कि प्रशासन एवं पुलिस विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जनपद में शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखना सुनिश्चित करें। बैठक में अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आयुष अग्रवाल सहित समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, संबंधित विभागों के अधिकारीगण, पीस कमेटी के सदस्य, धर्मगुरु, मौलवी, व्यापार मंडल के पदाधिकारी, संभ्रांत नागरिक एवं धार्मिक स्थलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

विद्यालय की सेफ्टी ऑडिट की गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। गुरूवार को पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय पालपुर चाका

प्रयागराज में विद्यालय की सेफ्टी ऑडिट की गई जिसमें फील्ड ऑडिटर विनय पांडे रजनीश यादव(फायर सेफ्टी) करन कुमार (सिविल इंजीनियर)एवं प्रवीण मिश्रा(डिस्टिक कोऑर्डिनेटर) मौजूद रहे स्कूल में पहुंचते ही ऑडिट टीम ने मानक के द्वारा रसोई, शौचालय, स्टाफ रजिस्टर, मिड डे मील आदि सभी चीजों की गहन चेकिंग की स्कूल की प्रधानाध्यापक उषा शर्मा जी के द्वारा सभी चीजों का बारीकी से निरीक्षण कराया ऑडिट टीम के द्वारा सभी दस्तावेज मांगे गए और प्रधानाध्यापक के द्वारा उपलब्ध कराया गया।

ऑडियो टीम के द्वारा बच्चों को आपदा के विषय में जागरूक भी किया।

भगवान दीन के परिजनों से मिले अखिलेश माही,हत्यारों की हो शीघ्र गिरफ्तारी और परिवार को मिले आर्थिक सहायता- माही

इस सरकार में सबसे ज्यादा पीडीए परिवार उजड़े हैं- माही

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरूवार को दो दिन पहले बछरांवा थाना क्षेत्र के घुरौना

गांव के निवासी भगवान दीन यादव की दबंगो ने पीट-पीट कर हत्या कर दी थी जिसके बाद समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं अधिवक्ता अखिलेश माही ने भगवान दीन के परिजनों से मुलाक़ात कर सांत्वना दी और परिवार को यथा संभव मदद का भरोसा दिलाया। नाली साफ करने को लेकर हुए विवाद में दबंगो ने भगवान दीन की पीट-पीट कर हत्या कर दी थी जिसके बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा, ऐसे में सपा नेता ने परिवार को आश्वस्त किया कि इस दुःख की घड़ी में अपने आपको अकेला ना समझें,समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ है और न्याय दिलवाने में जो संघर्ष करना पड़ेगा, उसमें हम सभी पूरा साथ देंगे। परिजनों से मुलाक़ात के बाद अखिलेश माही ने कहा कि परिजनों ने बताया है कि भगवान दीन की हत्या जातीय द्वेष में हुई है, यह सरकार पीडीए विरोधी है इसमें सबसे ज्यादा जुल्म और सितम पीडीए के लोगों पर हो रहे हैं. भगवान दीन का परिवार एक अकेला परिवार नहीं है जिनकी जिंदगी इस सरकार में उजड़ी है, कानून का राज खत्म हो गया है भाजपा सरकार में गुंडा राज है और यही पीडीए के लोगों पर हो रहे अत्याचार का कारण है। अभी हमारी यही मांग है भगवान दीन की हत्या के सभी आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हो और प्रशासन पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक सहायता मुहैया करवाए। यदि परिवार को न्याय नहीं मिलेगा तो समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार के लिए सड़क पर उतर कर संघर्ष करने के लिए बाध्य होगी।

श्रीराम जन्म के अवसर पर जेन-जी को रामलीला की ओर आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रसिद्ध भजन गायक गगन राठौड़ के नेतृत्व में भजन जैमिंग का होगा कार्यक्रम

सेक्टर -62 के रामलीला मैदान में पुतले,पंडाल व स्टेज बनाने का कार्य अंतिम चरण में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गुरूवार को श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति के महासचिव डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा ने

बताया कि रामलीला मैदान,सेक्टर -62 में आयोजित होने वाले श्रीरामलीला महोत्सव 2026 की तैयारियां अब अंतिम चरण में है। 70 फीट के रावण, 65 फीट के कुंभकरण व 60 फीट के मेघनाद के पुतले बनाने का कार्य भी अंतिम चरण में है।पुतले बनाने के कार्य में लोनी के एक दर्जन कलाकार दिन-रात लगे हैं।वहीं पंडाल व स्टेज बनाने का कार्य भी तेजी से चल रहा है।इस बार 120 फीट लंबा,40 फीट चौड़ा व 6 फीट ऊंचा स्टेज बन रहा है। इसके ऊपर 18 फीट ऊंची स्टेज की दूसरी मंजिल भी बन रही है। दो मंजिला स्टेज बन रहा है।स्टेज के पीछे कलाकारों के लिये 90 फीट लंबा व 30 फीट चौड़ा पंडाल बन रहा है। डॉ.शर्मा ने बताया कि इस बार श्रीरामलीला मंचन में फिल्म जगत से जुड़े कलाकारों सहित कई अनुभवी कलाकार प्रमुख किरदारों की भूमिका में होंगे।रामलीला मंचन मुरादाबाद की लीला मंडली श्री जानकी कला मंच के लगभग 60 कलाकारों द्वारा की जायेगी।दर्शकों की सुरक्षा की चाक-चौबंद व्यवस्था की जा रही है।रामलीला स्थल पर एक सौ सुरक्षा गार्ड,दो दर्जन सीसीटीवी कैमरे,मेडिकल एम्बुलेंस,अग्निशमन यंत्रों सहित सभी प्रकार की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थायें की जा रही हैं।बच्चों व दर्शकों के मनोरंजन के लिये कई प्रकार के झूले व खेल तमाशों की व्यवस्था की जा रही है।दर्शकों व श्रद्धालुओं के खान-पान के लिये कई स्टॉल लगाये जा रहे हैं। समिति के महासचिव डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा ने बताया कि युवाओं,जेन-जी और जेन-अल्फा को रामलीला में आकर्षित करने के लिए भजन जैमिंग का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।उन्होंने बताया कि 12 अक्टूबर को श्रीराम जन्म के अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक गगन राठौड़ और उनकी टीम के द्वारा भजन जैमिंग का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग ने बताया कि रामलीला मंचन 11 अक्टूबर 2026 से 21 अक्टूबर 2026 तक प्रतिदिन सायं 07.00 बजे से रात्रि 11.00 बजे तक होगा। 11 अक्टूबर को रामलीला महोत्सव का उद्घाटन व मंचन हवन-पूजन के साथ शुरू हो जायेगा।समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि 15 अक्टूबर को श्रीराम बारात शोभायात्रा निकलेगी,जो सेक्टर-20 के हनुमान मंदिर से शुरू होकर नोएडा शहर के विभिन्न सेक्टरों से होकर सेक्टर-62 रामलीला स्थल पर पहुंचेगी। 20 अक्टूबर को सायं 05.00 बजे विजयदशमी महोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा तथा रावण,कुंभकरण और मेघनाद के पुतलों का दहन होगा।

21 अक्टूबर को श्रीराम-भरत मिलाप व श्रीराम राज्याभिषेक के साथ ही ग्यारह दिवसीय श्रीरामलीला महोत्सव का समापन हो जाएगा।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर कांग्रेस ने निकाला मशाल जुलूस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। गुरूवार को एसआईआर वोट चोरी के विरुद्ध मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते गुरुवार को शहर कांग्रेस

कमेटी तथा जिला यमुनापार पार व गंगा पार कमेटी के कार्यकर्ताओं ने सायं पत्थर गिरजा धरना स्थल से सुभाष चौराहे तक मशाल जुलूस निकाल विरोध प्रदर्शन किया और काला दिवस मनाया। शहर अध्यक्ष फुज़ैल हाशमी के नेतृत्व में हाथों में मशाल लिए पार्टी कार्यकर्ता ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दो, मोदी-शाह मुर्दाबाद आदि नारे लगा रहे थे। इस दौरान सुभाष चौराहा पर हुई सभा को राष्ट्रीय प्रभारी सचिव वरुण चौधरी ने संबोधित करते हुए कहा कि हम नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व में लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए लड़ रहे हैं । नरेंद्र मोदी अमित शाह मोहन भागवत और ज्ञानेश कुमार जैसे तानाशाहों ने देश से लोकतंत्र खत्म कर दिया है । कहा कि मतदाता सूची से लोगों के नाम काटे जाने के साथ देश को वोट चोरी से हाईजैक कर लिया गया है जो देशद्रोह है । चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते चौधरी ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार और आयोग भाजपा के लिए काम रहे हैं।केंद्र और अनेक राज्यों की भाजपा की सरकारें जब से सत्ता में आई है चुनाव आयोग निष्पक्ष काम नहीं कर रहा है । सरकार को चेतावनी दी कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक देशव्यापी आंदोलन जारी रहेगा। छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष संजय तिवारी विवेकानंद पाठक फुज्जैल हाशमी सुधाकर तिवारी, किशोर वार्ष्णेय,हरिकेश त्रिपाठी, विजय मिश्रा, मुमताजअंसारी, अशफाक अहमद, मनोज पासी राकेश पटेल प्रतिमा त्रिपाठी मंजू संत परवेज अख्तर अंसारी दिवाकर सरोज अनुपम श्रीवास्तव नागेश पांडे सुनील यादव जितेश मिश्रा अनूप त्रिपाठी, अफ़रोज़ अहमद, विनय दुबे, अल्पना निषाद, राजेश राकेश, राकेश श्रीवास्तव, अरशद अली, देवी पांडेय, गोविंद कटारिया, राजेश्वरी पटेल, गौरव पांडेय, तलत अजीम शाहिद अनेक शामिल थे।

नोएडा में पार्टी का बदलेगा अंदाज, बिना शराब के नियोन लाइट्स के बीच होगी 'कॉफी रेव'

(विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर आज सेक्टर-141 में होगा 'GLOWOUTT' का आयोजन)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। में युवाओं के मनोरंजन और सामाजिक मेलजोल के तौर-तरीकों में बदलाव देखने को मिल रहा है। अब पार्टी और नाइटलाइफ का

मतलब केवल शराब, डांस और तेज संगीत तक सीमित नहीं रह गया है। युवाओं को मनोरंजन के साथ खेल, कला, संगीत और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से नोएडा की डिजिटल सिटी कम्युनिटी नोएडाग्राम ने एक नई ऑफलाइन कम्युनिटी 'OUTTCLUB' की शुरुआत की है।इस पहल के तहत पहला कार्यक्रम 'GLOWOUTT' शनिवार, 10 अक्टूबर 2026 को शाम 5 बजे से रात 10 बजे तक नोएडा के सेक्टर-141 स्थित पिकल फ्लो सोशल में आयोजित किया जाएगा। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मनोरंजन के साथ मानसिक स्वास्थ्य, सांस्कृतिक, शारीरिक गतिविधियों और सामाजिक गतिविधियों को विशेष महत्व दिया जाएगा। नियोन और यूवी लाइट्स के बीच लाभदायक अनुभवः-आयोजकों के अनुसार, कार्यक्रम स्थल के इनडोर एरिना को विशेष नियोन और अल्ट्रावायलेट (यूवी) लाइट्स की सहायता से आकर्षक 'ग्लो इन द डार्क' स्पेस में मॉडिफाई किया जाएगा। यहां प्रतिभागियों को एक ही शाम में कई अलग-अलग गतिविधियों का अनुभव करने का अवसर मिलेगा।कार्यक्रम की शुरुआत डांस मूवमेंट थेरेपी से होगी, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को शारीरिक गतिविधियों और मानसिक सहजता से जुड़ने का अनुभव मुहैया होगा। इसके बाद मितव्यवाई नियोन पेंटिंग का आयोजन होगा, जिसमें प्रतिभागियों को फ्लोरोसेंट रंगों से अपनी रचनात्मक प्रतिभा प्रदर्शित कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त यूवी और नियोन लाइट्स से जगमगाते विशेष कोर्ट पर 'ग्लो पिकलबॉल' खेलने का अवसर भी मिलेगा। कार्यक्रम का अंतिम एक घंटा विशेष 'कॉफी रेव' के नाम रहेगा, जिसमें दिल्ली के डीजे एनी टाइम लाइव संगीत प्रस्तुत करेंगे। कॉफी, संगीत, नियोन और लेजर लाइट्स का संयोजन पारंपरिक शराब-सख्त गतिविधियों से अलग मनोरंजन का अनुभव प्रदान करेगा। शराब के बिना भी यादगार हो सकती है नाइटलाइफ़ : आशीष भार्गव- OUTTCLUB एवं नोएडाग्राम के संस्थापक आशीष भार्गव ने बताया कि नोएडा में युवाओं के लिए मनोरंजन की नई संस्कृति विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'नोएडा में शानदार नाइट आउट के लिए शराब की आवश्यकता नहीं है। आज के युवा कॉफी के साथ संगीत का आनंद लेना चाहते हैं, खेलना चाहते हैं, कुछ नई रचना चाहते हैं और नए लोगों से वास्तविक रूप से जुड़ना चाहते हैं। OUTTCLUB इसी तरह सोच को एक सामुदायिक मंच प्रदान करने की पहल है। GLOWOUTT के माध्यम से हम थेरेपी, कला, खेल और संगीत को एक ही शाम में एक साथ ला रहे हैं।'युवाओं को सामाजिक गतिविधि का मिलेगा नया मंच आयोजकों का कहना है कि OUTTCLUB का उद्देश्य केवल कार्यक्रम आयोजित करना नहीं है, बल्कि युवाओं को डिजिटल दुनिया से बाहर निकालकर वास्तविक सामाजिक संबंध बनाने के अवसर उपलब्ध कराना भी है। इस पहल के माध्यम से खेल, संगीत, रचनात्मक गतिविधियों और साझा अनुभवों को बढ़ावा दिया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण डांस मूवमेंट थेरेपी, नियोन पेंटिंग, ग्लो पिकलबॉल और लाइव डीजे के साथ कॉफी रेव होंगे।

(यू.पी.पी.सी.एल) ने बिजली उपभोक्ताओं के लिए व्हाट्सप्प चैटबॉट सेवा शुरू की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ/वाराणसी। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड

(यू.पी.पी.सी.एल) ने बिजली उपभोक्ताओं के लिए DISCOM वार व्हाट्सप्प चैटबॉट सेवा शुरू की है। इसके जरिए उपभोक्ता घर बैठे बिजली बिल की जानकारी, शिकायत और सेल्फ बिल जैसी सेवाओं का लाभ 24×7 उठा सकते हैं। बिना बिल मिले भी मीटर रीडिंग की फोटो अपलोड कर बिल जनरेट किया जा सकता है। पावर कट, वोल्टेज या गलत बिलिंग की शिकायत दर्ज कर उसका स्टेटस ट्रैक कर सकते हैं। व्हाट्सप्प चैट से सुरक्षित बिल भुगतान के लिए ऑनलाइन पेमेंट लिंक भी मिलेगा। इस सेवा के लिए अपने क्षेत्र के DISCOM का नंबर सेव करें और व्हाट्सप्प पर HI या MENU भेजें। चैटबॉट के कहने पर 10 या 12 अंकों का बिजली खाता नंबर दर्ज करें। इसके बाद Check Bill, File Complaint Ùee Self Billing जैसे विकल्प चुनें।

यू.पी.पी.सी.एल के व्हाट्सप्प नंबरः मध्यांचल-7669003409, पूर्वांचल-8010968292, पश्चिमांचल-7859804803, दक्षिणांचल-8010957826 और ख्एिण्ध्-8287835233। इन नंबरों पर अपने क्षेत्र के अनुसार व्हाट्सप्प सेवा का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आशाओं के औसत भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि,सितंबर माह में प्रति आशा औसतन रु6,997 का हुआ भुगतान

डीएम के निर्देशों के क्रम में स्वास्थ्य विभाग ने आशाओं को विभिन्न मदो में इन्सेंटिव का किया अधिक भुगतान,सभी पात्र मदों में समयबद्ध भुगतान के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरूवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति (शासकीय निकाय) की पूर्व में सम्पन्न हुई बैठक में जनपद की आशा कार्यकत्रियों को विभिन्न कार्यों के सापेक्ष किए जाने वाले औसत भुगतान में वृद्धि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ मनोज शुक्ला के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आशा कार्यकत्रियों के भुगतान की समीक्षा एवं प्रभावी कार्यवाही किए जाने के फलस्वरूप माह सितंबर 2026 में जनपद की कुल 2636 आशा कार्यकत्रियों को विभिन्न मदों में औसतन रु6,997 प्रति आशा इन्सेंटिव का भुगतान किया गया है। माह अगस्त 2026 में आशा कार्यकत्रियों को औसतन लगभग रु5,300 प्रतिमाह का भुगतान किया गया था। इस प्रकार सितंबर माह में आशा कार्यकत्रियों के औसत भुगतान में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सितंबर माह में हुआ रु6,997 का औसत भुगतान अब तक का अधिकतम औसत भुगतान है। वर्तमान में आशा कार्यकत्रियों को उनके द्वारा संपादित कार्यों के सापेक्ष लगभग 65 से 70 विभिन्न मदों में नियमानुसार भुगतान किया जाता है। इनमें टीकाकरण, जननी सुरक्षा योजना, गैर संचारी रोग (एनसीडी) सहित स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं गतिविधियों से संबंधित कार्य शामिल हैं। माह सितंबर 2026 में इन विभिन्न मदों के अंतर्गत आशा कार्यकत्रियों द्वारा किए गए कार्यों के आधार पर भुगतान की कार्यवाही की गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गई समीक्षा के अनुसार डलमऊ, ऊंचाहार एवं अमावां विकासखंडों में आशा कार्यकत्रियों का औसत भुगतान जनपद के औसत की तुलना में बेहतर रहा है। वहीं सरेनी, डीह, रोहनियां, हरचन्दपुर, छतोह, सलोन एवं महराजगंज विकासखंडों में आशा कार्यकत्रियों का औसत भुगतान जनपद के औसत से कम पाया गया है। इस संबंध में जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि कम औसत भुगतान वाले विकासखंडों में संबंधित अधीक्षक, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) एवं ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर (बीसीपीएम) के स्तर पर समीक्षा करते हुए आशा कार्यकत्रियों द्वारा किए जा रहे पात्र कार्यों के सापेक्ष नियमानुसार भुगतान में वृद्धि सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी पात्र मद में भुगतान लंबित न रहे।जिला कम्युनिटी प्रोसेस प्रबंधन द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में जिन विकासखंडों में आशा कार्यकत्रियों का औसत भुगतान अपेक्षाकृत कम है, वहां भुगतान में वृद्धि होने पर जनपद का समग्र औसत भुगतान भी और बढ़ने की संभावना है। निम्न उपलब्धि वाले विकासखंडों के संबंधित कार्मिकों की समीक्षा कर अक्टूबर माह में नियमानुसार पात्र कार्यों के सापेक्ष आशा कार्यकत्रियों के भुगतान में वृद्धि हेतु विशेष प्रयास किए जाएंगे। जिलाधिकारी ने आशा कार्यकत्रियों के औसत भुगतान में हुई वृद्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि आशा कार्यकत्रियों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों का नियमित रूप से सत्यापन एवं अनुश्रवण किया जाए तथा सभी पात्र मदों में कार्य के सापेक्ष नियमानुसार एवं समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि आशा कार्यकत्रियां ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

इसलिए उनके द्वारा किए गए कार्यों के सापेक्ष देय पारिश्रमिक/भुगतान में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। संबंधित अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि पात्र आशा कार्यकत्रियों को उनके कार्य के अनुरूप देय भुगतान समय से प्राप्त हो तथा कम भुगतान वाले विकासखंडों में प्रभावी समीक्षा कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही की जाए।

कृषि यंत्रों पर अनुदान के लिए 20 अक्टूबर तक ऑनलाइन बुकिंग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरूवार को उप कृषि निदेशक हिमांशु पाण्डेय ने बताया

है कि समस्त किसान भाइयों को दशहरा के पावन पर्व पर मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का उपहार कृषि यंत्रो को पाने का कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के कृषि यंत्र/कृषि रक्षा उपकरण पर अनुदान प्राप्त करने का सुनहरा अवसर है। उन्होंने बताया है कि कृषि विभाग द्वारा संचालित नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन योजनान्तर्गत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन अन्तर्गत फार्म मशीनरी बैंक, कस्टम हायरिंग सेन्टर कृषि ड्रोन, अन्य एकल कृषि यंत्र तथा प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन फॉर इन-सीटू मैनेजमेन्ट ऑफ कॉप रेण्ड्यू अन्तर्गत फसल अवशेष प्रवन्धन के एकल कृषि यंत्र, कस्टम हायरिंग सेन्टर तथा एग्रीगेटर एवं अन्य योजनाओं के कृषि यंत्र/कृषि रक्षा उपकरण के आवेदन हेतु बुकिंग 07 अक्टूबर 2026 को दोपहर 12:00 बजे से 20 अक्टूबर 2026 रात्रि 12:00 तक की जायेगी।उप कृषि निदेशक ने बताया है कि सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन के अन्तर्गत कस्टम हायरिंग सेन्टर (परियोजना रू0 10.00 लाख) फार्म मशीनरी बैंक (परियोजना रू0 10.00 लाख) किसान ड्रोन एवं अन्य एकल कृषि यंत्र। फसल अवशेष प्रबन्धन के अन्तर्गत फसल अवशेष प्रबन्धन के एकल कृषि यंत्र, कस्टम हायरिंग सेन्टर (परियोजना रू0 30.00 लाख) एवं एग्रीगेटर (परियोजना रु0 100.00 लाख)। त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत पॉपिंग मशीन एवं मेज सेलर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत मिलेट प्रोसेसर (मिलेट पर्लर)। विभिन्न परिस्थिकीय संसाधनों द्वारा कीट रोग नियंत्रण योजना के अन्तर्गत स्प्रेयर (मानव चालित), स्प्रेयर (पॉवर चालित) एवं वखारी। नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल सीड अन्तर्गत कृषि यंत्र। दलहन मिशन योजनान्तर्गत दाल मील। यंत्रो की बुकिंग/आवेदन विभागीय पोर्टल agriculture.up.gov.in पर ऑनलाइन विकासखण्डवार की जोयगी। उप कृषि निदेशक ने बताया है कि एग्रीगेटर (परियोजना रू0-100.00 लाख) एवं शुगर केन हार्वेस्टर सेल्फ प्रोपेल्ड की बुकिंग/आवेदन विभागीय पोर्टल agriculture.up.gov.in पर ऑनलाइन राज्य स्तर पर की जायेगी। विभाग के पोर्टल पर किसान कॉर्नर के अन्तर्गत 'यंत्र बुकिंग प्रारम्भ' पर क्लिक कर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। कृषि यंत्रो का विवरण, यंत्र बुकिंग एवं अनुदान प्रक्रिया से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी हेतु उप कृषि निदेशक कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।

ज्ञानेश कुमार के समर्थन में नोएडा में शांतिपूर्ण पैदल मार्च, राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल और सर्व समाज ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न देने की मांग की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गुरूवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के समर्थन में गुरुवार को नोएडा में उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल और सर्व समाज महत्वपूर्ण है। उन्होंने नागरिकों से अपने मतदाता विवरण की जांच करने और किसी भी त्रुटि की स्थिति में निर्धारित प्रक्रिया के तहत सुधार कराने की अपील की। विवरण की समय-समय पर जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी बात रखने के लिए शांतिपूर्ण और संवैधानिक माध्यमों का इस्तेमाल

के आह्वान पर शांतिपूर्ण पैदल मार्च निकाला गया। मार्च डीएम चौक, सेक्टर-27 से शुरू होकर सेक्टर-19 स्थित एसडीएम कार्यालय पहुंचा। यहां प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न प्रदान किए जाने की मांग रखी गई। मार्च में व्यापारी समाज के साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में नागरिक शामिल हुए। लोकतांत्रिक संस्थाओं के सम्मान के लिए व्यापारी और सर्व समाज एकजुट : विकास जैन, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि आज का पैदल मार्च किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल के विरोध का कार्यक्रम नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति सम्मान और संवैधानिक प्रक्रिया में विश्वास व्यक्त करने का शांतिपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा, 'भारत का लोकतंत्र हमारी सबसे बड़ी ताकत है। स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव के लिए विश्वसनीय मतदाता सूची तथा मजबूत संवैधानिक संस्थाएं आवश्यक हैं। आज उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल और सर्व समाज ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी भावना राष्ट्रपति जी तक पहुंचाई है।' विकास जैन ने कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देश में राजनीतिक बहस चल रही है। लोकतंत्र में अलग-अलग विचार और असहमति स्वाभाविक हैं, लेकिन किसी भी संवैधानिक संस्था अथवा पदाधिकारी के संबंध में निष्कर्ष तथ्यों, कानून और निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के आधार पर ही निकाला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होना और अपात्र नामों को हटाना निष्पक्ष चुनाव के लिए मनोज गुप्ता ने कहा–असहमति लोकतंत्र का हिस्सा, संवैधानिक मर्यादा जरूरी- मनोज गुप्ता, पूर्व महानगर अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने और असहमति व्यक्त करने का अधिकार है। चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े विषयों पर स्वस्थ बहस लोकतंत्र का हिस्सा है, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान बनाए रखना भी सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को अपने मतदाता अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए तथा मतदाता सूची में अपने नाम और विवरण की जांच करनी चाहिए। किसी भी समस्या की स्थिति में निर्धारित कानूनी एवं प्रशासनिक प्रक्रिया का पालन किया जाना चाहिए। जय भगवान गोयल ने कहा–निष्पक्ष चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद- वरिष्ठ भाजपा नेता एवं दिल्ली से कार्यक्रम में पहुंचे जय भगवान गोयल ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए चुनाव प्रक्रिया में जनता का विश्वास महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची की शुचिता और पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं के प्रति सम्मान बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है।

उन्होंने नोएडा में आयोजित शांतिपूर्ण पैदल मार्च की सराहना की। सत्यनारायण गोयल ने नागरिक जागरूकता को बताया जरूरी:- प्रमुख समाजसेवी सत्यनारायण गोयल ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने में प्रत्येक नागरिक की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि लोगों को अपने मताधिकार के प्रति जागरूक रहना चाहिए और मतदाता सूची में अपने नाम एवं विवरण की समय-समय पर जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी बात रखने के लिए शांतिपूर्ण और संवैधानिक माध्यमों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। एसआईआर को लेकर देश में जारी बहस का भी उल्लेखः- कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर देश में चल रही राजनीतिक बहस का भी उल्लेख किया। वक्ताओं ने कहा कि मतदाता सूची की शुचिता के साथ-साथ पात्र मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि इस विषय पर विभिन्न राजनीतिक दलों और संगठनों के अलग-अलग मत हो सकते हैं,

लेकिन मतदाता सूची से संबंधित किसी भी विषय पर नागरिकों को तथ्यों और निर्धारित संवैधानिक एवं कानूनी प्रक्रिया के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के नाम सौंपा ज्ञापनः-पैदल मार्च के बाद प्रतिनिधिमंडल सेक्टर-19 स्थित एसडीएम कार्यालय पहुंचा और राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार को भारत रत्न प्रदान किए जाने की मांग की गई।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने कहा कि यह मांग संगठन और सर्व समाज की ओर से सम्मान एवं सार्वजनिक प्रशंसा की भावना के रूप में रखी गई है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों, शांतिपूर्ण अभिव्यक्ति और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने पैदल मार्च में शामिल सभी व्यापारी संगठनों, सामाजिक संस्थाओं, पदाधिकारियों, महिलाओं, युवाओं और नागरिकों का आभार व्यक्त किया और कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखने का सबसे प्रभावी माध्यम शांतिपूर्ण, संवैधानिक और लोकतांत्रिक प्रक्रिया है।

व्यापारी हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं, प्रस्ताव वापस न हुआ तो होगा व्यापक आंदोलन- बसन्त सिंह बग्गा

यूपीआई पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगाने के प्रस्ताव के विरोध में व्यापारियों का प्रदर्शन,कलेक्ट्रेट में जमकर नारेबाजी, जिलाधिकारी के माध्यम से वित्त मंत्री को सौंपा मांग-पत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। गुरूवार को यूपीआई के माध्यम से किये जाने वाले डिजिटल भुगतानों पर व्यापारियों से प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर लिये जाने के विरोध में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के पदाधिकारियों

एवं व्यापारियों ने आज प्रदेश उपाध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में जमकर नारेबाजी करते हुए प्रस्तावित एमडीआर के विरोध में अपना आक्रोश व्यक्त किया तथा जिलाधिकारी के माध्यम से केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को संबोधित मांग-पत्र सौंपा। जिलाधिकारी की ओर से सिटी मजिस्ट्रेट राम अवतार ने ज्ञापन प्राप्त किया तथा सम्बन्धित तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। व्यापारियों ने कहा कि यूपीआई आज देश के करोड़ों नागरिकों एवं व्यापारियों के लिए डिजिटल भुगतान का सबसे सहज, त्वरित और भरोसेमंद माध्यम बन चुका है। छोटे दुकानदारों से लेकर किराना व्यापारी, मेडिकल स्टोर, होटल-रेस्टोरेंट, फुटकर विक्रेता, ठेले-खोमचे वाले तथा विभिन्न सेवा प्रदाता तक बड़ी संख्या में यूपीआई भुगतान पर निर्भर हैं। ऐसे समय में डिजिटल भुगतान पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क लगाया जाना व्यापारियों की लागत बढ़ाने वाला और डिजिटल अर्थव्यवस्था की मूल भावना के विपरीत कदम होगा।प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों ने कहा कि पहले से ही बढ़ती महंगाई, बिजली एवं किराये की लागत, कर्मचारियों के वेतन, बैंकिंग शुल्क, करों तथा अन्य व्यावसायिक खर्चों के कारण उनका व्यापार चौपट है,उस पर एमडीआर 0.4 प्रतिशत लगाकर सरकार व्यापारियों को प्रताड़ित कर रही है।प्रदेश उपाध्यक्ष बसन्त सिंह बग्गा ने कहा कि यूपीआई को देश में डिजिटल भुगतान की रीढ़ बनाने में व्यापारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। व्यापारी वर्ग ने सुविधा, पारदर्शिता और डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए यूपीआई को खुले मन से अपनाया, लेकिन अब उसी व्यवस्था पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यापारी पहले से ही अनेक प्रकार के करों और बढ़ती व्यावसायिक लागत का सामना कर रहा है, ऐसे में यूपीआई पर एमडीआर लगाना छोटे व्यापारियों की कमर तोड़ने वाला निर्णय साबित होगा। बग्गा ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि व्यापारी किसी भी ऐसे निर्णय को स्वीकार नहीं करेगा, जिससे उसके कारोबार की लागत बढ़े और आम उपभोक्ता पर भी अप्रत्यक्ष रूप से अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़े। उन्होंने केन्द्र सरकार से मांग की कि व्यापारियों की भावनाओं और देशहित को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित 0.4 प्रतिशत एमडीआर को तत्काल वापस लिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने व्यापारियों की इस जायज मांग पर समय रहते सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से व्यापक आन्दोलन चलाने के लिए बाध्य होगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी सरकार की होगी। प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश रस्तोगी ने कहा कि देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए व्यापारी वर्ग ने हर स्तर पर सहयोग किया है। यूपीआई के माध्यम से भुगतान ने छोटे से छोटे व्यापारी को भी आधुनिक डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ने का काम किया है। ऐसे में यूपीआई भुगतान पर एमडीआर लगाने का प्रस्ताव व्यापारियों के लिए 'सुविधा के बदले शुल्क' जैसी स्थिति पैदा करेगा।

सलाम नमस्ते में राष्ट्रीय पोषण माह सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गुरूवार को आईएमएस नोएडा के सामुदायिक रेडियो सलाम नमस्ते में मासिक कार्यक्रम राष्ट्रीय

पोषण माह का आयोजन सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान सेहत सही, लाभ कई पहल के अंतर्गत युवाओं, महिलाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और स्वास्थ्य कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी करते हुए स्वस्थ एवं सुपोषित भारत का संदेश दिया। 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान संतुलित एवं पौष्टिक आहार, मां और बच्चे का स्वास्थ्य, एनीमिया से बचाव, महिलाओं के स्वास्थ्य एवं कल्याण तथा स्वस्थ जीवनशैली जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता एवं संवाद किया गया। प्रतिभागियों ने पोषण को बेहतर स्वास्थ्य और स्वस्थ परिवार के लिए आवश्यक बताते हुए समुदाय में पोषण संबंधी सही जानकारी पहुंचाने पर जोर दिया। समापन कार्यक्रम के दौरान नोएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्ष शालिनी सिंह ने कहा कि सही पोषण स्वस्थ समाज की आधारशिला है। राष्ट्रीय पोषण माह जैसे अभियान लोगों को अपने स्वास्थ्य, खान-पान और जीवनशैली के प्रति जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सलाम नमस्ते कम्युनिटी रेडियो द्वारा समुदाय को जोड़कर चलाया गया यह प्रयास सराहनीय है। वहीं नोएडा सिटीजन फोरम की सचिव गरिमा त्रिपाठी ने कहा कि पोषण के प्रति जागरूकता केवल एक महीने तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इसे हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। युवाओं और महिलाओं की भागीदारी के साथ सलाम नमस्ते का यह अभियान स्वस्थ और जागरूक समाज के निर्माण की दिशा में एक सकारात्मक पहल है। सलाम नमस्ते की स्टेशन हेड वर्षा छाबरिया ने कहा कि बताया कि स्मार्ट संस्था के सहयोग से 'सेहत सही, लाभ कई' पहल के अंतर्गत 9वां राष्ट्रीय पोषण माह 2026 मनाया गया। इस पहल को बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन का भी सहयोग प्राप्त है। उन्होंने कहा कि पोषण केवल स्वस्थ भोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह स्वस्थ परिवार और सशक्त समाज की आधारशिला है। युवाओं, महिलाओं और स्वास्थ्य कर्मियों की सक्रिय भागीदारी से पोषण संबंधी जागरूकता को समुदाय के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाया जा सकता है। सलाम नमस्ते कम्युनिटी रेडियो ऐसे महत्वपूर्ण विषयों पर निरंतर संवाद के माध्यम से लोगों को जागरूक करने के लिए प्रतिबद्ध है।

'एक डाक नेटवर्क, अनंत संभावनाएँ' थीम के साथ मनेगा विश्व डाक दिवस, राष्ट्रीय डाक सप्ताह का 9 से 15 अक्टूबर तक आयोजन- पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

'एक विश्व-एक डाक प्रणाली' की अवधारणा को साकार करने हेतु 9 अक्टूबर,1874 को हुई थी 'यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन' की स्थापना- पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) अहमदाबाद/रायबरेली। वैश्विक स्तर पर 9 अक्टूबर को 'विश्व डाक दिवस' मनाया गया। इसी क्रम में भारत में डाक विभाग की बदलती

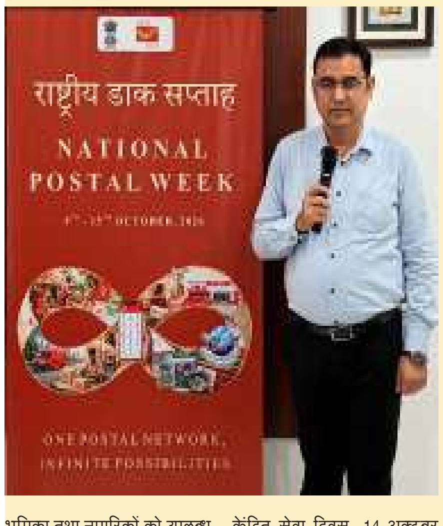

भूमिका तथा नागरिकों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की व्यापकता को ध्यान में रखते हुए 9 से 15 अक्टूबर तक 'राष्ट्रीय डाक सप्ताह' मनाया जाएगा। उक्त जानकारी देते हुए उत्तर गुजरात परिक्षेत्र, अहमदाबाद के पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि इस दौरान डाक सेवाओं में तकनीक एवं नवाचार के बढ़ते एकीकरण के साथ-साथ डाक सेवाओं को अधिक सुगम, सुलभ एवं सुविधाजनक बनाने के विभागीय प्रयासों को प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। वित्तीय समावेशन और नागरिक केंद्रित सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए ग्राहक आधार का विस्तार करने पर जोर दिया जाएगा।पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने कहा कि डाक सप्ताह के दौरान, हर दिन को एक विशेष उत्पाद या सेवा पर फोकस किया जाएगा, जिसके तहत विभिन्न गतिविधियाँ व कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 9 अक्टूबर को विश्व डाक दिवस, 12 अक्टूबर को 'फन विद फिलेटली दिवस', 13 अक्टूबर को वित्तीय समावेशन एवं नागरिक केंद्रित सेवा दिवस, 14 अक्टूबर को मेल्स एवं पार्सल दिवस और 15 अक्टूबर को 'प्रौद्योगिकी व नवाचार दिवस' (टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन डे) मनाया जायेगा। इस वर्ष विश्व डाक दिवस की थीम 'विश्व डाक दिवसः एक डाक नेटवर्क, अनंत संभावनाएँ' ('वर्ल्ड पोस्ट डेः वन पोस्टल नेटवर्क, इनफिनिट पॉसिबिलिटीज') है। 'विश्व डाक दिवस' का उद्देश्य लोगों एवं व्यवसायों के दैनिक जीवन में डाक विभाग की भूमिका तथा वैश्विक सामाजिक एवं आर्थिक विकास में डाक सेवाओं के योगदान के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना है। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि 'एक विश्व-एक डाक प्रणाली' की अवधारणा को साकार करने हेतु 9 अक्टूबर, 1874 को 'यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन' की स्थापना बर्न, स्विट्जरलैंड में की गई, जिससे विश्व भर में एक समान डाक व्यवस्था लागू हो सके। भारत प्रथम एशियाई राष्ट्र था, जो कि 1 जुलाई 1876 को इसका सदस्य बना। कालांतर में वर्ष 1969 में टोकियो, जापान में सम्पन्न यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन कांग्रेस में इस स्थापना दिवस 9 अक्टूबर को 'विश्व डाक दिवस' के रूप में मनाने हेतु घोषित किया गया। पोस्टमास्टर जनरल श्री कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि डाक सप्ताह के दौरान डाक सेवाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं ग्राहक सेवा विस्तार द्वारा राजस्व अर्जन में वृद्धि पर जोर दिया जायेगा। 9 अक्टूबर को 'विश्व डाक दिवस' मनाया जायेगा। 12 अक्टूबर को 'फन विद फिलेटली दिवस' पर विद्यार्थियों को डाक सेवाओं व फिलेटली से जोड़ने के लिए फिलेटलिक प्रदर्शनी, माय स्टाम्प, विद्यालयों में संवादात्मक एवं जागरूकता कार्यक्रम, डाकघरों व फिलेटलिक ब्यूरो का भ्रमण, क्विज, ढाई आखर पत्र लेखन प्रतियोगिता एवं दीनदयाल स्पर्श छात्रवृत्ति योजना इत्यादि गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी। एन-जेन पोस्ट ऑफिस में फिलेटलिस्टों के साथ फिलेटली कार्यशाला एवं ग्रुप डिस्कशन का आयोजन किया जाएगा। 13 अक्टूबर को 'वित्तीय समावेशन एवं नागरिक केंद्रित सेवा दिवस' पर बचत सेवाओं, डाक जीवन बीमा, आधार कैम्प इत्यादि को लेकर डाक चौपाल, नुक्कड़ नाटक आयोजित किये जायेंगे। 14 अक्टूबर को 'मेल्स एवं पार्सल दिवस' पर बल्क कस्टमर्स के लिए कस्टमर मीट आयोजित की जाएगी ताकि ग्राहकों को मेल व पार्सल के तहत उठाए गए नए पहल के बारे में जानकारी दी जा सके, वहीं रेल डाक सेवा कार्यालयों में कर्मचारियों के लिए सॉर्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।15 अक्टूबर को 'प्रौद्योगिकी एवं नवाचार दिवस' पर कर्मचारियों एवं ग्राहकों के लिए टेक्नोलॉजी क्विज का आयोजन किया जाएगा। इसी दिन 'एक डाक नेटवर्क, अनंत संभावनाएँ'' थीम को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से राष्ट्रव्यापी पोस्टाथॉन वॉक/रन का आयोजन किया जाएगा।

दैनिक जीवन से वैश्विक विकास तक, डाक सेवाओं की भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाता है 'विश्व डाक दिवस'- पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव

डीएम ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवक) रायबरेली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देशानुसार जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने कलेक्ट्रेट स्थित ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस का मासिक वाह्य निरीक्षण राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयर हाउस की साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ईवीएम/वीवीपैट वेयर हाउस की सुरक्षा, लाग बुक, सीसीटीवी कैमरा आदि के बारे में जानकारी ली। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, प्रभारी सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी फिरोज अहमद सहित अन्य संबंधित अधिकारी व राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आधुनिक समाचार
हिन्दी साप्ताहिक

पैसा किसी का दर्द कम न कर सके तो उसके कोई मायने नहीं हैं

मैं पुणे में नया था। 2008 तक मैं यहां सिर्फ एक विजिटर था। उस साल एक प्रोजेक्ट पर काम करते हुए मैं अपने एक रिपोर्टर के साथ पुणे में एक जानी-मानी हस्ती की मीटिंग में पहुंचा। वे कोई पब्लिक अनाउंसमेंट करने वाले थे। मीटिंग को संबोधित कर रहे व्यक्ति सीढ़ियों पर बैठे थे, जो कि उनका स्टाइल था। जबकि सारे रिपोर्टर उनके चारों तरफ खड़े थे। ऐसा इसलिए, क्योंकि उन्होंने पत्रकारों से मिलने के लिए सबसे सस्ता ठिकाना बुक किया था। मेरे जैसे देर से पहुंचने वाले के लिए उन्हें देख पाना भी संभव नहीं था। मैं भीड़ के पीछे चुपचाप खड़ा हो गया, क्योंकि उनकी आवाज मुझे साफ सुनाई दे रही थी। उनका अनोखा, आकर्षक और बेहद अधिकारपूर्ण लहजा न सिर्फ भीड़ को शांत रखे हुए था, बल्कि मुझ समेत सभी को अटेंटिव बनाए हुए था। अचानक मेरा फोन बजा और उसे मैंने तुरंत साइलेंट कर दिया। लेकिन कुछ ही सेकंड बजी वह कॉलर ट्यून अथॉरिटेटिव टोन वाले उन व्यक्ति का ध्यान खींचने के लिए काफी थी।मौजूदा विषय से थोड़ा हटकर उन्होंने आदेश दिया कि 'रघु, आगे आकर मेरे बगल में बैठो।' शायद वह एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की 'भगवान वेंकटेश्वर सुप्रभातम' वाली मेरी कॉलर ट्यून से मुझे पहचान गए- बारीक से बारीक चीजों पर उनकी पैनी नजर रहती थी। मुझे उनकी जो बात पसंद थी, वह था छोटी से छोटी बात में भी जीवन जीने का उनका असाधारण तौर पर सरल और जमीनी तरीका। एक बार वे 2003 में इंदौर में इस अखबार के दफ्तर में आए और बोले कि 'मुझे एक दिन के लिए आपकी कार और ड्राइवर चाहिए, क्योंकि मैं राइफल शूटिंग की प्रैक्टिस के लिए महू जा रहा हूं।'

उन्होंने कभी यह नहीं कहा कि 'क्या आप दे सकते हैं?' उन्होंने बस आदेश दिया। मैंने संकोच के साथ कहा कि 'दादा, मेरे पास तो बस मारुति जेन है, आपके कद के मुताबिक बड़ी कार नहीं है।' वे मुस्कराए और बोले कि 'इसीलिए तो आपसे मांग रहा हूं।' मैंने बस सिर हिलाया और उन्हें गाड़ी तक ले गया। ऑफिस ड्राइवर बेहद खुश था, क्योंकि वह किसी और को नहीं, बल्कि बॉलीवुड और मराठी रंगमंच के एक्टर नाना पाटेकर को ले जाने वाला था, जिनका गुरुवार सुबह गोवा में निधन हो गया। अपने मूल सिद्धांतों और आमजन के प्रति गहरी संवेदना के कारण उन्होंने लग्जरी भरी जिंदगी को ठुकरा दिया था। जब भी हमारी मुलाकात होती तो वे इस बारे में बात करते कि वे कितने भाग्यशाली थे कि गलियों की दीवारों पर सितारों के चेहरे बनाने वाले पेंटर के तौर पर सफर शुरू करके अंततः वे उन्हीं बिलबोर्ड्स पर अपना चेहरा देख पाए। बहुत से लोग शायद नहीं जानते होंगे कि उन्होंने मुंबई के प्रतिष्ठित जेजे स्कूल ऑफ आर्ट्स से स्केच आर्टिस्ट और कैलीग्राफर की ट्रेनिंग ली थी। बाद में कॅरिअर में अच्छी कमाई होने के बावजूद उन्होंने उसी 750 वर्ग फीट के घर में रहना पसंद किया- जिसमें प्लेन-वाइट दीवारें और सादा वुडन फर्नीचर था- क्योंकि उन्होंने आलीशान सेलेब्रिटी लाइफस्टाइल अपनाने से इनकार कर दिया था। उन्हें पढ़ना और लिखना पसंद था और वे गांव की शांत जिंदगी को तरजीह देते थे। किसानों की दुर्दशा से परेशान और अपनी आय का बड़ा हिस्सा उनके वेलफेयर में लगाने वाले इस व्यक्ति ने एक बार मुझसे कहा था कि 'मैं एक्टिंग इसलिए करता हूं क्योंकि इससे मेरे बिल चुकते हैं। जब पैसे खत्म हो जाते हैं तो मैं किसी प्रोड्यूसर को फोन करके किसी रोल के लिए कहता हूं।नहीं तो आपकी तरह मेरे सैकड़ों दोस्त हैं, जो कम से कम एक दिन का खाना तो मुझे खिला देंगे और आपकी अगली बारी एक साल बाद ही आएगी।' वे हमेशा लाखों लोगों, खासकर किसान समुदाय से जुड़ना चाहते थे। क्योंकि उन्हें लगता था कि इससे 'उनकी अंतिम यात्रा में उन्हें कंधा देने वाले बहुत-से लोग मौजूद रहेंगे।' फंडा यह है कि जिंदगी की असली दौलत यह नहीं कि पैसा आपके लिए क्या खरीद सकता है, बल्कि यह है कि किसी दूसरे का दर्द कम करने में यह कैसे मदद कर सकता है। कमाई आपके बिल चुका सकती है, लेकिन जो भी आपके पास है, उसे बांटना किसी दूसरे का बोझ हल्का कर सकता है। एन. रघुरामन

नई पीढ़ी को बताएं संबंधों का हमारी संस्कृति में क्या अर्थ है

कुछ बीमारियां ऐसी हैं, जिनके लक्षण दिखते नहीं। हेल्थ चेकअप की चर्चा इसीलिए होती है कि सावधान हो जाएं।इन दिनों एक चर्चा है स्पाउस-

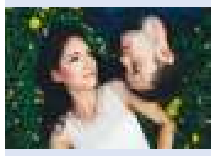

रिलेशनशिप हेल्थ की। यानी पति-पत्नी के संबंधों का स्वास्थ्य भी लगातार चेकअप-मोड में होना चाहिए।समझदार जोड़े अपने संबंधों के स्वास्थ्य का चेकअप करते रहते हैं।उसके प्रति सावधान, ईमानदार रहते हैं, क्योंकि यह रिश्ता एक-दूसरे के सपोर्ट सिस्टम पर चलता है। ज्यादातर पति-पत्नी शरीर और मन के सपोर्ट सिस्टम से जीते हैं। जबकि इसमें आत्मा का बहुत बड़ा रोल है। चूंकि जीवन शरीर से शुरू होकर शरीर पर खत्म हो जाता है, इसलिए तलाक की घटनाएं और बढ़ेंगी। हम तलाक को प्रोत्साहन न दें पर पूरा नकारें भी न।तलाकशुदा का समाज में आदर कम न हो। लेकिन विवाह और पति-पत्नी के संबंधों की जो व्याख्या भारतीय संस्कृति में हुई है, उसकी जानकारी अब नई पीढ़ी को भरपूर दी जाए। अन्यथा दुष्परिणाम आने वाले 10-15 साल में सामने आएंगे। तब तक देर हो जाएगी।पं. विजयशंकर मेहता

भारतीय रेलवे की तस्वीर बदलना बेहद जरूरी

वैसे तो भारतीय रेलवे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा नेटवर्क है । लेकिन यह बात जानना जरूरी

है की सुविधाओं के नाम पर भारतीय रेलवे कहां टिकता है। यूं तो देश के कई रेलवे स्टेशनों को सजाने संवारने का काम शुरू हुआ है लेकिन कई स्थानों पर निर्धारित समय पूरा होने के बावजूद निर्माण कार्य अधूरा है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कहना यह भी गलत नहीं होगा कि देश में कोई ऐसा नियामक तंत्र नहीं है जो निर्माण कार्य करवाने वाली कंपनियों के विरुद्ध कार्यवाही कर सके, आधे अधूरे निर्माण कार्य की वजह से दुर्घटनाएं होने की आशंका बनी रहती है। पेय जल जैसी मूलभूत सुविधा के अभाव में यात्री ट्रेन के रुकने पर ट्रेन से उतरकर स्टेशन पर भटकते नजर आते हैं। दुकानदार भी बोतल बंद पानी बेचने के लिए पेयजल व्यवस्था को बाधित करने का प्रयास करते देखे जाते हैं। जनरल डिब्बे में भेड़-बकरियों की तरह भरे यात्री कैसे सफर पूरा करते होंगे इस बात का अनुमान लगाना भी कठिन है। ट्रेन के अंदर शौचायलयों की बुरी स्थिति देखकर यात्री मन मारकर उनका प्रयोग करने पर मजबूर होते हैं। निश्चय ही रेलवे की निगरानी व्यवस्था बहुत ही लचर स्थिति में है, ऐसा लगता है कि भारतीय रेलवे या संबंधित व्यक्तियों की जवाबदेही ही तय नहीं हुई है। बड़ी-बड़ी संख्याओं में यात्रा करने पर भी हम सभी अपनी जिम्मेदारीयों का निर्वहन नहीं करते।

ट्रेनों के डब्बे में यहां वहां बिखरा कूड़ा इसकी गवाही देता है।हमारे समाज में उस स्वच्छता चेतना का विकास आज तक नहीं हो पाया है जो आजादी के इस दशक तक हो जाना चाहिए था। आखिर हम कब समझेंगे कि रेलवे स्टेशन और रेल के डिब्बों में साफ सफाई रखना हमारा कर्तव्य है। हमें एक जिम्मेदार नागरिक की तरह रेलवे स्टेशनों व रेल के डिब्बों को साफ रखना चाहिए। लेकिन इसके बावजूद रेलवे को एक ऐसा जवाबदेह तंत्र विकसित करना होगा जो यात्रियों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करा सके।

रेल मंत्रालय हासिल करने और अपने चुनावी क्षेत्र के लोगों को रेलवे में भर्ती कराने को लेकर अभी तक जो राजनीति चलती आ रही है उसने भी बहुत हद तक रेलवे व्यवस्था की गुणवत्ता को प्रभावित किया है ।

लेकिन अंत में यही कहना है कि अब इस तस्वीर को बदलने की बहुत-बहुत जरूरत है।

अपने किए की जिम्मेदारी स्वीकारना भी धर्म का रूप है

धर्म क्या है? 'धर्म' शब्द की व्युत्पत्ति 'धृ' धातु से हुई है, जिसका अर्थ है- धारण करना और संभालकर रखना। आम तौर पर धर्म का अनुवाद कर्तव्य, सदाचार, नैतिकता, कानून या उस नैतिक-व्यवस्था के रूप में किया जाता है, जो समाज को संभाले रखती है। लेकिन इनमें से कोई भी शब्द धर्म के व्यापक अर्थ को व्यक्त नहीं करता। हिंदू-दृष्टि में धर्म अस्तित्व की नैतिक जटिलताओं के बीच रास्ता खोजने का तरीका है। धर्म आचरण के लिए एक स्पष्ट नैतिक ढांचा अवश्य प्रदान करता है, लेकिन यह बाइबिल के 'टेन कमांडमेंट्स' की तरह कोई कठोर नियमावली नहीं है। मानवीय विवेक और व्यवहार ने धर्म को परिस्थितियों के अनुरूप कई कारकों से प्रभावित होने की गुंजाइश दी है। इनमें देश-धर्म यानी अलग-अलग क्षेत्रों में प्रचलित आचरण, आश्रम-धर्म यानी जीवन की अवस्था के अनुसार कर्तव्य, कुल-धर्म यानी परिवार के प्रति दायित्व, जाति-धर्म यानी जातिगत निष्ठा, स्वभाव-धर्म यानी व्यक्ति की प्रकृति, स्वधर्म यानी अंतरात्मा के विवेक से किया गया चुनाव और आपद्धर्म यानी संकट के समय अपनाया जाने वाला आचरण शामिल हैं। धर्म हमसे कहता है कि किसी पर फैसला सुनाने से पहले संदर्भ, मंशा, परिस्थितियों और परिणामों को परखो। लेकिन यही परिष्कृत-जटिलता लोगों को अपने दोषों को सही ठहराने के लिए धर्म का इस्तेमाल करने की गुंजाइश भी देती है। कोई गलत काम करने पर शक्तिशाली लोगों की जानी-पहचानी प्रतिक्रिया याद कीजिए। वे कहते हैं- परिस्थितियों ने मुझे विवश कर दिया, राजनीतिक दबाव था, सुरक्षा से जुड़े सवाल थे, यह फैसला व्यापक जनहित में लिया गया था, जिम्मेदार कोई और था, मंशा गलत नहीं थी, आदि-आदि। इस तरह तो हर गलत काम के लिए एक बहाना बनाया जा सकता है। अगर हर उल्लंघन के साथ कोई-न-कोई स्पष्टीकरण दिया जाता रहे, तो धीरे-धीरे स्पष्टीकरण ही दोषमुक्ति का आधार बन सकता है। हिंदू महाकाव्य ऐसी परिस्थितियों से भरे पड़े हैं, जहां देखने में धर्मसम्मत रास्ता किसी दूसरी नैतिक जिम्मेदारी से टकराता है। सत्य और करुणा आमने-सामने आ सकते हैं; निष्ठा और न्याय में टकराव हो सकता है; परिवार के प्रति कर्तव्य और समाज के प्रति दायित्व एक-दूसरे के विरोध में खड़े हो सकते हैं; और व्यक्तिगत सदाचार का टकराव किसी सामूहिक उद्देश्य से हो सकता है। खासकर महाभारत तो नैतिकता की नियम-पुस्तिका कम और नैतिक दुविधाओं की विशाल प्रयोगशाला अधिक है। इसीलिए हिंदू मानस दुनिया को संतों और पापियों के दो खानों में बांटने से हिचकता है। दुर्योधन निस्संदेह गंभीर अधर्म के लिए जिम्मेदार है, फिर भी महाकाव्य में उसकी मृत्यु के समय स्वर्ग से उस पर फूल बरसते हैं। रावण ऐसे कृत्य करता है, जिनका नैतिक रूप से बचाव नहीं किया जा सकता, फिर भी रामायण उसे एक विद्वान और महान शिवभक्त के रूप में भी याद करती है।आप कह सकते हैं कि यह सिद्धांत कि किसी एक निर्दोष व्यक्ति को सजा मिलने की तुलना में कई दोषियों का बच निकलना बेहतर है, मानवीय है। लेकिन अगर व्यवस्था इतनी जटिल हो जाए कि किसी के दोष को साबित करना लगभग असंभव हो तो कोई नेक इरादा भी बुरे नतीजे दे सकता है। दुर्भाग्य से आज स्थिति यह हो गई है कि जिसके पास जितनी अधिक ताकत होती है, उसके पास अपनी भूलों को सही ठहराने के लिए उतने ही अधिक बहाने भी मौजूद होते हैं। हमें समझना होगा कि धर्म भले ही संदर्भ पर निर्भर हो, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उसके कोई परिणाम नहीं होते। इसी तरह, कानून और नैतिकता एक ही चीज नहीं हैं। कोई अपराध कानूनी तौर पर साबित करना मुश्किल हो सकता है, फिर भी नैतिक रूप से उसका बचाव नहीं किया जा सकता। एक परिपक्व समाज को इन दोनों अंतर को समझना चाहिए। वास्तव में धर्मसम्मत नैतिकता यह सवाल पूछती है कि मेरे आचरण ने व्यापक नैतिक व्यवस्था को संभाला है या उसे नुकसान पहुंचाया है। धर्म की कसौटी यह नहीं हो सकती कि हम अपने किए को सही ठहराने के लिए कितने चतुर तर्क दे सकते हैं।कसौटी यह होनी चाहिए कि क्या हम अब भी अपने किए की जिम्मेदारी स्वीकार करने के लिए तैयार हैं? धर्मसम्मत नैतिकता पूछती है कि मेरे आचरण ने नैतिक व्यवस्था को संभाला है या उसे नुकसान पहुंचाया है? धर्म की कसौटी यह नहीं है कि हम अपने किए को सही ठहराने के लिए कितने तर्क दे सकते हैं। कसौटी यह है कि क्या हम अपने किए की जिम्मेदारी स्वीकारते हैं? (ये लेखक के अपने विचार हैं,पवन के. वर्मा)

नारियल पानी वालों करो न गुरूर, चाय का है अपना सुरूर

मेरी बेटी को चाय बिलकुल पसंद नहीं। वो सिर्फ कॉफी पीती है। सोचा था, वो बड़ी होगी, कहेगी- मम्मी, एक कप चाय बना दूं? साथ पीएंगे। वो दिन कभी आया नहीं। मेरी नाक के नीचे मेरे खून ने मुझसे ही बगावत कर दी! और अब हमारे घर में एक जंग छिड़ी हुई है- चाय बेहतर या कॉफी? वैसे बचपन में मैंने भी कभी चाय नहीं पी थी, होस्टल में जाकर आदत पड़ी। फिर ऑफिस में 11 बजे और 3 बजे इंतजार रहता था- कब टपरी से बालू आएगा, चाय का घूंट पिलाएगा।मुम्बई में इसे कहते हैं 'कटिंग'- शीशे के एक छोटे ग्लास में जरा-सी चाय आती है। लेकिन आहाहाहा, क्या किक देकर जाती है। पहला सिप मानो अमृत- मीठी, कड़क, अदरक-भरी। थके मन, झुके तन को जगा देने वाला घूंट। बॉस की चिड़चिड़ाहट को शांत करने वाला घूंट। भूत-प्रेत को डरा देने वाला घूंट।यह वो चाय है जिसके सहारे देश का पहिया घूमता है। बूढ़ा और नौजवान झूमता है। लेकिन मेरी बेटी नहीं। उसका मानना है कि कॉफी ही वो एकमात्र ड्रिंक है जिसे पीकर दिन शुरू होता है। चाहे उसे बनाने में आधा दिन निकल जाए। पहले वो कॉफी बीन्स ग्राइंडर में पीसती है,

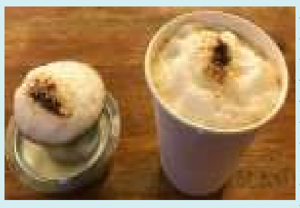

फिर फिल्टर पेपर से सींचती है। इस लंबे-चौड़े प्रोसेस के बाद मिलता है काला पानी, जिसे शौकीन कहते हैं- 'फ्रेश ब्रू'। जी हां, ऐसे ही फैंसी शब्दों से कॉफी ने हमारे जेन-जी का दिल और दिमाग जीत लिया है। एक तो कॉफी शॉप इतनी ठंडी-ठंडी, कूल-कूल। इसकी तुलना में कहां चाय की टपरी का टूटा हुआ स्टूल। स्टारबक्स में कॉफी की इतनी वैरायटी, कि सटक गई चायप्रेमी सोसाइटी। अब तो आंटी-अंकल भी कैप्पुचीनो पीने वहां जाते हैं, लेकिन क्या सचमुच वो आनंद पाते हैं? सबसे बड़ा धोखा यह- चाय के नाम पर 'चाय-लाते'। यह एक ऐसा गंदा ड्रिंक है, जो मैंने पहली बार अमेरिका में पिया और तुरंत फेंक दिया। बचपन में एग्जाम के पहले दूध में नेस्कैफे घोल कर जो अपमान हमने कॉफी का किया, शायद उसी के बदले में गोरों ने 'चाय-लाते' ईजाद किया। खैर, जो भी विदेश गया है, वो जानता है कि बाकी दुनिया चाय के नाम पर कुछ बकवास ही बिक रहा है। अगर आपने रेस्तरां में चाय मंगाने की बेवकूफी की तो आपको मिलेगा गरम पानी और एक टी-बैग। वो टी-बैग एक नाजुक-सी अप्सरा है, जो आपके चाय के कप में दस मिनट के डांस के बाद पानी को हल्का सा भूरा करेगी। बस। उससे भी बदतर है हर्बल टी। भाई, वो तो आप दवाई समझकर पी लो, चाय का नाम क्यों खराब करते हो? वैसे हर्बल कॉफी तो मैंने कभी सुनी नहीं, तो फिर चाय के ही साथ यह बदसलूकी क्यों? और 'ग्रीन टी' ने तो हद ही कर दी। आजकल सरकारी दफ्तरों में भी लोग यही पी रहे हैं, कहते हैं स्वास्थ्य के लिए अच्छी है। असली समस्या आपको बताऊं- चाय पीने वालों में अब एकता नहीं! आप चार लोगों से पूछो- चाय लोगे- तो चार जवाब आते हैं। एक कहता है बिना शक्कर, एक कहता है कम दूध। किसी को मसाला तेज चाहिए, किसी को नो अदरक नो इलायची। भाई, चार कप के लिए चार पतीले कौन चढ़ाएगा? खैर, चाय-कॉफी के वाद-विवाद के बीच एक नया प्राणी प्रकट हुआ है। जो कहता है- नो थैंक यू, दोनों ही जहर हैं। मैं तो सिर्फ नारियल पानी पीता हूं। मतलब वो योगा या हेल्थ फ्रीक, जिसने हम चाय-कॉफी वालों को बुरी आदत पालने वालों का खिताब दे दिया है।

छात्रों को एआई टूल्स से चीटिंग करने से कैसे रोकें?

मैं एक ऐसी महिला को जानता हूं जो लैटर लिखने का काम करती थीं। इससे वो अच्छा कमा लेती थीं। वो आईवी कॉलेजों (हॉर्वर्ड, ऑक्सफोर्ड जैसे प्रतिष्ठित कॉलेज) में दाखिला लेने के इच्छुक छात्रों के लिए 'लेटर ऑफ पर्पस'

(एलओपी) लिखती थीं। वो उनमें से थी, जिनके पास दोस्तों तक के फोन उठाने का वक्त नहीं होता था, खासकर भारत में हाई स्कूल के रिजल्ट के बाद। उनका रिकॉर्ड था कि उनके किसी भी स्टूडेंट का आईवी कॉलेज में आवेदन निरस्त नहीं हुआ। वो छात्रों का व्यक्तिगत साक्षात्कार करतीं, उन्हें समझतीं, फिर एलओपी तैयार करतीं। इसके अलावा, छात्रों को दो घंटे की व्यक्तिगत कोचिंग देतीं कि इंटरव्यू में कैसे पेश आएं, संभावित सवाल क्या हो सकते हैं। असल इंटरव्यू से चंद घंटे पहले पर्सनल कोचिंग फिर दोहरातीं। ताज्जुब की बात नहीं कि उनकी फीस भी बहुत थी। दरअसल, जो भी स्टूडेंट दुनिया के अच्छे कॉलेजों में दाखिला लेना चाहते हैं, उन्हें दमदार एलओपी जमा करना होता है, उसके आधार पर कॉलेज एडमिशन तय करता है। पर 2025 में वो बेरोजगार हो गईं! कल रात एक डिनर पर मेरी उनसे मुलाकात हुई और उन्होंने इस बारे में बताया। जब मैंने आश्चर्य व्यक्त किया, तो उन्होंने फीकी हंसी में कहा, 'ओपनआई के चैटजीपीटी ने मेरी नौकरी छीन ली है। साल 2022 के नवंबर से इसने धीरे-धीरे मेरी नौकरी छीनना शुरू कर दिया, लेकिन मैंने तब इस पर ध्यान नहीं दिया। और अब 2025 में, मेरे पास छात्र नहीं आ रहे। अब केवल वही छात्र आते हैं, जिन्हें कॉलेजों ने खारिज कर दिया है और मुझे उन्हीं स्टूडेंट्स को किसी अन्य यूनिवर्सिटी में दाखिला दिलाने के लिए दोगुनी मेहनत करके प्रशिक्षित करना पड़ रहा है।' उनके साथ हुई बातचीत ने मुझे कई कॉलेज के प्रोफेसरों के साथ हुई चर्चाएं याद दिला दी। उन प्रोफेसर्स ने ये माना कि तकनीक से छेड़खानी के मामले में उम्रदराज प्रोफेसर छात्रों से एक कदम पीछे रहते हैं। उनका कहना है कि 'निबंध लेखन, होमवर्क, प्रोजेक्ट रिपोर्ट और पीपीटी में भी चीटिंग का पता लगाना मुश्किल होता है।' यहां तक कि छात्रों के आर्टफिशियल तरीके से तैयार कंटेंट को टूल्स का इस्तेमाल करके भी पहचानना मुश्किल हो रहा है। प्रोफेसर्स दुखी होकर कहते हैं, जब स्टूडेंट्स अपना मुंह खोलते हैं और अंग्रेजी में बात करते हैं, जो कि पहले ही वह अपने प्रोजेक्ट में लिख चुके हैं, तब जाकर हमें पता चलता है कि प्रोजेक्ट में इस्तेमाल कंटेंट टेक्नोलॉजी की मदद से कॉपी किया गया है। इस बीच study.com के एक सर्वे से पता चला है कि 89इ कॉलेज छात्र असाइनमेंट पूरा करने के लिए चैटजीपीटी का उपयोग कर रहे हैं। इस तकनीक का उपयोग करने वाले छात्रों की इतनी बड़ी संख्या के बावजूद, उनमें से 72फीसदी कहते हैं कि वे नकल पर आधारित शिक्षा नहीं चाहते। वे चाहते हैं कि चैटजीपीटी को कैंपस में बैन किया जाए। तो, क्या किया जा सकता है? कई विशेषज्ञों ने कई सुझाव दिए हैं, लेकिन शीर्ष पांच बिंदु हैंः 1. उन शैक्षणिक तरीकों की ओर लौटें, जो सदियों से शिक्षकों का साथ देते आ रहे हैं। 2. विश्वविद्यालयों को मूल्यांकन के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। 3. प्रोफेसर्स को कक्षाओं में बातचीत का कल्चर फिर खड़ा करना होगा। उच्च शिक्षा के लिए मौखिक संचार हमेशा से अच्छा मॉडल रहा है। अलग-अलग स्ट्रीम के स्टूडेंट्स के बीच डिस्कशन होगा, तो तार्किक परिचर्चाएं विश्वविद्यालय शिक्षा के केंद्र में होंगी। 4. छात्रों को प्रश्न पूछने-आइडिया शेयर करने दें, इससे कक्षाएं सार्थक होंगी। 5. उन्हें सिखाएं कि पैसे कैसे कमा सकते हैं।कुछ लोग इस पर आपत्ति कर सकते हैं। पर बता दूं कि जब क्रिकेटर आठ अंकों में कमाता है, तो केवल कक्षा का सैद्धांतिक ज्ञान उन्हें पीछे छोड़ देता है। इसलिए शुद्ध ज्ञान से नैतिक रूप से पैसे कमाने को प्रोत्साहित करें। फंडा यह है कि जो छात्र बिना किताबें पढ़े क्विज में टॉप करता है, उसने कुछ नहीं सीखा होता। तकनीक पर निर्भर छात्र न केवल ज्ञान हासिल करने में विफल होते हैं, बल्कि रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच की क्षमताओं का भी विकास नहीं कर पाते। छात्रो, ये आपका चुनाव है कि आपका मार्गदर्शक कौन होगा- प्रोफेसर या तकनीक? इस पर विचार करें।

एआई आज भी आर्टिफिशियल ही है! इसलिए रियल इंटेलिजेंस की जरूरत है

मैं दो लोगों को जानता हूं- एक जिन्होंने इस मार्च में एआई की मदद से यूरोप और यूएस की पूरी ट्रिप प्लान की। दूसरी उनकी बेटी, जिसने हाल ही में 12वीं की परीक्षा दी और एआई की मदद से ही कॉलेज एडमिशन की योजना बनाई। जाहिर है, अलग-अलग विकल्प देने के मामले में यह टेक्नोलॉजी किसी भी ट्रैवल एजेंट या काउंसलर से ज्यादा तेज थी। इतनी तेजी से और इतने ज्यादा विकल्प देख कर दोनों इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने एआई के अंतिम सुझावों को ही मानने का निर्णय कर लिया। कोर्स और कॉलेजों का चयन कर दोनों ट्रिप पर निकल गए और उन्हें पहला झटका तब लगा, जब वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर उनकी ट्रेन मिस हो गई। डब्ल्यूटीसी स्टेशन असल में एक ट्रांसपोर्टेशन हब है, जहां से न्यू जर्सी और मैसाचुसेट्स जैसे राज्यों के लिए सीधी ट्रेनें मिलती हैं। इन्हें पाथ ट्रेनें कहते हैं। बेटी ने अपने टिकट्स दोबारा चेक नहीं किए थे, इसलिए न सिर्फ उसकी ट्रेन छूटी, बल्कि उसका कनेक्टिंग स्टेशन भी अलग था। एआई ट्रैवल प्लानिंग को लेकर चौतरफा शोर के बीच वह चाहती थी कि अपनी पूरी ट्रिप के

लिए एआई के अलावा कहीं और रिसर्च न करे।उसकी सबसे बड़ी गलती यह थी कि उसने यह प्रयोग ऐसी जगह के लिए किया, जहां वो पहले कभी नहीं गई। ट्रेन छूटने के बाद जब उसने मुझे स्टेशन से कॉल किया तो मुझे समझ आया कि वो गलत जगह पर खड़ी थी। इससे पहले, उसने होटल भी पैदल जाने का फैसला किया, क्योंकि एआई ने बताया कि टैक्सी महंगी पड़ेगी और होटल सिर्फ 600 मीटर के वॉकिंग डिस्टेंट पर है। लेकिन एआई को यह नहीं पता था कि उस दिन भारी बारिश होने वाली है और भारतीय महज दो सूटकेस ही नहीं, हैंडबैग और लैपटॉप भी साथ रखते हैं। तेज बारिश में सामान लेकर चलते हुए दोनों बुरी तरह भीग गए, जिससे अगले दो दिन उन्हें बुखार रहा और साइटसीइंग के लिए समय ही नहीं मिला। तब जाकर उन्हें एहसास हुआ कि बेटी के एआई-संचालित कॉलेज एडमिशन काउंसलर की सलाह भी यूएस में कॉलेज चुनने में गलत हो सकती है। फिर उन्होंने पैसे खर्च करके इंसानी सलाह लेने का निर्णय किया। कॉलेज में प्रवेश के इच्छुक छात्रों को बेहतर गाइडेंस तब मिलती है, जब उसमें इंसान शामिल होता है। क्योंकि काउंसलर बॉट्स की जानकारी को फिल्टर कर छात्रों को सलाह देता है। खासकर, जब उन्हें आवेदन भरने के लिए स्पष्टता की जरूरत होती है। स्कूलों में एआई के इस्तेमाल के समर्थक रह चुके मैसाचुसेट्स स्कूल काउंसलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अली रोबिडॉक्स भी मानते हैं कि छात्रों पर काउंसलर्स का जो प्रभाव होता है, टेक्नोलॉजी उसकी बराबरी नहीं करती। ऐसा इसलिए, क्योंकि इंसान जानता है कि उनकी निजी जीवन की बारीकियों को कैसे समझा जाए। जबकि चैटबॉट सिर्फ छात्रों के अंक औसत देखता है और उन्हें उस देश में ज्यादा कॉम्पीटिटिव कॉलेजों में आवेदन करने के प्रति हतोत्साहित कर सकता है। चैटबॉट्स ऐसे छात्रों की क्षमताओं का आकलन नहीं कर सकते, जो संभवतः घर में किसी के निधन के कारण कुछ अंकों से चूक गए हों। एक काउंसलर के अनुसार 'चूंकि एआई आपको तो जानते नहीं हैं, इसलिए वो सिर्फ आपको वही बताते हैं, जो पब्लिक डोमेन में है।

अगले वर्ष तक किसानों के खेतों तक पहुंचेगा कनहर बांध का पानी

मुख्य नहर और शाखा नहरों का निर्माण युद्धस्तर पर जारी, किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना योगी सरकार की प्राथमिकता,परियोजना के लिए बजट की नहीं है कमी, 57.10 किमी लंबी मुख्य नहर में 50.400 किमी और 47.75 किमी लंबी शाखा नहरों में 18 किमी का काम पूरा

सोनभद्र। खेतों में फसल लहलहाए, किसान मौसम की अनिश्चितता से कम और पानी की उपलब्धता को लेकर ज्यादा आश्वस्त रहें ,इसी दिशा में योगी सरकार सोनभद्र की महत्वाकांक्षी कनहर सिंचाई परियोजना को तेजी से पूरा करने में जुटी है। परियोजना के पूरा होने के बाद बड़ी संख्या में किसानों को सिंचाई के लिए नियमित और पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा। अधिकारियों के मुताबिक निर्माण कार्य की मौजूदा प्रगति को देखते हुए अगले वर्ष तक किसानों को कनहर बांध का पानी मिलने लगेगा। कनहर परियोजना के जरिए बांध के पानी को खेतों तक पहुंचाने के लिए मुख्य नहर और शाखा नहरों का निर्माण युद्धस्तर पर कराया जा रहा है। परियोजना को समय से पूरा करने के लिए बजट की भी पर्याप्त व्यवस्था की गई है और अधिकारियों के अनुसार निर्माण कार्य में धनराशि की कोई समस्या नहीं है। बांध बनकर तैयार, अब खेतों तक पानी पहुंचाने पर जोरः-

शुक्रवार को कनहर निर्माण खंड 3 के अधिशासी अभियंता विनोद कुमार ने बताया कि बांध का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अब नहरों के निर्माण और उनसे जुड़ी संरचनाओं को तेजी से पूरा किया जा रहा है। 57.10 किलोमीटर लंबी मुख्य नहर में 50.400 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है। वहीं 47.75 किलोमीटर लंबी शाखा नहरों में 18 किलोमीटर का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। शेष कार्य भी तेजी से कराया जा रहा है। बजट की पर्याप्त व्यवस्था, निर्माण में नहीं है धनराशि की समस्याः-परियोजना को समय से पूरा करने के लिए योगी सरकार ने बजट की पर्याप्त व्यवस्था की है। परियोजना की अतिरिक्त लागत के लिए प्रदेश सरकार ने अक्टूबर 2024 में 3394.65 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की थी। वित्तीय वर्ष 2023-24 तक परियोजना पर 2296.54 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं। शेष 1098.11 करोड़ रुपये की धनराशि का वित्त पोषण शासन द्वारा समयबद्ध तरीके से किया जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार परियोजना के निर्माण कार्य में धनराशि की कोई समस्या नहीं है। इससे परियोजना के शेष कार्यों को निर्धारित गति से आगे बढ़ाने में मदद मिल रही है। 264 मीटर तक पहुंचा बांध का जलस्तर, 265.552 मीटर तक भंडारण का लक्ष्यः-इस वर्षाकाल में बांध के तृतीय चरण के तहत 265.552 मीटर तक जल भंडारण का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में बांध का जलस्तर 264 मीटर तक पहुंच चुका है। बांध में पर्याप्त पानी उपलब्ध है। इसके साथ ही नमामि गंगे-हर घर जल योजना के तहत पेयजल की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जा रही है। दायीं कनहर नहर पर 1775 मीटर लंबे मलिया एक्वाडक्ट में 1475 मीटर का निर्माण पूरा हो चुका है, जबकि शेष 300 मीटर का कार्य तेजी से जारी है।वहीं 2660 मीटर लंबी सुरंग की खुदाई पूरी हो गई है और 1320 मीटर लाइनिंग का कार्य भी पूरा किया जा चुका है। शेष लाइनिंग का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। 108 गांवों के किसानों के लिए सिंचाई का दायरा बढ़ेगाः- कनहर परियोजना पूरी होने के बाद क्षेत्र में सिंचाई का दायरा बढ़ेगा।

दुद्धी और ओबरा के 108 गांवों के हजारों किसानों को खेती के लिए पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इससे किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ने के साथ उनकी आय में वृद्धि का मार्ग भी मजबूत होगा।योगी सरकार की मंशा है कि किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो और जल संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाया जाए। कनहर परियोजना इसी दिशा में सोनभद्र के किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही है।

सर्फाबाद गांव में सपा द्वारा पीडीए जनचौपाल का भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शुक्रवार को सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आवाहन पर सेक्टर 73 स्थित ग्राम सर्फाबाद में पीडीए जन चौपाल का आयोजन किया गया। प्रदेश सचिव महेंद्र यादव के संयोजन में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता वीर सिंह यादव ने की एवं संचालन पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने किया। कार्यक्रम में पधारे सभी वरिष्ठ नेताओं का पगड़ी बांधकर , फूल माला डालकर एवं शॉल भेंटकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 पर व्यापक मंथन हुआ। कार्यक्रम में बोलते हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भाटी ने कहा कि वर्तमान सरकार संविधान विरोधी है इस सरकार को हटाकर और सपा सरकार बनाकर ही उत्तरप्रदेश में कानून का राज स्थापित किया जा सकता है। उन्होंने आने वाले स्नातक एमएलसी चुनाव में एकजुट होकर प्रमेंद्र भाटी को जिताने का आवाहन किया। इस अवसर पर नोएडा महानगर के पूर्व महासचिव एवं प्रवक्ता राघवेंद्र दुबे ने कहा कि सपा सरकार में अखिलेश यादव के नेतृत्व में नोएडा सहित पूरे उत्तरप्रदेश में ऐतिहासिक कार्य किए गए। वर्तमान सरकार सिर्फ हिंदू मुस्लिम के बीच नफरत की खाई बढ़ाकर सत्ता पर काबिज होना चाहती है लेकिन जनता ने अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने का मन बना लिया है। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक महेंद्र यादव ने कहा कि अखिलेश यादव सभी जातियों को साथ लेकर चलने वाले नेता हैं। हम सभी का सौभाग्य है कि देश को ऐसा दूरदृष्टि वाला नेता मिला है जो सभी सभी धर्मों का सम्मान करता है और जिसका एक ही उद्देश्य है कि विकास का प्रवाह अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। इस अवसर पर सुभाष भाटी ने कहा कि विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आ रहा है और हम सभी को अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए अभी से कमर कस लेनी चाहिए। अखिलेश यादव के नेतृत्व में उत्तरप्रदेश विकास के पथ पर अग्रसर होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी एवं बीर सिंह यादव सहित तमाम वरिष्ठ नेताओं ने सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर मनोज चौहान, भरत प्रधान, बब्बल भाटी , सत्ते यादव, जयकरण चौधरी , सुभाष भाटी, मनोज गोयल , मोहम्मद तस्लीम , विनोद यादव, हीरालाल यादव, रामनिवास यादव, प्रिंस यादव, गुड्डू चौधरी, लखन यादव, सुरेंद्र गौतम, गौरव सिंघल, महिपाल बाल्मीकि, मुकेश प्रधान, संजय त्यागी, वीरपाल अवाना, धर्मवीर बाल्मीकि, राजेश जाटव , मित्रपाल कश्यप, सूरज राणा, मुनव्वर सैफी, दीनू खान, टीटू यादव, अंकुर पहलवान, विवेक यादव, पुष्पेंद्र यादव, विनोद चौधरी, सिब्बत पहलवान, सुंदर पहलवान, अरुण यादव, धर्मवीर पहलवान, धनपाल यादव, सहित भारी संख्या में सपा नेता एवं पीडीए समाज के लोग मौजूद रहे।

जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान के आवास पर भाजपा के प्रदेश सह प्रभारी अनंत ओझा ने की संगठनात्मक विषयों पर चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी अनंत ओझा ने नोएडा के जिलाध्यक्ष महेश चौहान के नोएडा स्थित आवास पर पहुंचकर उनसे भेंट की। जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान एवं जिला महामंत्री नोएडा अमित त्यागी ने सहप्रभारी का पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान दोनों के बीच संगठनात्मक विषयों, पार्टी की आगामी गतिविधियों एवं भावी कार्यक्रमों को लेकर सार्थक चर्चा हुई और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। इसके पश्चात अनंत ओझा उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल एवं वरिष्ठ भाजपा नेता कलराज मिश्र के आवास पर पहुंचे। वहां उन्होंने श्रीमती सत्यवती मिश्र के निधन पर अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।स्वागत में जिला अध्यक्ष गौतम बुद्ध नगर अभिषेक शर्मा, जिला महामंत्री अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, ओमवीर अवाना, अशोक मिश्रा, अरुण चौहान, उपस्थित रहे।

डीएम ने शहीद स्मारक मुंशीगंज स्थित सई नदी पर बने पैदल पुल का किया निरीक्षण,पुल की मरम्मत, पुताई एवं साइनेज लगवाने के दिए निर्देश

दीर्घकालिक योजना के तहत घाट के निर्माण पर भी होगा कार्य,जिलाधिकारी ने नदी में जनसहयोग से अपशिष्ट की सफाई के प्रयासों की सराहना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शुक्रवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने शहीद स्मारक मुंशीगंज स्थित सई नदी पर बने पैदल पुल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पुल की वर्तमान स्थिति का जायजा लेते हुए उसके रखरखाव, मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण से संबंधित आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि पुल की मरम्मत कराने के साथ ही उसकी पुताई कराई जाए, डस्टबिन, दोनों तरफ प्रकाश की व्यवस्था तथा लोगों की सुविधा एवं आवागमन को सुगम बनाने के लिए आवश्यक स्थानों पर साइनेज लगाए जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि पुल से जुड़े आवश्यक कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराया जाए, जिससे आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें तथा स्थल की व्यवस्था और सुंदरता में सुधार हो।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सई नदी के घाट के विकास के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक योजना के तहत यहां घाट के निर्माण की संभावनाओं पर कार्य किया जाए, जिससे भविष्य में इस स्थल को अधिक व्यवस्थित एवं सुविधाजनक बनाया जा सके। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सई नदी में जनसहयोग से अपशिष्ट की सफाई के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नदी को स्वच्छ एवं प्रदूषणमुक्त बनाए रखने में जनसहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। आमजन के सहयोग से स्वच्छता के क्षेत्र में किए जा रहे ऐसे प्रयास सराहनीय हैं। नदी एवं उसके आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाने चाहिए।निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका स्वर्ण सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति द्वारा आज से स्टेडियम में होगी भव्य रामलीला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शुक्रवार को श्री सनातन धर्म रामलीला समिति, नोएडा द्वारा प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए समिति के सदस्यों ने बताया कि पिछले 41 वर्षो से निरंतर नोएडा शहर में प्राधिकरण एवं प्रशासन की सहयोग से रामलीला मंचन एवं विजय दशमी महोत्सव का आयोजन रामलीला ग्राउंड, नोएडा स्टेडियम सैक्टर 21ए नोएडा में करते आ रहे है। रामलीला का मंचन इस वर्ष दिनांक 11.10.2026 से 21.10.2026 तक आयोजन किया जायेगा। जिसमें शहर के सभी गणमान्य नागरिक आयोजन में बढ चढकर हिस्सा लेते है इसलिये आयोजन को सफलता प्रदान होती है। इस वर्ष 41 वर्ष के प्रयास करते हुए दिल्ली एवं मुबई के प्रसिद्ध टीवी व फिल्मी कलाकारों द्वारा रामलीला मंचन किया जायेगा। जिसमें दषहरा 20.10.2026 को रावण, कुंभकरण, मेघनाथ के पुतलों का दहन होगा और अगले दिन दिनांक 21.10.2026 को भरत मिलाप के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं डांडिया के साथ इस वर्ष लीला का विश्राम होगा। रामलीला मंचन का शुभ आरंभ दिनांक 11.10.2026 को सायं 07 बजे गणेष पूजन के साथ प्रारंभ होगा। जिसमें संस्था के मुख्य संरक्षक डा. महेष शर्मा जी गौतमबुद्धनगर सांसद एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री भारत सरकार, पष्चिमी क्षेत्रीय उ.प्र. अध्यक्ष श्री नवाब सिंह नागर जी, श्री पंकज सिंह जी माननीय विधायक नोएडा, श्रीमती विमला बाथम जी, पूर्व अध्यक्ष महिला अयोग उ.प्र., कैप्टन विकास गुप्ता जी, अध्यक्ष उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद,, मुकेष शर्मा जी, कार्यक्रम अध्यक्ष, श्री पीयूष द्विवेदी जी, स्वागत अध्यक्ष, श्री मधुसूदन दादू जी, कार्यक्रम संयोजक, डा. वी.एस. चैहान जी, सीएमडी प्रकाष हॉस्पिटल, श्री पी.के. अग्रवाल जी उपस्थित रहेंगे। रामलीला का मंचन हरी शक्ति कला ट्रस्त के निर्देषक पंकज शर्मा, अमित शर्मा, कमल गीरिष, हरीष शर्मा एवं मुकेष शर्मा द्वारा संचालित किया जायेगा। भव्य राम बारात बैड बाजे, रथ, ढोल नगाड़े एवं सुंदर झांकियों के साथ दिनांक 15.10.2026 को श्री सनातन धर्म मंदिर सैक्टर 19, नोएडा से दोपहर 03ः00 बजे प्रारंभ होकर नोएडा के विभिन्न सैक्टर होते हुए रामलीला मैदान, सैक्टर 21ए रात्रि 08ः00 बजे भगवान श्रीराम की बारत पहुंचेगी। मंच की सुंदरता एवं भव्यता पूर्व से भी इस बार और अच्छी से दर्शायी गई जिसमें, श्री केदारनाथ धाम, श्री बद्रानाथ धाम एवं जगनाथ पुरी धाम की थीम पर बनाया गया है तथा 3 डी एफेक्ट दिया गया है एवं एलईडी की इस्तेमाल भी किया गया है। जिसमें सुंदर एवं प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा भव्य एवं अलोकिक मंचन किया जायेगा। मंच एवं पूरे ग्राउंड पर बहुत ही सुंदर लाईट की व्यवस्था एवं आने वाले सभी भक्तों के लिए बैठने की व्यवस्था की गई है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम के द्वारा बुराई का अंत अच्छाई के विजयदषमी का पर्व दिनांक 20.10.2026 को विजय दषमी जिसमें रावण, कुंभकरण, मेघनाथ के पुतलों का दहन किया जायेगा। इस बार के पुतलें जो बहुत ही दहन के समय बहुत ही आकर्षित करेंगे इनका साईज रावण 80 फीट, कुंभकरण 75 फीट, मेघनाथ 65 फीट है। रंग विरंगे अंदाज में पगडी पहने बिजली की लाईट से जगमगाते हुए तथा सुंदर आतिषबाजी के साथ दहन किया जायेगा। प्रशासन द्वारा सभी अनुमतियां प्राप्त कर ली गयी है। मंच की सजावट जो इस बार बहुत ही सुंदर बनायी गई है जिसमें डबल मंच पर रामलीला का मंचन होगा जो एक बहुत ही महल के रूप में दिखाया गया है जिसमें जंगल पहाड़ एवं किला का कार्य पूर्ण किया जा रहा है सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षाकर्मी, स्वयं सेवक, संस्था के सदस्य/पदाधिकारी सभी व्यवस्थाओं को देखेंगें। पूरे आयोजन के दौरान खाने- पीने का फूड स्टाल, झूला, सर्कस, फायर क्रैकर शो का भी आयोजन किया जायेगा। रामलीला मंचन देखने के लिए प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोग स्टेडियम में आते हैं और विजय दशमी (दशहरा) के दिन वीआईपी अतिथियों, अधिकारी, प्रमुख व्यक्ति सहित समारोह में लाखों की संख्या में नागरिक शामिल होंगे।प्रेसवार्ता के दौरान संस्था के चेयरमैन डा. टी. एन. गोविल, अध्यक्ष टी. एन. चैरसिया, महासचिव संजय बाली, कार्यकारी अध्यक्ष सुशील भारद्वाज, कोषाध्यक्ष अल्पेश गर्ग,अतुल मित्तल, रमेश कुमार, एस.के.एस. राणा, अनुज गुप्ता, सत्यनारायण गोयल, पंकज जिंदल, मित्रा शर्मा, विपिन मलन, जनक भाटिया, तरूण राज, नवीन सोनी, जे.सी माहेष्वरी, समीर अग्रवाल, वीरेन्द्र मेहता, नरेन्द्र चोपड़ा, मनीष अग्रवाल, पवनदीप सिंह, वपिन बंसल, अनिल गुप्ता, विनय शर्मा, डॉक्टर एस पी जैन,सौरभ गोविल, महेन्द्र कटारिया, राजीव अजमानी, संजय गोयल, विकास जैन, अखिलेष बधोरिया, जितेन्द्र सिंह, महेष चैहान, प्रमोद शर्मा, अषोक मिश्रा, अर्चना राय, केशव गंगल, अतुल वर्मा, तरुण राज, संजय जैन,अमित पोरवाल,मनोज पोरवाल,जतिन, रोहित श्रीवास्तव, पवनदीप सिंह, सुन्दर सिंह राणा, एन. के अग्रवाल, पुनीत शुक्ला, प्रमोद रंगा, अमित अग्रवाल,नरेश बंसल,चन्द्रपाल सिंह, श्रेया चतुर्वेदी, विनोद शर्मा, सुनील कुमार, देवेन्द्र गंगल, कुलदीप गुप्ता, मुकेश गुप्ता, योगेन्द्र शर्मा,छाया राय,विशाल कश्यप, आदि काफी संख्या में समिति के सदस्य उपस्थित रहें।

ग्रामीण कला एवं ऐतिहासिक स्थलों को देख रोमांचित हुए विद्यार्थी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शुक्रवार को पर्यटन गतिविधियों का अनुभव लेकर ग्रामीण जीवन-शैली को समझा।

ग्राम घूरपुर प्रमुख सुजावन देव मंदिर विद्यार्थियों के लिए ऐतिहासिक, सांस्कृतिक विरासत और ग्रामीण जीवनशैली को करीब से जानने का केंद्र बना। स्टेट माई विजिट एवं पर्यटन विभाग की रूरल ग्राम गंगे परियोजना के तहत श्री पुरुषोत्तम सिंह इंटर कॉलेज नैनी के विद्यार्थियों ने गांव का भ्रमण किया।विद्यार्थियों ने भीटा का किला, सीता रसोई सहित विभिन्न ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन किया। साथ ही ग्रामीण परिवेश में दूध से दही मथने और चक्की से आटा निकालने जैसी पारंपरिक विभाग के फील्ड ऑफिसर डॉ. प्रमोद शुक्ला के निर्देशन में आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में कॉलेज की आर्या केशरी ने प्रथम, रंजन केशरवानी ने द्वितीय और विद्या विन्द ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को ग्राम पंचायत सचिव मनोज प्रजापति द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शिक्षक अशोक कुमार सिंह प्राचार्य, प्रभाकांत पाल, सारिका श्रीवास्तव, ग्रामीण समन्वयक घूरपुर यश गोस्वामी सहित तमाम गणमान्य लोग मौजूद रहे।

रामलीला का दूसरा दिनः रावण जन्म और राम जन्मोत्सव का सजीव मंचन, गूंजे हर-हर महादेव के जयकारें

राम जन्म लीला का हुआ मंचन, जमकर हुई आतिशबाजियां,मिठाई का हुआ वितरण, लुटाए गए खिलौने,दर्शकों से भरा रहा रामलीला मैदान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। नगर के ऐतिहासिक श्री रामलीला मैदान में आयोजित 125वें वर्ष की पारंपरिक रामलीला के दूसरे दिन का मंचन बेहद उत्साह और भक्तिमय माहौल में संपन्न हुआ। 'आदर्श श्री रामलीला मंडल पिपलेश्वर धाम (सिंगरौली)' के कुशल कलाकारों ने मंच पर रावण जन्म और राक्षस अत्याचार की लीला का सजीव चित्रण किया, जिसके बाद भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव की लीला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लीला के प्रथम चरण में दिखाया गया कि लंका में रावण, कुंभकर्ण और विभीषण का जन्म होता है और तीनों घोर तपस्या कर ब्रह्मा, विष्णु व महेश से वरदान प्राप्त करते हैं। इस दौरान कुंभकर्ण की आसुरी प्रवृत्ति को भांपते हुए भगवान की प्रेरणा से मां सरस्वती उसकी बुद्धि विचलित कर देती हैं, जिसके परिणामस्वरूप वह इंद्रासन की जगह निद्रासन मांग बैठता है। रावण के दुखी होने पर भगवान द्वारा उसे छह

माह में एक दिन जागने का वरदान मिलने का प्रसंग भी बहुत प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया।रावण जन्म की कथा के उपरांत जब मंच पर चक्रवर्ती सम्राट राजा दशरथ और माता कौशल्या के यहाँ पुत्र प्राप्ति हेतु यज्ञ अनुष्ठान और तदन्तर श्री राम, लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न चारों भाइयों के प्राकट्य की लीला का मंचन शुरू हुआ, तो पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। नारायण के चतुर्भुज रूप में अवतरण और बाल रूप के दर्शन होते ही उपस्थित दर्शकों ने नृत्य और गीतों के साथ अपनी खुशियां मनाईं। इस दौरान 'हर-हर महादेव' के जयघोष के बीच भव्य आतिशबाजी की गई और बच्चों व श्रद्धालुओं में खिलौने तथा मिष्ठान्न का वितरण किया गया। तत्पश्चात बाल स्वरूपों के नामकरण संस्कार की सुंदर झांकी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना के साथ हुई थी। लीला के मुख्य आकर्षण के बीच समिति के संरक्षक जितेंद्र सिंह, अध्यक्ष पवन कुमार जैन और कोषाध्यक्ष राकेश कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से प्रभु की आरती उतारी। इस अवसर पर आनंद मिश्रा, प्रमोद गुप्ता, भरत मिलाप समिति के संयोजक चंदन केसरी, रविंद्र केसरी, चंद्र कुमार केजरीवाल और सुशील पाठक (लोढ़ी) सहित समिति के तमाम पदाधिकारी व बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

फर्जी डिग्री के खिलाफ मुहिम चलाने की तैयारी, वीरेंद्र सिंह गुड्डू बोले–पीड़ितों की मदद के लिए आगे आएंगे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिला दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रहे अधिवक्ता मनोज कुमार भाटी का

वकालत लाइसेंस निरस्त किए जाने के मामले में शिकायतकर्ता वीरेंद्र सिंह गुड्डू ने शुक्रवार को नोएडा मीडिया क्लब में प्रेसवार्ता की। उन्होंने पूरे मामले में अपनी शिकायत, दस्तावेजों और उत्तर प्रदेश बार काउंसिल की अनुशासन समिति की कार्रवाई का हवाला देते हुए कहा कि इस लड़ाई का उद्देश्य व्यवस्था में कथित अनियमितताओं को सामने लाना है। उन्होंने ऐसे मामलों से पीड़ित लोगों की मदद के लिए अभियान शुरू करने की बात भी कही। वीरेंद्र सिंह गुड्डू ने बताया कि उन्होंने 22 फरवरी 2021 को शपथ पत्र के साथ शिकायत दर्ज कराई थी। उनका आरोप था कि मनोज कुमार भाटी 22 फरवरी 1991 से 30 अप्रैल 2009 तक भारतीय वायुसेना में कार्यरत रहे। गुड्डू के मुताबिक, वायुसेना में सेवा के दौरान भाटी ने कथित तौर पर विभागीय अनुमति के बिना उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद से पत्राचार के माध्यम से स्नातक की डिग्री हासिल की। इसी डिग्री के आधार पर उन्होंने वर्ष 2004 में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से संबद्ध जनहित कॉलेज ऑफ लॉ, ग्रेटर नोएडा में तीन वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया। गुड्डू ने सवाल उठाया कि वायुसेना में तैनाती के दौरान कॉलेज से करीब 2,000 किलोमीटर दूर रहते हुए नियमित कक्षाओं में 76 प्रतिशत उपस्थिति दर्ज होना कैसे संभव था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाटी ने 26 अप्रैल 2009 को उत्तर प्रदेश बार काउंसिल में पंजीकरण कराया, जबकि उनके शपथ पत्र पर 24 अप्रैल 2009 की तारीख दर्ज थी। गुड्डू के अनुसार, शपथ पत्र में नौकरी या व्यवसाय में नहीं होने की घोषणा की गई थी, जबकि उनके दावे के मुताबिक भाटी 30 अप्रैल 2009 तक वायुसेना में कार्यरत थे। नौ बिंदुओं पर शिकायत, अनुशासन समिति के आदेश का दिया हवाला-वीरेंद्र सिंह गुड्डू ने बताया कि उनकी शिकायत पर उत्तर प्रदेश बार काउंसिल की अनुशासन समिति ने मामले में नौ वाद बिंदु तय किए और दोनों पक्षों को सुनने के बाद निर्णय दिया। गुड्डू के मुताबिक, समिति ने सभी बिंदुओं पर शिकायतकर्ता के पक्ष में निष्कर्ष निकाले। उन्होंने बताया कि आदेश में नियमित कक्षाओं में 76 प्रतिशत उपस्थिति को संबंधित परिस्थितियों में संभव नहीं माना गया। उनके अनुसार, समिति ने कॉलेज की उपस्थिति शीट का उल्लेख करते हुए यह भी निष्कर्ष निकाला कि कक्षाओं में भाटी के स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति की उपस्थिति दर्ज कराई गई थी। गुड्डू ने कहा कि अनुशासन समिति ने एलएलबी की तीन वर्षीय डिग्री को अमान्य एवं अवैध मानते हुए इसे अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की धारा 35 के तहत कदाचार माना और मनोज कुमार भाटी का वकालत लाइसेंस निरस्त करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई उनके द्वारा प्रस्तुत शिकायत और दस्तावेजों के बाद हुई। इन निष्कर्षों का विस्तृत विवरण संबंधित आधिकारिक आदेश से मिलान किए जाने पर और स्पष्ट होगा। 'मैं वकील नहीं, पेशे से इंजीनियर हूं'-प्रेसवार्ता में वीरेंद्र सिंह गुड्डू ने कहा, 'सबसे बड़ी बात यह है कि मैं वकील नहीं हूं। मैंने एलएलबी की पढ़ाई की है, लेकिन मैं पेशे से इंजीनियर हूं। मैंने अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण इसलिए नहीं कराया, क्योंकि मैं एक आम नागरिक के तौर पर इस व्यवस्था के खिलाफ लड़ना चाहता था।' उन्होंने कहा कि किसी भी मामले में केवल मौखिक आरोप लगाने से काम नहीं चलता, बल्कि दस्तावेजी साक्ष्य और तथ्यों के आधार पर शिकायत की जानी चाहिए। गुड्डू के मुताबिक, संबंधित अधिकारियों के सामने जब भी उन्होंने दस्तावेज रखे, तो उनके आधार पर कार्रवाई आगे बढ़ी। उन्होंने न्यायालयों, बार काउंसिल और पुलिस अधिकारियों के समक्ष तथ्य प्रस्तुत करने की प्रक्रिया का भी उल्लेख किया। अन्य मामलों में भी कार्रवाई का दावा-वीरेंद्र सिंह गुड्डू ने प्रेसवार्ता में उत्तर प्रदेश में फर्जी डिग्री और पेशेवर अनियमितताओं से जुड़े अन्य मामलों का भी जिक्र किया। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में 100 से अधिक अधिवक्ताओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं और गौतमबुद्ध नगर में भी कुछ लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हुए हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों की संख्या और अधिक हो सकती है। इन आंकड़ों और दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं की गई है। गुड्डू ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति के पास फर्जी डिग्री या पेशेवर पंजीकरण में अनियमितता से जुड़े ठोस प्रमाण हैं और वह पीड़ित है, तो वह उसकी मदद के लिए तैयार हैं। उनके मुताबिक, इस घटनाक्रम के बाद करीब 85 से 100 फोन कॉल और संदेश उनके पास आए हैं। इनमें कुछ महिलाएं भी शामिल हैं, जिन्होंने ऐसे मामलों में आगे की कानूनी प्रक्रिया को लेकर मार्गदर्शन मांगा है। पीड़ितों को जोड़कर अभियान चलाने की तैयारी- वीरेंद्र सिंह गुड्डू ने संकेत दिया कि ऐसे मामलों से प्रभावित लोगों को एक मंच पर लाने और उनकी शिकायतें संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने के लिए अभियान शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि अन्य पीड़ित और दस्तावेजी साक्ष्य सामने आते हैं, तो इस मुहिम को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य तथ्यों और दस्तावेजों के आधार पर कथित अनियमितताओं को सामने लाना तथा पीड़ितों को उचित कानूनी प्रक्रिया अपनाने में मदद करना है। गुड्डू ने यह भी कहा कि किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई कानून और प्रमाणों के आधार पर ही होनी चाहिए।

नैमिषारण्य धाम के दर्शन कर भावविभोर हुए 57 रेलकर्मी

(आधुनिक समाचार ब्यूरो) लखनऊ। रेलकर्मियों के कार्यभार और मानसिक तनाव को कम करने तथा उनमें नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करने के उद्देश्य से पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल प्रशासन की ओर से कर्मचारी कल्याण की दिशा में सराहनीय पहल की गई। इसी क्रम में मैलानी परिक्षेत्र के 57 रेल कर्मचारियों को कर्मचारी कल्याण निधि के माध्यम से पौराणिक तीर्थस्थल नैमिषारण्य धाम का भ्रमण कराया गया। इस दौरान रेलकर्मियों ने विभिन्न धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों पर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया और भारतीय संस्कृति व पौराणिक विरासत को करीब से जानने का अवसर प्राप्त किया। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार गुप्ता के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस भ्रमण शिविर के दौरान कर्मचारियों ने ललिता देवी मंदिर, हनुमान गढ़ी मंदिर, चक्रतीर्थ, बालाजी मंदिर, विष्णु मंदिर और वेद व्यास पीठ सहित नैमिषारण्य के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन किए।

छात्रवृत्ति योजना की द्वितीय संशोधित समय-सारिणी जारी, निर्धारित तिथियों में पूरी करें प्रक्रिया

नवीन एवं नवीनीकरण छात्रवृत्ति आवेदन की तिथियां निर्धारित, विद्यालयों को समय से सत्यापन के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरूवार को जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, सोनभद्र

नरेन्द्र कुमार पाण्डेय ने अवगत कराया है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य वर्ग, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के पूर्वदशम (कक्षा 9-10) तथा दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति भुगतान हेतु द्वितीय संशोधित समय-सारिणी निर्गत की गई है। निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार विद्यालयों एवं छात्र/छात्राओं द्वारा निर्धारित अवधि में संबंधित प्रक्रियाएं पूर्ण किया जाना आवश्यक है। विद्यालय द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने की अवधि 22 जुलाई 2026 से 09 अक्टूबर 2026 तक तथा जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा सत्यापन की अवधि 23 जुलाई 2026 से 11 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है। नवीनीकरण के अंतर्गत छात्रों द्वारा आवेदन पत्र का नवीनीकरण कर हार्डकॉपी संस्थान में जमा करने की अवधि 11 अगस्त 2026 से 15 अक्टूबर 2026 तक है। विद्यालय द्वारा छात्रों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्राप्तांक, पूर्णांक एवं उपस्थिति दर्ज करने तथा अपात्र छात्रों का डाटा निरस्त कर पात्र छात्रों के आवेदन ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करने की अवधि 11 अगस्त 2026 से 20 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित की गई है। वहीं, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा वास्तविक छात्रों का सत्यापन 31 अगस्त 2026 से 23 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। नवीन छात्रों के द्वारा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/आवेदन करने की अवधि 11 अगस्त 2026 से 17 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है। नवीन छात्रों द्वारा फाइनल प्रिन्ट निकालने की अंतिम तिथि 19 अक्टूबर 2026 है तथा छात्रों द्वारा आवश्यक संलग्नकों सहित हार्डकॉपी विद्यालय में जमा करने की अवधि 12 अगस्त 2026 से 22 अक्टूबर 2026 तक है। विद्यालय द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित करने की अवधि 13 अगस्त 2026 से 26 अक्टूबर 2026 तक तथा जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा नवीन (ड्रेप) छात्रों के सत्यापन की अवधि 16 अक्टूबर 2026 से 05 नवम्बर 2026 तक निर्धारित की गई है।

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने छात्रों एवं संबंधित विद्यालयों से निर्धारित समय-सारिणी का अनुपालन करते हुए सभी आवश्यक कार्यवाही समय से पूर्ण करने की अपील की है, ताकि पात्र छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ समय से प्राप्त हो सके।

संकल्प अभियान के अंतर्गत श्रमिक स्वास्थ्य सम्मान शिविर में सैकड़ों श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण,जिलाधिकारी के निर्देशन एवं उप श्रमायुक्त के मार्गदर्शन में श्रमिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ

स्वास्थ्य परीक्षण के साथ श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं के प्रति किया गया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरूवार को जिलाधिकारी महोदय के निर्देशन

एवं उप श्रमायुक्त, मिर्जापुर क्षेत्र, पिपरी-सोनभद्र के मार्गदर्शन में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत श्रमिकों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं कल्याण के उद्देश्य से श्रम विभाग, सोनभद्र द्वारा श्रमिक स्वास्थ्य सम्मान शिविर अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 08 अक्टूबर 2026 को अनपरा स्थित मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में चिकित्सकों द्वारा सैकड़ों श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया।

उप श्रमायुक्त ने अवगत कराया कि श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्रम विभाग द्वारा इससे पूर्व भी विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों एवं स्वास्थ्य संस्थानों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए हैं। दिनांक 06 अक्टूबर 2026 को अल्ट्राटेक सीमेंट फैक्ट्री तथा 07 अक्टूबर 2026 को ग्रासिम इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड में श्रमिकों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं निःशुल्क औषधि वितरण किया गया। इसी क्रम में माह सितम्बर में दिनांक 24 सितम्बर को रेनूसागर पावर प्लांट, 25 सितम्बर को हिंडाल्को इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, 26 सितम्बर को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, दुद्धी तथा 27 सितम्बर को प्रसाद कुंवर हॉस्पिटल, दुद्धी में भी स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर श्रमिकों का चिकित्सकीय परीक्षण एवं निःशुल्क औषधि वितरण किया गया। उप श्रमायुक्त ने बताया कि श्रम विभाग, सोनभद्र द्वारा दिनांक 24 से 27 सितम्बर 2026 तथा 06 से 08 अक्टूबर 2026 तक जनपद के विभिन्न लेबर अड्डों एवं निर्माण स्थलों पर विशेष जन-जागरूकता अभियान भी संचालित किया गया। अभियान के दौरान उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अन्तर्गत निर्माण श्रमिकों के पंजीयन एवं नवीनीकरण के साथ-साथ बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न श्रमिक हितकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र श्रमिकों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए जागरूक किया गया।

उप श्रमायुक्त ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से श्रमिकों को स्वास्थ्य सुविधाओं से जोड़ने, सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने तथा शासन एवं उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ पात्र श्रमिकों तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

अभियान का उद्देश्य श्रमिकों में स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के साथ उनके कल्याण एवं जीवन स्तर में सुधार सुनिश्चित करना है।

बीजपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चोरी की 02 ट्रैक्टर बैटरियों के साथ 02 अभियुक्त गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरूवार को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में, अपर पुलिस

अधीक्षक (ऑपरेशन) श्री ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री विनय प्रभाकर साहनी के पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक बीजपुर के नेतृत्व में थाना बीजपुर पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चोरी की 02 ट्रैक्टर बैटरियां बरामद की गई हैं।थाना बीजपुर पर पंजीकृत मु0अ0सं0 111/2026 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस से संबंधित दोनों अभियुक्तों को दिनांक 08.10.2026 को गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरणः-1. संदीप भारती पुत्र लालचन्द भारती, उम्र करीब 21 वर्ष, निवासी ग्राम रजमिलान, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र। 2. दुर्गा कुमार पुत्र जसराज भारती, उम्र करीब 20 वर्ष, निवासी ग्राम रजमिलान, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र।

बरामदगी का विवरणः-02 अदद चोरी की ट्रैक्टर बैटरी। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीमः-1. प्र0नि0 अविनाश कुमार सिंह थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र।

2. उ0नि0 राजेश कुमार सिंह थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र। 3. का0 सुन्दरम कुमार थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र। 4. का0 संजय कुमार थाना बीजपुर जनपद सोनभद्र।

विशेष शिविर/अभियान-कोई भी पात्र मतदाता न छूटे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। एसआईआर के दौरान हटाई गई प्रविष्टियों के पुनः सत्यापन हेतु विशेष अभियान,प्रत्येक बीएलओ अपने संबंधित मतदान केंद्र की हटाई गई प्रविष्टियों की सूची लेकर घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे,इस अभियान के माध्यम से नए, युवा एवं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल करने की प्रक्रिया को भी गति दी जाएगी,तत्काल शुरू की जाने वाली गतिविधियां। तैयारीः-सभी बीएलओ अपने-अपने मतदान केंद्रों की हटाई गई प्रविष्टियों की सूची (ए.एस.डी.डी.ओ) लेकर पुनः सत्यापन के लिए तैयार रहें। ए.एस.डी.डी.ओ सूची को जिला निर्वाचन अधिकारियों की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किया जाए। ईआरओ द्वारा बीएलओ को हटाई गई प्रविष्टियों के घर-घर पुनः सत्यापन तथा नए, युवा एवं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं के पंजीकरण के संबंध में दिए जा रहे ब्रीफिंग के फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए जाएं तथा विधानसभा क्षेत्र के नाम सहित क्षेत्रीय मीडिया के साथ साझा किए जाएं।विशेष अभियान के दौरान कवरेजः-विशेष अभियान के दौरान मैदानी स्तर पर की जा रही गतिविधियों के फोटो एवं वीडियो क्लिप प्रतिदिन मीडिया के साथ साझा किए जाएं तथा सभी डीईओ एवं ईआरओ के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रतिदिन पोस्ट किए जाएं। प्रत्येक पोस्ट में मतदान केंद्र का नाम, विधानसभा क्षेत्र एवं जनपद का नाम अनिवार्य रूप से उल्लेखित किया जाए। अभियान के दौरान बीएलओ के बाइट एवं अनुभव/प्रतिक्रिया लेकर उन्हें सोशल मीडिया एवं क्षेत्रीय मीडिया के माध्यम से व्यापक रूप से प्रचारित किया जाए। नए, युवा एवं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं तथा मतदाता सूची से छूटे हुए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़ने के बाद उनके बाइट एवं अनुभव/प्रतिक्रिया को भी सोशल मीडिया एवं क्षेत्रीय मीडिया के माध्यम से प्रचारित किया जाए। महत्वपूर्ण निर्देशः- सभी डीईओ एवं ईआरओ के सोशल मीडिया हैंडल से प्रतिदिन पोस्ट की जाए। सभी पोस्ट में सीईओ एवं ईसीआई के सोशल मीडिया हैंडल को टैग किया जाए। सभी प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अभियान की गतिविधियों को प्रमुखता से प्रसारित किया जाए। प्रत्येक पोस्ट में मतदान केंद्र का नाम, विधानसभा क्षेत्र एवं जनपद का नाम स्पष्ट रूप से उल्लेखित किया जाए।

सोनभद्र में 10 से 25 अक्टूबर तक होगा निःशुल्क खाद्यान्न वितरण,अवशेष ई-केवाईसी तत्काल कराएं राशन कार्डधारकः जिला पूर्ति अधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। गुरूवार को जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्ता ने अवगत

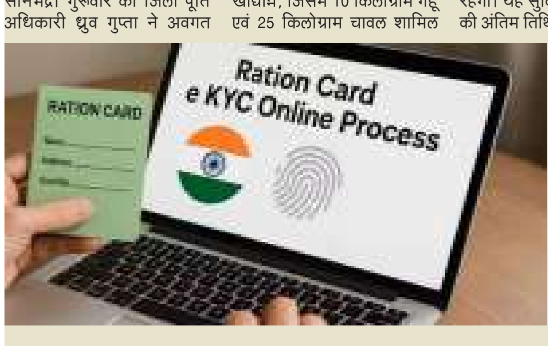

कराया है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत माह अक्टूबर 2026 के लिए आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण जनपद में निर्धारित किया गया है। जनपद के समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को माह अक्टूबर 2026 में गेहूँ एवं चावल का निःशुल्क वितरण 10 अक्टूबर 2026 से 25 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। अन्त्योदय राशन कार्डधारकों को प्रति अन्त्योदय कार्ड 35 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें 10 किलोग्राम गेहूँ एवं 25 किलोग्राम चावल शामिल है, पूर्णतः निःशुल्क वितरित किया जाएगा। इसी प्रकार पात्र गृहस्थी राशन कार्डधारकों को प्रति यूनिट 05 किलोग्राम खाद्यान्न, जिसमें 01 किलोग्राम गेहूँ एवं 04 किलोग्राम चावल शामिल है, पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। ऐसे कार्डधारक जिनका अंगूठा किसी कारणवश बायोमेट्रिक मशीन पर रीड नहीं हो पा रहा है, उनके लिए मोबाइल ओटीपी (ओटीपी) वेरिफिकेशन के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। यह सुविधा खाद्यान्न वितरण की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2026 को उपलब्ध रहेगी। ऐसे सभी लाभार्थी 25 अक्टूबर 2026 को ओटीपी सुविधा का लाभ लेते हुए अपना निर्धारित खाद्यान्न प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राशन कार्ड में सम्मिलित सभी यूनिटों/सदस्यों की ई-केवाईसी (ई-केवाईसी) कराने की प्रक्रिया चल रही है। जनपद के जिन राशन कार्डधारकों अथवा उनके परिवार के सदस्यों की ई-केवाईसी अभी अवशेष है, वे तत्काल अपनी उचित दर दुकान (कोटेदार) पर उपस्थित होकर ई-केवाईसी कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी कार्डधारकों से अपील की है कि ई-केवाईसी की प्रक्रिया समय से पूर्ण कराएं, जिससे पात्र लाभार्थियों को खाद्यान्न योजना का लाभ निरंतर मिलता रहे।

जल जीवन मिशन की क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों की 5 दिन में आख्या, शीघ्र शुरू होगी मरम्मतः जिलाधिकारी

पेयजल आपूर्ति में बाधा पर डीएम सख्त, संबंधित विभागों को संयुक्त स्थलीय निरीक्षण के निर्देश

ग्रामीणों को निर्बाध पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता, समन्वय के साथ समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज जिला पेयजल एवं स्वच्छता समिति, सोनभद्र ने जल जीवन मिशन 'हर घर जल' के अंतर्गत क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों

के कारण प्रभावित पेयजल आपूर्ति को शीघ्र बहाल कराने के लिए संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट एवं प्रभावी निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आज संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ प्रकरण की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) के अधिकारियों के साथ तत्काल समन्वय स्थापित कर क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों का संयुक्त स्थलीय निरीक्षण कराया जाए। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर जाकर पाइपलाइनों की क्षति का वास्तविक सत्यापन करने तथा आवश्यक मरम्मत एवं पुनर्स्थापना कार्य का आकलन करने के निर्देश दिए। अधिशासी अभियंता राजेश कुमार गुप्ता ने अवगत कराया कि भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार की अतिमहत्वाकांक्षी योजना जल जीवन मिशन 'हर घर जल' के अंतर्गत जनपद में निर्माणाधीन/निर्मित 12 ग्रामीण ग्राम समूह पाइप पेयजल योजनाओं के तहत बिछाई गई पाइपलाइनों को सड़क चौड़ीकरण, नाली निर्माण, विद्युतीकरण एवं अन्य निर्माण कार्यों के दौरान कुछ स्थानों पर क्षति पहुंची है, जिसके कारण कुछ क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित हुई है। जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग, अधिशासी अभियंता, निर्माण खंड लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग कनहर, यूपीपीसीएल, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को संयुक्त रूप से स्थलीय सत्यापन कर पाइपलाइनों की क्षति का विवरण एवं आवश्यक मरम्मत कार्य का आकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि संयुक्त स्थलीय निरीक्षण के बाद 05 दिवस के भीतर स्पष्ट एवं तथ्यात्मक आख्या प्रस्तुत की जाए, ताकि क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों की मरम्मत/पुनर्स्थापना की कार्यवाही बिना अनावश्यक विलंब के प्रारंभ कराई जा सके। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्रामीण जनता को शुद्ध एवं सुचारु पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है।

जिन क्षेत्रों में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने के कारण पेयजल आपूर्ति प्रभावित है, वहां प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए पेयजल आपूर्ति शीघ्र बहाल की जाए।उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने तथा भविष्य में सड़क चौड़ीकरण, नाली निर्माण, विद्युतीकरण अथवा अन्य कार्यों के दौरान पेयजल पाइपलाइनों को क्षति से बचाने के लिए आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर अनावश्यक देरी अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के बाद मतदाता सूची में छूटे नामों को जोड़ने के लिए चलेगा विशेष अभियान, युवा मतदाताओं का नाम जोड़ने, जेंडर रेशियो एवं ईपीआईसी रेशियो में सुधार पर रहेगा विशेष जोर

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवक) सोनभद्र। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के पश्चात विशेष अभियान चलाए जाने के

संबंध में आज जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्यीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में युवा मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल करने, जेंडर रेशियो एवं ईपीआईसी रेशियो में सुधार करने तथा मतदाता सूची को अधिक समावेशी एवं त्रुटिरहित बनाने के संबंध में चर्चा की गई।जिलाधिकारी ने बताया कि विशेष अभियान के दौरान ऐसे पात्र मतदाताओं के नामों की भी जांच की जाएगी, जिनके नाम किसी कारणवश मतदाता सूची में दर्ज होने से छूट गए हैं। नियमानुसार पात्र पाए जाने वाले मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित किए जाएंगे, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे।उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि विशेष अभियान के अंतर्गत पात्र युवा मतदाताओं सहित सभी छूटे हुए मतदाताओं के नाम निर्वाचक नामावली में शामिल कराने में सहयोग करें, जिससे मतदाता सूची को अधिक शुद्ध एवं अद्यतन इस अभियान के दौरान अधिक से अधिक युवा मतदाताओं के नाम भी मतदाता सूची में दर्ज किए जाएंगे जा सके।इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वि0 रा0 श्री वागीश कुमार शुक्ला, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी जरूप सिंह पटेल, भाजपा के अनिल सिंह जिला मंत्री, जिला प्रभारी समाजवादी पार्टी केअनिल प्रधान, बसपा के सोहन लाल, सीपीआई एम के प्रेमनाथ, अपनदल एस नीरज सिंह पटेल, आम आदमी पार्टी के रमेश गौतम सहित राजनैतिक दल के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सपा कार्यालय में मनाई गई मान्यवर कांशीराम की पुण्यतिथि,गोष्ठी मे वक्ताओं ने कहा - शोषितों के मसीहा थे मान्यवर

(आधुनिक समाचार नेटवक) सोनभद्र। शुक्रवार को बहुजन आंदोलन के महान चिंतक मान्यवर

कांशीराम की पुण्यतिथि समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर संगोष्ठी आयोजित कर मनाई गई। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सपा जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि मान्यवर कांशीराम ने कहा था कि जिस समाज का इतिहास भुला दिया जाता है, उसका भविष्य सुरक्षित नहीं होता। वे दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, किसानों, नौजवानों और महिलाओं के मसीहा थे। अपनी मेहनत से उन्होंने बहन कुमारी मायावती को मुख्यमंत्री पद तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि आज उनके रास्ते पर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हर वर्ग के गरीबों की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ रहे हैं। सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि मान्यवर कांशीराम आदिवासियों की आवाज बुलंद करने वाले चिंतक थे। उन्हीं की देन है कि शोषित, वंचित, पीड़ित समाज को सम्मान मिल रहा है। उन्होंने बाबा साहब के संविधान को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। संगोष्ठी को पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह पटेल, प्रदेश सचिव चौधरी यशवंत सिंह पटेल, जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी,

अनिल प्रधान, त्रिपुरारी गौड़, सरदार पारब्रह्म सिंह, डॉ. लोकपति सिंह पटेल, सुरेश यादव, अभय यादव, जेपी भारती, लालू भारती, रमेश कुमार बागी, पंडित कृष्णा शर्मा, सत्यम पांडे, बचोले प्रसाद पटेल, गुलाम यासीन, मिथिलेश कुमार सिंह, धीरज पाठक, दीपक केसरी, विनीत सरोज सहित दर्जनों वक्ताओं ने संबोधित किया।

13 को घोरावल में गरजेंगे आप सांसद,जनसभा को लेकर आप ने की प्रेस वार्ता,विंध्य एक्सप्रेस-वे, बेरोजगारी और स्थानीय मुद्दों पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह 13 अक्टूबर, मंगलवार को सोनभद्र के घोरावल विधानसभा क्षेत्र में आम सभा को संबोधित करेंगे। शनिवार को होटल एडी, रॉबर्ट्सगंज में जिलाध्यक्ष रमेश गौतम और जिला संगठन प्रभारी ज्योति जंग सिंह ने संयुक्त प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। जिला संगठन प्रभारी ज्योति जंग सिंह ने बताया कि सभा मां विंध्यवासिनी इंटर कॉलेज, पापी (करकी माइनर), करमा में होगी, जहां सांसद जनपद

के ज्वलंत मुद्दों - छात्रों-युवाओं की शिक्षा व बेरोजगारी, विंध्य एक्सप्रेस-वे से प्रभावित किसानों के मुआवजा-पुनर्वास, फैक्ट्रियों में स्थानीय युवाओं को रोजगार और स्वास्थ्य व्यवस्था पर जनता से सीधा संवाद करेंगे। जिलाध्यक्ष रमेश गौतम ने बताया कि सांसद सामाजिक अन्याय, दलित-आदिवासी उत्पीड़न और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी बात रखेंगे और न्याय के लिए संघर्ष का ऐलान करेंगे। कार्यक्रम काशी प्रांत अध्यक्ष पवन तिवारी और जिला प्रभारी सुनील पांडे के निर्देशन में ऐतिहासिक होगा। इस दौरान जिला संयुक्त महासचिव जसवंत कुमार मौर्या, कार्यक्रम संयोजक अंशुमान मौर्या सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

एनएचएम कर्मियों का दूसरे दिन भी हल्लाबोल, सीएमओ कार्यालय पर डटे रहे कर्मचारी

समान कार्य-समान वेतन की मांग को लेकर गरजे एनएचएम संविदा कर्मचारी

(आधुनिक समाचार नेटवक) सोनभद्र। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) संविदा कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार और धरना प्रदर्शन

शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष मयंक प्रताप सिंह के निर्देश पर जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला के नेतृत्व में सैकड़ों कर्मचारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर में एकत्र हुए और समान कार्य-समान वेतन व नियमितीकरण की मांग को लेकर हुंकार भरी। कर्मचारियों ने कहा कि वे लंबे समय से स्वास्थ्य सेवाओं में अहम योगदान दे रहे हैं, फिर भी उनकी जायज मांगों पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शासन-प्रशासन से मांग की गई कि जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाए ताकि वे सम्मानजनक परिस्थितियों में सेवा बहाल कर सकें।

संघ ने बताया कि 10 अक्टूबर को भी सीएमओ कार्यालय पर धरना जारी रहेगा। यदि मांगों पर सहमति नहीं बनी तो सोमवार से लखनऊ में प्रदेश स्तरीय कार्य बहिष्कार और धरना शुरू किया जाएगा। इस दौरान सदर विधायक भूपेश चौबे को ज्ञापन सौंपकर सरकार से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की गई। धरने में प्रमुख रूप से चोपन ब्लॉक से डॉ. हिमांशु, डॉ. नंद कुमार शर्मा, केकराही से डॉ. अभिषेक पांडेय, नितेश साहू, डॉ. राजकुमार, करिश्मा, चतरा से डॉ. राकेश पांडेय, डॉ. रवि मिश्रा, डॉ. बुबाई जोयारदार, रविकांत रहमान, नगवा से डॉ. राजेश गुप्ता, डॉ. संजय पांडेय, पंकज कुशवाहा, ओम प्रकाश शुक्ला, बृजेश दुबे, सूर्यकांत शुक्ला सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे।

स्पोर्ट्स

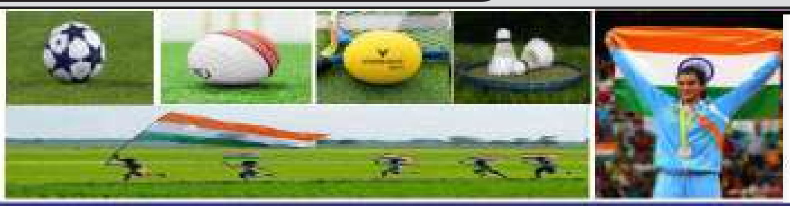

भारत से एशियाड का फाइनल हारने पर बोला पाक बैटर,हसन नवाज ने कहा- हार का दर्द अब भी है- हमने छोटी गलतियों की कीमत चुकाइ

स्पोर्ट डेस्क। पाकिस्तानी बैटर हसन नवाज ने कहा कि भारत के खिलाफ एशियन गेम्स फाइनल हारने का दर्द अब भी उन्हें परेशान करता है। उन्होंने कहा कि छोटी-छोटी गलतियों की वजह से पाकिस्तान को हार मिली। भारत ने पिछले हफ्ते जापान में पुरुष क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर गोल्ड जीता था। इस मैच में नवाज ने 96 रन बनाए थे। नवाज ने बुधवार को रावलपिंडी में मीडिया से बातचीत में कहा कि वे अपनी पारी से संतुष्ट हैं। वे अपने प्लांस के हिसाब से बैटिंग कर रहे थे। हसन नवाज ने कहा, 'मुझे लगता है कि फाइनल अब खत्म हो चुका है और क्रिकेट तथा मैच आगे भी जारी रहेंगे। हमसे भी गलतियां होती रहेंगी। लेकिन, उन्हें हराने के लिए हमें अपनी गलतियों से सीखना होगा और बेहतर बनना होगा।' जमीनी स्तर के क्रिकेट से खेल पर काम किया:-2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऊ20द शतक लगाकर इंटरनेशनल क्रिकेट में आने वाले नवाज ने अपने खेल पर काम करने का तरीका भी बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने जमीनी स्तर का क्रिकेट खेलकर अपने खेल को बेहतर कर रहे हैं। नवाज ने कहा, 'इन मैचों में मिलने वाले गेंदबाज और पिच आपको मुश्किल हालात में बेहतर खिलाड़ी बनने में मदद करते हैं।इंटरनेशनल क्रिकेट में आपको बेहतर हालात में बैटिंग करने का मौका मिलता है, तो इससे आपका कॉन्फिडेंस बढ़ता है।' श्रीलंका और इंग्लैंड सीरीज पर नजर- नवाज ने कहा कि वे बहुत आगे के बारे में नहीं सोचते। अब उनका ध्यान घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज में श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी अच्छी फॉर्म जारी रखने पर है। उन्होंने कहा, 'आपके पास एक योजना होती है और आपको उसी पर कायम रहना होता है। उतार-चढ़ाव हमेशा आते रहते हैं।'

इन 10 फूड से पेट होगा खराब,पाचन चाहिए अच्छा तो अपनी ईटिंग हैबिट बदलें, थाली में ये 14 चीजें शामिल करें

नोएडा। आज पेट ठीक नहीं लग रहा।' 'कुछ भी खाता हूं तो गैस बन जाती है।' हमने अपने आसपास के कई लोगों को अक्सर ऐसा कहते हुए सुना होगा। कई बार इसकी वजह बिगड़ती गट हेल्थ होती है। हमारी आंतों में खरबों बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीव रहते हैं, जिन्हें 'गट माइक्रोबायोम' कहते हैं।ये सूक्ष्मजीव भोजन को पचाने, पोषक तत्वों को शरीर तक पहुंचाने, इम्यून सिस्टम को मजबूत रखने और शरीर के कई जरूरी कामों में अहम भूमिका निभाते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, हमारी लगभग 70फीसदी इम्यूनिटी का संबंध आंतों से है। हमारी रोज की थाली का गट हेल्थ पर सबसे ज्यादा असर पड़ता है। हम जो कुछ भी खाते हैं, वह आंतों में रहने वाले इन सूक्ष्मजीवों को भी प्रभावित करता है। कुछ फूड्स अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं और गट माइक्रोबायोम को मजबूत बनाते हैं। वहीं कुछ फूड्स इनका संतुलन बिगाड़ सकते हैं। इससे पाचन संबंधी कई समस्याओं का रिस्क बढ़ जाता है। इसलिए आज 'जरूरत की खबर' में पेट के लिए 10 बेस्ट और वर्स्ट फूड की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- पेट को हेल्दी रखने के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करें? कौन-सी आदतें गट हेल्थ को खराब करती हैं? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. हर्ष कपूर, गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट, मेट्रो इंस्टीट्यूट ऑफ गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी एंड हेप्टोलॉजी, नोएडा जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- पेट की सेहत (गट हेल्थ) दुरुस्त रहने का क्या मतलब है? जवाब- इसका मतलब डाइजेस्टिव सिस्टम के सही तरीके से काम करने और आंतों में मौजूद गट माइक्रोबायोम के संतुलन से है। इसके संतुलन से- भोजन का पाचन बेहतर होता है।शरीर पोषक तत्वों को सही ढंग से अवशोषित कर पाता है। इम्यूनिटी मजबूत बनी रहती है। आंतों की सेहत का असर पूरे शरीर पर पड़ता है। हेल्दी आंतें इम्यूनिटी मजबूत करती हैं। पाचन और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाती हैं। इसका असर मेंटल हेल्थ पर भी पड़ता है। यूं समझिए कि पेट अच्छा रहे तो इंसान खुश रहता है। सवाल- कैसे पता चलता है कि पेट की सेहत खराब हो रही है? जवाब- जब आंतों में अच्छे और बुरे बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ता है तो खाना पचाने और शरीर में पोषक तत्वों को पहुंचाने की प्रक्रिया प्रभावित होती है। इससे कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। खराब गट के शुरुआती संकेतः- नींद खराब होना, गैस, ब्लोटिंग, एसिडिटी, कब्ज, पेट दर्द, बार-बार लगातार बीमार पड़ना थकान बार-बार दस्त। सवाल- लंबे समय तक लगातार पेट खराब रहे तो इससे क्या नुकसान होता है? जवाब- लंबे समय तक पेट खराब रहने से शरीर को जरूरी पोषक तत्व नहीं मिल पाते। इससे कमजोरी बढ़ सकती है और इम्यूनिटी पर भी असर पड़ सकता है। खराब गट हेल् के नुकसानः- शरीर को न्यूट्रिशन न मिलना। विटामिन-मिनरल की कमी। इम्यूनिटी कमजोर होना। शरीर में इंफ्लेमेशन बढ़ना। मेटाबॉलिज्म प्रभावित होना। वेट बहुत ज्यादा या कम होना। मेंटल हेल्थ पर बुरा असर।सवाल- पेट दुरुस्त रखने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- आंतों में मौजूद गुड बैक्टीरिया को वैराइटी पसंद होती है। इसलिए रोज अलग-अलग तरह के फल-सब्जियां, साबुत अनाज और फाइबर रिच फूड खाने चाहिए। छोटी-छोटी स्वस्थ आदतें लंबे समय में गट हेल्थ को मजबूत बनाती हैं। पेट दुरुस्त रखने के 10 नियमः- खाने में खूब फाइबर लें। फल-सब्जियों में वैराइटी रखें। दही, छाछ जैसे फर्मेंटेड फूड खाएं। पर्याप्त पानी पिएं। रेगुलर एक्सरसाइज करें। पर्याप्त और अच्छी नींद लें। स्ट्रेस को मैनेज करें। बिना जरूरत एंटीबायोटिक अल्ट्रा प्रोसेस्ड चीनी/शुगरी न लें। ड्रिंक्स से दूर रहें। सवाल- कौन-से फूड्स पेट में गुड बैक्टीरिया बढ़ाते हैं? जवाब- दही और छाछ जैसे फर्मेंटेड फूड्स अच्छे बैक्टीरिया बढ़ाने में मदद करते हैं, जबकि फल-सब्जियां, दालें और साबुत अनाज उन्हें पोषण देते हैं। इसलिए गट हेल्थ बेहतर रखने के लिए रोज अलग-अलग तरह की पौष्टिक चीजें खाना जरूरी है। गुड बैक्टीरिया बढ़ाने वाले फूड:- दही, छाछ, फर्मेंटेड फूड्स, केला, सेब, ओट्स, दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां, लहसुन, प्याज, अलसी के बीज चिया सीड्स साबुत अनाज मौसमी फल-सब्जियां। सवाल- कौन-से फूड्स गुड बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचाते हैं? जवाब- कुछ फूड्स गुड और बैड बैक्टीरिया का संतुलन बिगाड़ सकते हैं। खासकर ऐसे फूड्स, जिनमें रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट, एक्स्ट्रा शुगर, अनहेल्दी फैट और आर्टिफिशियल एडिटिव्स ज्यादा होते हैं। गुड बैक्टीरिया कम करने वाले फूडः- कोल्ड ड्रिंक्स शुगरी ड्रिंक्स मिठाइयां पैकेज्ड स्नैक्स चिप्स और नमकीन फास्ट फूड अल्ट्रा प्रोसेस्ड मैदे से बनी फूड्स चीजें प्रोसेस्ड मीट ज्यादा तला -भुना भोजन। सवाल- चीनी गुड बैक्टीरिया को कैसे नुकसान पहुंचाती है? जवाब- डाइट में चीनी की मात्रा ज्यादा होने से आंतों में मौजूद बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ने लगता है। इससे कुछ बैड बैक्टीरिया तेजी से बढ़ सकते हैं, जबकि गुड बैक्टीरिया की संख्या घट सकती है। समय के साथ यह बदलाव गट बैरियर को कमजोर करता है और शरीर में सूजन बढ़ा सकता है। यही वजह है कि लंबे समय तक ज्यादा चीनी खाने से गट हेल्थ खराब होती है। सवाल- क्या बार-बार एंटीबायोटिक लेने से पेट के गुड बैक्टीरिया खत्म हो सकते हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- एंटीबायोटिक्स बैक्टीरिया को मारने के लिए बनाई जाती हैं। लेकिन वे हमेशा गुड और बैड बैक्टीरिया में फर्क नहीं कर पातीं। बार-बार या बिना जरूरत एंटीबायोटिक लेने पर गट में मौजूद गुड बैक्टीरिया की संख्या और वैराइटी दोनों कम हो सकती है। इसलिए एंटीबायोटिक्स हमेशा डॉक्टर की सलाह पर ही लेनी चाहिए। सवाल- क्या पेट के बैक्टीरिया हमारी भूख और क्रेविंग्स को कंट्रोल कर सकते हैं? जवाब- हां, गट माइक्रोबायोम भूख और फूड चॉइस को प्रभावित कर सकते हैं। इसे ऐसे समझिए- आंतों में मौजूद बैक्टीरिया ऐसे केमिकल और सिग्नल बनाते हैं, जो गट और ब्रेन के बीच कम्युनिकेशन में भूमिका निभाते हैं। ये सिग्नल सटाइटी (पेट भरने का एहसास), भूख और कुछ खास चीजें खाने की इच्छा को प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि क्रेविंग्स सिर्फ गट बैक्टीरिया से तय नहीं होतीं। इसमें आदतें, नींद, हार्मोन और आसपास का माहौल भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सवाल- क्या स्ट्रेस भी गट हेल्थ को प्रभावित करता है? जवाब- हां, स्ट्रेस और गट हेल्थ का दो-तरफा रिलेशन है। इसे पॉइंटर्स से समझिए- हमारा ब्रेन और आंतें लगातार एक-दूसरे को सिग्नल भेजते हैं। इसे 'गट-ब्रेन एक्सिस' कहा जाता है। जब तनाव लंबे समय तक बना रहता है, तो शरीर में कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन बढ़ जाते हैं। ये हार्मोन आंतों के सामान्य कामकाज और वहां मौजूद सूक्ष्मजीवों के वातावरण को प्रभावित करते हैं। यही वजह है कि मानसिक तनाव का असर अक्सर पेट पर भी दिखाई देता है। सवाल- फूड के अलावा कौन-सी आदतें गट हेल्थ को खराब करती हैं? जवाब- हमारी रोजमर्रा की कई आदतें भी गट माइक्रोबायोम के संतुलन को प्रभावित करती हैं। खासकर-खराब नींद लगातार स्ट्रेस फिजिकल इनएक्टिविटी यही वजह है कि अच्छी गट हेल्थ के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल भी जरूरी है। सवाल- पेट को हेल्दी रखने के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करें? जवाब- आंतों में रहने वाले बैक्टीरिया एक नियमित दिनचर्या पसंद करते हैं। इसलिए खाने, सोने और एक्सरसाइज का समय जितना रेगुलर होगा, गट उतना बेहतर काम करेगा। ग्राफिक में देखिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करें- अच्छी गट हेल्थ के लिए क्या करें? रेगुलर एक्सरसाइज करें। मेडिटेशन या योग करें। भोजन खूब चबाकर खाएं। दिनभर पर्याप्त पानी पिएं। 30 सोने-जागने का समय फिक्स करें। देर रात भारी भोजन न करें। स्क्रीन टाइम कम करें।एंटीबायोटिक कम खाएं। रोज कुछ समय धूप में बिताएं। सिगरेट-शराब से दूर रहें। सवाल- कब गट से जुड़ी समस्या को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए? जवाब- गैस, कब्ज या पेट खराब होने जैसी समस्याएं कभी-कभी होना सामान्य है। लेकिन अगर ये शिकायतें लंबे समय तक बनी रहें या बार-बार लौटकर आएं, तो इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। इसके अलावा- स्टूल में ब्लड दिखाई दे। वजन तेजी से घटे। पेट में लगातार दर्द रहे। बार-बार उल्टी हो। निगलने में परेशानी हो। लगातार ब्लोटिंग या पेट फूलने की समस्या हो। डेली रूटी प्रभावित होने लगे। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर को दिखाना जरूरी है।

कीवी के 12 हेल्थ बेनिफिट्स,पाचन बेहतर बनाए, ब्लड शुगर कंट्रोल रखे, डॉक्टर से जानें किन्हें सावधानी बरतनी चाहिए

नयी दिल्ली। कीवी को दुनिया के सबसे पौष्टिक फलों में से एक माना जाता है। कुछ लोग इसे न्यूजीलैंड का फल समझते हैं, क्योंकि इसका नाम वहां के राष्ट्रीय पक्षी 'कीवी' के नाम पर है। हालांकि, इस फल की असली जन्मभूमि चीन है, जहां इसे कभी 'चाइनीज गूसबेरी' कहा जाता था। 20वीं सदी की शुरुआत में इसके बीज चीन से न्यूजीलैंड पहुंचे और बाद में वैश्विक बाजार में पहचान बनाने के लिए इसका नाम बदलकर 'कीवी फ्रूट' कर दिया गया। आकार में अंडे जितना छोटा-सा यह फल पोषण के मामले में काफी समृद्ध होता है। कीवी में विटामिन-सी, फाइबर, पोटेशियम और कई एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। साल 2022 में 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, डेली 2 कीवी खाने से कब्ज से परेशान लोगों में बॉउल मूवमेंट बेहतर होता है। वहीं कुछ स्टडीज में कीवी को बेहतर हार्ट हेल्थ और ब्लड प्रेशर मैनेजमेंट से भी जोड़ा गया है। इसलिए आज कीवी के हेल्थ बेनिफिट्स पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-इसमें कौन-से पोषक तत्व होते हैं? एक दिन में कितनी कीवी खानी चाहिए? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- अमृता मिश्रा, सीनियर डाइटीशियन, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- कीवी को 'सुपरफूड' क्यों कहते हैं? जवाब- छोटा होने के बावजूद कीवी पोषण और हेल्थ के लिहाज से काफी फायदेमंद है। पिछले कुछ सालों में पाचन, कब्ज, ब्लड प्रेशर और हार्ट हेल्थ पर इसके प्रभाव को लेकर कई स्टडीज हुई हैं। इनमें पॉजिटिव रिजल्ट देखने को मिले हैं। यही वजह है कि दुनिया के कई देश इसे 'सुपरफूड' मानते हैं-कीवी की खासियत सिर्फ इसमें मौजूद विटामिन सी नहीं है। इसमें फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट्स भी भरपूर मात्रा में होते हैं। फाइबर डाइजेशन को दुरुस्त रखता है।और एंटीऑक्सिडेंट्स सेल्स डैमेज रोककर ओवरऑल हेल्थ को सपोर्ट करते हैं। सवाल- कीवी में कौन-से पोषक तत्व होते हैं? जवाब- कीवी 'पोषक तत्वों का पावरहाउस' है। इसमें कई जरूरी विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जैसेकि- विटामिन-सी, विटामिन-के, विटामिन-ई, फोलेट (विटामिन बी9) पोटेशियम कॉपर फाइबर एक्टिनिडिन एंजाइम पॉलीफेनॉल्स कैरोटेनॉयड्स। सवाल- 100 ग्राम कीवी की न्यूट्रिशनल वैल्यू क्या है? जवाब- किसी भी फल की पौष्टिकता का आकलन उसकी न्यूट्रिशनल वैल्यू से किया जाता है। इससे पता चलता है कि एक निश्चित मात्रा में उस फल से शरीर को कितनी ऊर्जा और कितने जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। 100 ग्राम कीवी में लगभग इतने पोषक तत्व होते हैं- कैलोरी 64, कार्बोहाइड्रेट 14ग्रा., फैट 0.44ग्रा., पोटेशियम 4फीसदी ऑफ डिवी, विटामिन के 34फीसदी ऑफ डिवी, विटामिन ई 9फीसदी ऑफ डिवी, विटामिन सी 83फीसदी ऑफ डिवी इत्यादि। कीवी के हेल्थ बेनिफिट्सः- इम्यूनिटी मजबूत करती है। कब्ज से राहत दिलाती है। पाचन सुधारती है। गट हेल्थ बेहतर करती है। ब्लड प्रेशर कंट्रोल करती है। हार्ट हेल्दी रखने में मदद रखती है। सेल्स डैमेज से बचाती है। स्किन हेल्दी रखती है। ब्लड शुगर कंट्रोल करती है। आंखों को प्रोटेक्ट करती है। कोलेजन बनाने में मदद करती है। वेट कंट्रोल करती है। सवाल- कीवी कोलेस्ट्रॉल कम करने में कैसे मदद करती है? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- कीवी में मौजूद 'सॉल्यूबल फाइबर' डाइजेस्टिव सिस्टम में एक जेल जैसी लेयर बनाता है।यह आंतों में कोलेस्ट्रॉल और बाइल एसिड के अवशोषण को कम करने में मदद करता है। इसके कारण शरीर को नए बाइल एसिड बनाने के लिए ब्लड में मौजूद कोलेस्ट्रॉल का इस्तेमाल करना पड़ता है। इससे एलडीएल यानी 'बैड कोलेस्ट्रॉल' का लेवल कम हो सकता है। कीवी में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स एलडीएल के ऑक्सीडेशन को रोकने में मदद करते हैं। ऑक्सीडेशन आर्ट्रीज में प्लाक बनने की प्रक्रिया को बढ़ाता है। यही वजह है कि कीवी को हार्ट के लिए फायदेमंद माना जाता है। सवाल- कीवी डाइजेशन को कैसे इम्प्रूव करती है? जवाब- कीवी पाचन को बेहतर बनाने में दो तरह से मदद कर सकती है। पहला, इसमें फाइबर अच्छी मात्रा में होता है। यह स्टूल का बल्क बढ़ाकर उसे आंतों से आसानी से बाहर निकालने में मदद करता है। इससे कब्ज की समस्या कम होती है। दूसरा, कीवी में एक्टिनिडिन नाम का एक नेचुरल एंजाइम होता है। यह प्रोटीन को छोटे हिस्सों में तोड़ने में मदद करता है। इससे शरीर के लिए भोजन पचाना आसान होता है। सवाल- क्या डायबिटिक लोग कीवी खा सकते हैं? जवाब- हां, कीवी का ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) अपेक्षाकृत कम होता है। यानी यह ब्लड शुगर को बहुत तेजी से नहीं बढ़ाती। इसमें फाइबर भी होता है, जो कार्बोहाइड्रेट के पाचन और अवशोषण की गति को धीमा करने में मदद करता है। सवाल- प्रेग्नेंसी में कीवी खाने के क्या फायदे हैं? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए- कीवी में फोलेट (विटामिन बी9) होता है, जो प्रेग्नेंसी के शुरुआती फेज में भ्रूण के ब्रेन और स्पाइनल कॉर्ड के ग्रोथ के लिए जरूरी होता है। प्रेग्नेंसी के दौरान कब्ज एक कॉमन प्रॉब्लम है। कीवी में मौजूद फाइबर रेगुलर बॉउल मूवमेंट बनाए रखने में मदद करता है। इसमें विटामिन-सी होता है, जो शरीर में आयरन के अवशोषण को बेहतर बनाने में मदद करता है। इससे प्रेग्नेंसी के दौरान बढ़ी हुई आयरन की जरूरत को पूरा करने में मदद मिलती है। सवाल- क्या कीवी सचमुच प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाती है? जवाब- इस बात के पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं कि कीवी सीधे प्लेटलेट्स की संख्या बढ़ाती है। हालांकि, कीवी में विटामिन-सी, फोलेट और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर के ओवरऑल हेल्थ और रिकवरी को सपोर्ट करते हैं। सवाल- किन लोगों को कीवी खाते हुए सावधान रहना चाहिए? जवाब- कीवी ज्यादातर लोगों के लिए सेफ और पौष्टिक फल है। हालांकि, कुछ लोगों को इसे डॉक्टर की सलाह के बाद ही खाना चाहिए। कीवी खाते हुए ये लोग बरतें सावधानीः- जिन्हें किडनी डिजीज है। जिन्हें डाइजेस्टिव इश्यू है। जो एलर्जिक हैं। जिनका पाचन सेंसिटिव है। जो ब्लड थिनर्स लेते हैं। सवाल- एक दिन में कितनी कीवी खा सकते हैं? जवाब- सीनियर डाइटीशियन अमृता मिश्रा के मुताबिक, रोज 2 कीवी खाना ज्यादातर लोगों के लिए सेफ है। कई रिसर्च में पाया गया है कि 4-8 सप्ताह तक प्रतिदिन 2-3 कीवी खाने से ओवरऑल हेल्थ पर पॉजिटिव असर पड़ता है। सवाल- कीवी खाने का सही समय क्या है? जवाब- इसे खाने का कोई एक 'बेस्ट टाइम' नहीं है। सुबह खाने पर इसमें मौजूद विटामिन-सी शरीर को ऊर्जा देने और थकान कम महसूस कराने में मदद करता है। यह हल्का और सुपाच्य होता है। खाली पेट खाने पर इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर में आसानी से अब्जॉर्ब होते हैं। प्रोटीन रिच फूड के साथ खाने पर कीवी में मौजूद एक्टिनिडिन एंजाइम प्रोटीन के डाइजेशन में मदद करता है। सोने से करीब एक घंटा पहले खाने से स्लीप क्वालिटी बेहतर होती है। सवाल- कीवी को छीलकर खाना चाहिए या छिल्के समेत? जवाब- कीवी के छिलके में भी फाइबर और कुछ एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। इसलिए छिल्के समेत खाने पर फाइबर की मात्रा थोड़ी बढ़ जाती है।

सवाल- ज्यादा कीवी खाने के नुकसान क्या हैं? जवाब- किसी भी चीज की तरह इसे भी ज्यादा खाना नुकसानदायक हो सकता है। जरूरत से ज्यादा कीवी खाने पर कुछ लोगों में ये समस्याएं हो सकती हैं- ज्यादा कीवी खाने के नुकसानः- एलर्जिक रिएक्शन, पेट दर्द, मुंह में जलन, होंठ या गले में खुजली, गैस और ब्लोटिंग, मतली, पेट में असहजता, दस्त। कीवी का खट्टा-मीठा स्वाद और इसकी शानदार न्यूट्रिशन प्रोफाइल इसे खास बनाती है। इसे रेगुलर और संतुलित मात्रा में खाने पर शरीर इसके लिए आपको शुक्रिया अदा करेगा।

नाना पाटेकर के निधन मामले में केस दर्ज,मौत के कारणों का पता लगाएगी पुलिस

मुंबई/गोवा। गोवा पुलिस ने अभिनेता नाना पाटेकर के निधन

मामले में मेडिको-लीगल 'अप्राकृतिक मौत' का केस दर्ज किया है। पुलिस मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिवार के बयानों की जांच करेगी। न्यूज एजेंसी आईएएनएस के अनुसार, गोवा पुलिस ने बीएनएस की धारा 194 के तहत केस दर्ज किया है। पीएसआई नितिन नाइक इसकी जांच कर रहे हैं। पणजी में दर्ज केस के मुताबिक, नाना पाटेकर को गुरुवार सुबह गोवा के डोना पाउला स्थित ओशन पार्क से मणिपाल अस्पताल, बांबोलिम लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। देर रात पुणे के फार्महाउस में शव का अंतिम संस्कार किया गया। अस्पताल ने कहा- मृत लाया गया, कार्डियक अरेस्ट की आशंकाः-मणिपाल अस्पताल के ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉक्टर शेखर सालकर ने बताया कि नाना पाटेकर को अस्पताल में मृत अवस्था में ही लाया गया था। इसी वजह से पुलिस केस दर्ज कराना पड़ा और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज के मुर्दाघर भेजा गया। डॉक्टर के मुताबिक प्राथमिक तौर पर यह कार्डियक अरेस्ट का मामला लगता है। उन्होंने बताया कि नाना पाटेकर पहले से दिल की बीमारी के मरीज थे और उनका इलाज चल रहा था। बेटे मल्हार ने बताई देर रात अंतिम संस्कार की वजहः-न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में नाना के बेटे मल्हार पाटेकर ने देर रात अंतिम संस्कार करने की वजह बताई। मल्हार ने कहा कि परिवार गोवा में था और पार्थिव शरीर को पुणे स्थित गांव के फार्महाउस लाने में समय लग गया। चूंकि निधन सुबह जल्दी हो गया था और काफी समय बीत चुका था, इसलिए परिवार ने गुरुवार को ही इसे संपन्न करने का निर्णय लिया। पिता का विजन और 'नाम फाउंडेशन' का काम रहेगा जारीः-मल्हार ने कहा कि नाना साहब जैसे इंसान अपनी उपलब्धियों के जरिए हमेशा अमर रहते हैं। उन्होंने बताया कि मराठवाड़ा में 'नाम फाउंडेशन' के जरिए चल रहे सामाजिक काम बंद नहीं होंगे। यह काम सीईओ गणेश थोरात की देखरेख में तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। पुणे के फार्महाउस में 3-गन सैल्यूट के साथ दी गई अंतिम विदाईः-गुरुवार रात पुणे के डोंजे गांव स्थित फार्महाउस पर नाना पाटेकर का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस बल ने उन्हें 3-गन सैल्यूट दिया। इस दौरान अभिनेता जैकी श्रॉफ, निर्देशक अनिल शर्मा, अनीस बज्मी और निर्माता फिरोज नाडियाडवाला समेत कई फिल्मी हस्तियां और राजनेता शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने और श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे।

नाना के 10 अनसुने किस्से

रेपिस्ट का रोल ऑफर किया तो डायरेक्टर को गालियां दीं,कारगिल जंग में आर्मी के साथ रहे

मुंबई। 1 जनवरी, 1951 को महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के गांव मुरुद-जंजीरा में जन्मे विश्वनाथ गजानन पाटेकर, जिन्हें दुनिया ने नाना पाटेकर के नाम से जाना। नाना बचपन से ही बाकी बच्चों से अलग रहे। तेवर में बगावती सुर थे। समाज की कुरीतियों को कला के माध्यम से दिखाना चाहते थे। इसलिए पहले थिएटर में आए, फिर फिल्मों का रुख किया। नाना अपने गुस्सैल स्वभाव के लिए भी चर्चा में रहते थे। जब रवि चोपड़ा ने इन्हें रेपिस्ट का रोल ऑफर किया तो इन्होंने गाली दे दी थी। फिल्म परिंदा की शूटिंग के वक्त नाना और फिल्म के डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा भिड़ गए थे। 13 साल की उम्र, दिन में 16 किमी पैदल चलते थेः-नाना के पिता टेक्सटाइल पेंटिंग का एक छोटा सा बिजनेस चलाते थे। नाना जब 13 साल के थे, तभी किसी ने पिता के साथ फ्रॉड कर दिया। रातों-रात बिजनेस चौपट हो गया। सारी प्रॉपर्टी बिक गई। पैसे कमाने के लिए नाना को भी सड़क पर आना पड़ा। वे सुबह स्कूल जाते, शाम में फिल्म के पोस्टर्स पेंट करते थे। जहां पोस्टर पेंट करते थे, वहां से घर की दूरी 8 किलोमीटर थी। इस तरह दिन में 16 किलोमीटर की दूरी पैदल ही तय करते थे। इस काम के लिए हर महीने 35 रुपए मिलते थे। यह बात 1963 के आस-पास की है। पैसों की इतनी किल्लत थी कि कभी-कभार खाना भी नसीब नहीं होता था। लंच या डिनर टाइम में नाना यूं ही अपने दोस्तों से मिलने चले जाते थे। इस उम्मीद में कि सामने से कोई दो रोटी खाने को पूछ ले। टीचर बगल में बिठाते थे, ताकि मारने के लिए बार-बार उठना न पड़ेः-नाना बचपन में बहुत शरारती थे। इतने शरारती कि टीचर इन्हें बगल में बिठाकर रखते थे, ताकि

मारने के लिए बार-बार उठना न पड़े। शरारत इतनी बढ़ गई कि नाना की मां ने उन्हें छठी कक्षा के बाद अपनी बहन के गांव भेज दिया। मां को लगा कि दूसरी जगह जाएगा तो सुधर जाएगा। नाना अपनी मौसी के घर एक-दो साल रहे, फिर वापस लौट आए। मौसी ने ही उन्हें वापस भेज दिया। उन्हें डर था कि नाना की संगत में कहीं उन्हीं के बच्चे न बिगड़ जाएं। खुद को बदसूरत समझते थे, पिता को लेकर पाला था भ्रमः-नाना अपने आप को दूसरों से कमतर आंकते थे। वे अपने आप को बदसूरत मानते थे। नाना के दोनों भाई लुक में उनसे ठीक थे। नाना को लगता था कि पिता बाकी भाइयों को ज्यादा तवज्जो देते हैं। नाना बचपन से ही गांव-दराज में होने वाले नाटक-ड्रामों में भाग लेते थे। एक बार वे गांव में नाटक कर रहे थे। उनके पिता बंबई (अब मुंबई) से सिर्फ नाटक देखने गांव आ गए।उस वक्त नाना का भ्रम टूट गया कि पिता उनसे प्यार नहीं करते। नाना को उस वक्त एहसास हुआ कि जैसे उन्होंने अपनी कला से पिता को प्रभावित किया, वैसे ही पूरी दुनिया को भी कर सकते हैं। पिता हॉस्पिटल में थे, उनकी दवाई के भी पैसे नहीं थेः-नाना के पिता को लेकर बचपन में जो गलतफहमी थी, वह समय के साथ दूर हो गई, लेकिन पिता को लेकर एक मलाल उन्हें जिंदगी भर रहा। नाना अपने पिता के हाथ पर अपनी कमाई का एक रुपया भी नहीं रख पाए थे। उन्होंने एक इंटरव्यू में इस बात का जिक्र किया था। नाना ने कहा था कि उन्हें इस बात का बहुत दुख था कि वह अपनी कमाई से पिता के लिए कुछ नहीं कर सके। उनके पिता का निधन म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के अस्पताल में हुआ था। उस वक्त नाना के पास उनकी दवाइयों के लिए भी पैसे नहीं थे। ऐसे मुश्किल समय में उनके दोस्तों ने मदद की और दवाइयों के पैसे दिए थे। रेपिस्ट का रोल ऑफर किया तो गालियां दींः-एक्ट्रेस स्मिता पाटिल ने नाना को बी.आर. चोपड़ा के बेटे रवि चोपड़ा के पास भेजा था। रवि चोपड़ा उस वक्त फिल्म 'आज की आवाज' बना रहे थे। उन्होंने नाना को रेपिस्ट का रोल ऑफर किया। ऑफर सुनते ही नाना भड़क उठे। उन्होंने सबके सामने रवि को गालियां बक दीं। नाना ने कहा कि तुम मुझे ऐरा-गैरा आदमी समझते हो, क्या मैं ऐसा रोल करूंगा? यह कहकर नाना वहां से लौटने लगे। तभी स्मिता पाटिल वहां पहुंच गईं। उन्होंने नाना और रवि, दोनों को समझाया। तब रवि चोपड़ा ने उन्हें मेन विलेन का रोल ऑफर किया। नाना इस बार भी सीधी तरह नहीं माने। उन्होंने कहा कि मैं कर तो लूंगा, लेकिन अपना किरदार खुद लिखूंगा। आखिरकार उन्होंने फिल्म में काम कर लिया था। विधु विनोद चोपड़ा के साथ हाथापाईः-फिल्म परिंदा की शूटिंग के दौरान डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा और नाना पाटेकर में लड़ाई हो गई थी। यह बात खुद विधु ने एक टीवी रियलिटी शो के दौरान स्वीकारी थी। उन्होंने कहा था, 'नाना हर सीन में गाली देता था। मुझे यह बात बड़ी अजीब लगती थी। मुझे उस वक्त गालियां नहीं आती थीं। नाना बार-बार गालियां दिए जा रहा था। ऊपर से बिना शूटिंग किए घर जाने लगा। मैंने कहा कि पहले पैसे दो, फिर वापस जाओ। कम से कम मेरा नुकसान तो मत कराओ। यही बात कहते हुए मैंने उसका कुर्ता फाड़ दिया।' उन्होंने आगे कहा था, 'अभी यह सब चल ही रहा था कि कैमरामैन ने शॉट रेडी कर दिया। आप फिल्म देखिए, एक सीन में नाना बनियान में बैठकर रोता दिखाई देगा। वह शॉट झगड़े के तुरंत बाद लिया गया था। खैर, शॉट परफेक्ट हो गया। बाद में नाना ने मुझे गले लगा लिया।' सेफ्टी गार्ड पहनने से मना किया, आग में झुलसे तो स्किन उतर गईः-फिल्म परिंदा के क्लाइमैक्स सीन में नाना पाटेकर को आग में जलते दिखाया गया था। दुर्भाग्यवश, नाना सच में आग में झुलस गए थे। इस वजह से उनकी पूरी स्किन उतर गई थी। दरअसल, उस वक्त की फिल्मों में आर्टिफिशियल फायर जैसी कोई चीज नहीं थी। सेट पर असली आग लगाई जाती थी। फिल्म के डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा ने नाना को सेफ्टी गार्ड पहनने को कहा था। नाना ने कहा था कि अगर वे सेफ्टी गार्ड पहन लेंगे तो एक्टिंग नेचुरल नहीं लगेगी। फिर भी विधु के कहने पर उन्होंने थोड़ा बहुत खुद को ढंक लिया। हालांकि, जब सीन शुरू हुआ तो आग की लपटें उनके शरीर को छू गईं। उनके हाथ-पैर की स्किन ही गायब हो गई। मामला सीरियस हो गया। उन्हें मुंबई के नानावटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इस घटना के बाद नाना एक साल तक फिल्मों से दूर रहे। अधिकारी ने रिस्पॉन्स नहीं दिया तो रक्षा मंत्री को लगा दिया फोनः-नाना पाटेकर बचपन से आर्मी जॉइन करना चाहते थे। 1991 की फिल्म प्रहार के जरिए उनका यह सपना भी पूरा हो गया। आर्मी बैकग्राउंड पर बनी इस फिल्म की तैयारी के लिए नाना ने तीन साल तक आर्मी ट्रेनिंग प्रोग्राम किया था, जहां उन्हें कैप्टन की मानद रैंक दी गई थी। 1999 में पाकिस्तान के साथ कारगिल वॉर में नाना ने भारतीय सेना को अपनी सेवाएं दी थीं। हालांकि इसके पीछे दिलचस्प कहानी है। नाना ने सेना के एक बड़े अधिकारी को फोन किया और आर्मी जॉइन करने की इच्छा जताई। अधिकारी ने कहा कि आप आम नागरिक हैं, हम आपको आर्मी में नहीं ले सकते। नाना ने तब देश के तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस को फोन कर दिया। जॉर्ज फर्नांडिस पहले से नाना को जानते थे। पहले तो उन्होंने मना किया, लेकिन जब नाना ने उन्हें अपना आर्मी वाला बैकग्राउंड बताया, तब मान गए। उन्हें हरी झंडी दे दी। नाना कारगिल में दो महीने सेना के साथ जुड़े रहे। वहां वे क्विक रिएक्शन टीम का हिस्सा थे। क्विक रिएक्शन टीम में सिर्फ वहीं लोग काम करते हैं, जो औरों से निपुण हों और हर परिस्थिति में लड़ने को तैयार रहें। परफॉर्मेंस के बीच में जूते बरसाए जाते थेः-नाना ने एक नाटक पुरुष (1981) में 16 साल अभिनय किया। इस नाटक में वे विलेन बनते थे। उनका रोल इस कदर घिनौना था कि परफॉर्मेंस के बीच में ही महिलाएं जूते बरसाने लगती थीं। जब वे जूते मांगने जातीं तो नाना मना कर देते। वे उन जूतों को सम्मान के तौर पर संभाल कर रखते थे।

1993 मुंबई ब्लास्ट में भाई को खोया, हाथ के कड़े से बॉडी पहचानीः-1993 बम ब्लास्ट में नाना ने अपना भाई खो दिया था। उनके भाई जिस बस में बैठे, उसी में ब्लास्ट हो गया था। बॉडी पहचान में नहीं आ रही थी। नाना के भाई हाथ में एक कड़ा पहनते थे। उसी से शव की पहचान हुई थी। जिसमें ब्लास्ट हुआ, उसके आगे वाली बस में नाना की पत्नी नीलकांति बैठी हुई थीं।दरअसल, नाना की पत्नी और भाई साथ ही निकले थे। दोनों एक ही बस में बैठने वाले थे, लेकिन सीट सिर्फ एक ही मिली। नाना के भाई मजबूरन पीछे वाली बस में बैठ गए। अगर उन्हें पहली बस में सीट मिल जाती तो शायद जान बच जाती।

पहली फिल्म फ्लॉप, सेट पर 'हीरोइन बदल दो' सुनना पड़ा,फिर 'बाहुबली' से बनीं पैन-इंडिया स्टार, तमन्ना भाटिया बोलीं- सबसे मुश्किल चीज थी टिके रहना

मुंबई। मुंबई की एक स्कूल गर्ल ने 13-14 साल की उम्र में फिल्म साइन की थी। शायद उन्हें भी नहीं पता था कि कैमरे के सामने खड़े होने का यह फैसला उन्हें भारतीय सिनेमा की लंबे समय तक टिकने

वाली अभिनेत्रियों में शामिल कर देगा। शुरुआत आसान नहीं थी। पहली फिल्म नहीं चली, साउथ में नई भाषा और माहौल से जूझना पड़ा। करियर के शुरुआती दौर में उन्हें एक सीन करने में असहजता जताने पर फिल्म से रिप्लेस कर दिया गया। सेट पर उनके सामने कहा गया- 'हीरोइन बदल दो।' लेकिन तमन्ना पीछे नहीं हटीं। उन्होंने अपनी सीमा से समझौता नहीं किया और उस घटना को आत्मविश्वास पर हावी नहीं होने दिया। हैप्पी डेज और कल्लूरी से पहचान मिली, अयान और '100 प्रतिशत लव' ने उन्हें मजबूत अभिनेत्री के तौर पर स्थापित किया। 2015 की बाहुबलीः द बिगिनिंग ने उन्हें देशभर के दर्शकों तक पहुंचा दिया। दो दशक से ज्यादा के करियर के बाद तमन्ना सफलता को अवॉर्ड या किसी एक ब्लॉकबस्टर से नहीं, बल्कि लगातार काम और नए किरदार निभाने के मौकों से जोड़ती हैं। 13 साल की उम्र में साइन की पहली फिल्मः-तमन्ना भाटिया का जन्म 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में सिंधी मूल के पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता संतोष भाटिया डायमंड मर्चेंट हैं। उनकी परवरिश और पढ़ाई-लिखाई मुंबई में हुई। तमन्ना 13 साल की उम्र से पृथ्वी थिएटर से जुड़ गई थीं और स्टेज परफॉर्म किया करती थीं। एक्टिंग के हुनर से उन्होंने कम उम्र में पहचान बना ली थी।2005 में उन्होंने हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। फिल्म साइन करते वक्त उनकी उम्र करीब 13.5 साल थी। प्रमोशन के दौरान वह 15 साल की थीं और दसवीं की परीक्षा की तैयारी कर रही थीं। फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी। इसके बाद तमन्ना के लिए काम पाना मुश्किल हो रहा था। करियर में बड़े बदलाव के लिए उन्होंने साउथ सिनेमा का रुख किया। डायरेक्टर-प्रोड्यूसर का कहना था- तुम लड़कों जैसे चलती हो। करियर के शुरुआती दिनों के बारे में तमन्ना ने कहा था कि उन्हें इंडस्ट्री में आए ज्यादा समय नहीं हुआ था। तब एक डायरेक्टर-प्रोड्यूसर ने उनसे कहा था- तुम एक्ट या डांस लड़कों से जैसे करती हो। अपने एक्ट में लड़कियों जैसी लचक लाओ। तमन्ना ने आगे कहा था- मैं तब भी लड़कियों जैसी ही चलती थी, लेकिन उनके कहने के बाद मैंने और मेहनत की। हिंदी फिल्म नहीं चली तो साउथ में शुरू हुआ असली संघर्षः- 2005 में तमन्ना ने तेलुगु फिल्म श्री से साउथ सिनेमा में एंट्री की और 2006 में तमिल फिल्म केडी में नजर आईं। उस समय वह ऐसी इंडस्ट्री में काम कर रही थीं, जिसकी भाषा और संस्कृति उनके लिए नई थी। तमन्ना ने शुरुआती दिनों को याद करते हुए बताया कि उन्हें साउथ इंडियन सिनेमा के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। उन्हें बस एक्टिंग करनी थी। उन्होंने कहा था कि उस समय सफलता की गणना के बजाय उनका ध्यान काम करते रहने और सीखने पर था। यहां उनका संघर्ष सिर्फ फिल्मों के ऑडिशन या रिजेक्शन तक सीमित नहीं था। उन्हें नई भाषाएं सीखनी थीं, नए निर्देशकों

के साथ काम करना था और ऐसे माहौल में खुद को साबित करना था, जहां वह बाहर से आई कलाकार थीं। तमन्ना के मुताबिक, साउथ सिनेमा में काम करने से उन्हें फिल्मों में मौके ही नहीं मिले, बल्कि अलग संस्कृति और भाषाओं को समझने का अनुभव भी मिला। बाद में वह तमिल और तेलुगु दोनों भाषाओं में काम करने लगीं। सेट पर मिला सबसे बड़ा झटका- 'हीरोइन बदल दो'ः-तमन्ना के शुरुआती करियर का सबसे चौंकाने वाला किस्सा वह है, जब कम उम्र में उन्हें एक फिल्म के सेट पर अपनी बात रखने की कीमत चुकानी पड़ी। तमन्ना ने द लल्लनटॉप के 'न्यूजरूम' में बताया था कि वह साउथ के एक बड़े स्टार के साथ फिल्म कर रही थीं। एक सीन को लेकर वह सहज नहीं थीं। उन्होंने साफ कहा कि वह सीन नहीं करना चाहतीं। तमन्ना के मुताबिक, सीन इंटीमेट नहीं था, लेकिन उसमें कुछ ऐसा था जिसे करने में वह सहज महसूस नहीं कर रही थीं। उन्होंने अपनी बात रखी तो सामने से जवाब मिला- 'हीरोइन बदल दो।' एक नई और कम उम्र की अभिनेत्री के लिए यह बड़ा झटका हो सकता था। उस समय डर हो सकता था कि अगर एक फिल्म हाथ से निकल गई तो आगे क्या होगा। लेकिन तमन्ना ने इस घटना को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया। तमन्ना ने बाद में कहा कि उन्हें उस समय के रिएक्शन पर गर्व है। उन्होंने न अपना आपा खोया और न यह सोचकर टूट गईं कि रिप्लेस किए जाने के बाद उनका करियर खत्म हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि बाद में वही लोग उनका सम्मान करते हैं, क्योंकि उन्होंने दबाव में समझौता नहीं किया। तमन्ना ने सीखा- अपनी बात रखने के लिए शोर मचाना जरूरी नहींः-इस घटना से तमन्ना ने एक महत्वपूर्ण बात सीखी। उनके मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति आपके साथ गलत व्यवहार करता है तो जरूरी नहीं कि आप भी उसी तरह प्रतिक्रिया दें। उन्होंने कहा कि बिना चिल्लाए, बिना लड़ाई किए और बिना व्यवहार खराब किए भी अपनी बात पर कायम रहा जा सकता है। उनके शब्दों में, कई बार आक्रामकता से ज्यादा ताकत शांति में होती है। 'हैप्पी डेज' ने बदली तस्वीर, 'कल्लूरी' ने तमिल सिनेमा में पहचान दिलाईः-2007 तमन्ना के करियर के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ। इसी साल तेलुगु में हैप्पी डेज और तमिल में कल्लूरी रिलीज हुईं। दोनों फिल्मों में उन्होंने कॉलेज स्टूडेंट के किरदार निभाए और युवा दर्शकों के बीच पहचान बनाई। हैप्पी डेज की सफलता ने तेलुगु सिनेमा में उनकी स्थिति मजबूत की, जबकि कल्लूरी ने तमिल दर्शकों के बीच पहचान दी। तमन्ना ने एक इंटरव्यू में कहा था कि उन्हें आज भी कल्लूरी और हैप्पी डेज जैसे शुरुआती कामों को याद किया जाना वैलिडेटिंग लगता है। उनके लिए सिर्फ बॉक्स ऑफिस सफलता महत्वपूर्ण नहीं रही, बल्कि ज्यादा मायने रखता है कि दर्शक वर्षों बाद भी उनके किरदारों को याद करते हैं। 'अयान' और '100 प्रतिशत लव' ने बनाई मजबूत पहचानः-2009 में तमन्ना को तमिल सिनेमा की अयान जैसी सफल फिल्म मिली। इसके बाद '100 प्रतिशत लव' ने उनके करियर को और मजबूती दी। '100 प्रतिशत लव'

के बाद तमन्ना ने माना था कि वह फिल्म इंडस्ट्री को ज्यादा गंभीरता से देखने लगी थीं। इससे पहले वह लगातार काम कर रही थीं, लेकिन इस दौर में उन्हें करियर को लेकर चुनाव करने की जरूरत महसूस होने लगी। यहीं से तमन्ना के करियर में बदलाव आया। उन्होंने एक ही तरह के किरदारों को दोहराने के बजाय अलग-अलग भूमिकाएं चुनने पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा था कि इस इंडस्ट्री में करियर को पूरी तरह प्लान नहीं किया जा सकता, क्योंकि यहां अनिश्चितता बहुत है। इसलिए रणनीति भी बदलती रहनी चाहिए और कोशिश होनी चाहिए कि वह खुद को दोहराएं नहीं। असफल

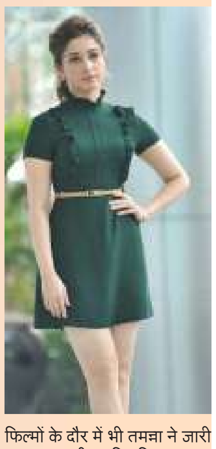

फिल्मों के दौर में भी तमन्ना ने जारी रखा कामयाबी का सिलसिलाः-तमन्ना की कहानी को सिर्फ हिट फिल्मों की कहानी कहना अधूरा होगा। उनके करियर में कई ऐसी फिल्में भी आईं, जो उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं। अनंद तांडवम, एंडुकांटे प्रेमंता, हिम्मतवाला, हमशकल्स और आगाडु जैसी फिल्मों को वह सफलता नहीं मिली, जिसकी उम्मीद थी। खासकर हिंदी सिनेमा में हिम्मतवाला और हमशकल्स के बाद सवाल था कि क्या वह बॉलीवुड में अपनी जगह स्थायी तौर पर बना पाएंगी। लेकिन तमन्ना का जवाब किसी बयान से नहीं, बल्कि लगातार काम करने से आया। वह साउथ में काम करती रहीं, हिंदी फिल्मों में लौटती रहीं और धीरे-धीरे ऐसा करियर तैयार करती गईं, जिसमें एक इंडस्ट्री की सफलता दूसरी इंडस्ट्री के अवसरों का रास्ता खोलती रही। 2015- 'बाहुबली' बनी करियर की सबसे बड़ी टर्निंग पॉइंटः-फिर आया 2015-एसएस राजामौली की बाहुबलीः द बिगिनिंग में तमन्ना ने अवंतिका का किरदार निभाया। फिल्म सिर्फ बड़ी हिट नहीं बनी, बल्कि भारतीय सिनेमा की चर्चित फिल्मों में शामिल हो गई। इस फिल्म ने तमन्ना को उन दर्शकों तक पहुंचाया, जो शायद उनके पहले के तमिल और तेलुगु काम से परिचित नहीं थे।तमन्ना बाहुबली को अपने करियर का गेम चेंजर मानती हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा था कि बाहुबली ने उनके नजरिए को व्यापक किया और इसके बाद उनके करियर का बड़ा हिस्सा खुद को लगातार रीइन्वेंट करने की कोशिश रहा। बाहुबली के बाद 2017 में बाहुबली 2ः द कन्क्लूजन ने उस पहचान को और बड़ा कर दिया। अब तमन्ना सिर्फ साउथ की अभिनेत्री नहीं थीं, बल्कि देशभर में पहचाना जाने वाला नाम बन चुकी थीं। 'सफलता' की तमन्ना की परिभाषा अलग हैः-आज जब तमन्ना अपने करियर को पीछे मुड़कर देखती हैं तो सफलता का पैमाना सिर्फ अवॉर्ड, बॉक्स ऑफिस या किसी एक सुपरहिट फिल्म को नहीं मानतीं। उनके लिए सबसे बड़ी सफलता है कि एक कलाकार को दोबारा मौका मिले। तमन्ना का मानना है कि आज के दौर में अगर दर्शक किसी कलाकार को अलग-अलग किरदारों में बार-बार देखना चाहते हैं, तो यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

नाना पाटेकर का गोवा में कार्डियक अरेस्ट से निधन,कारगिल युद्ध में सेना के साथ रहे

मुंबई। दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक सीपीआर दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। अंतिम

संस्कार पुणे के फॉर्महाउस में होगा। मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। अब शव का पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। 'परिंदा' में विलेन बने, 3 नेशनल अवॉर्डः-नाना पाटेकर ने 100 से ज्यादा फिल्में कीं। 1989 की फिल्म 'परिंदा' में नाना ने अन्ना का किरदार निभाया, जिसके लिए उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। 1994 की 'क्रांतिवीर' के लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। 1996 की 'अग्निसाक्षी' के लिए भी उन्हें बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। इस तरह उन्हें करियर में 3 नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिले। भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए नाना पाटेकर को 2013 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। अपने लंबे फिल्मी करियर में उन्होंने हिंदी के साथ मराठी फिल्मों में भी काम किया। रात 2:30 बजे नाना ने दोस्त को मैसेज किया था डॉ. शेखर ने बताया कि रात करीब 2:30 बजे नाना ने एक दोस्त को मैसेज कर तबीयत ठीक नहीं लगने की बात कही थी। दोस्त ने उस समय मैसेज नहीं देखा। बाद में फोन करने पर वह करीब 4 बजे नाना के घर पहुंचा। उस वक्त नाना को काफी पसीना आ रहा था। उनकी हालत बिगड़ रही थी। कुछ देर बाद वह बेहोश होने लगे। इसके बाद केयरटेकर को अस्पताल भेजा गया और एंबुलेंस बुलाई गई। इमरजेंसी टीम घर पहुंची तो नाना पूरी तरह नॉन-रिएक्टिव थे। टीम ने तुरंत कार्डियक मसाज शुरू की। उन्हें सुबह करीब 4:20 से 4:30 बजे के बीच मणिपाल अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, उन्हें मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। पीएम मोदी बोले- कई पीढ़ियों तक याद किए जाएंगेः- नाना पाटेकर के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा-'कुछ ही अभिनेता ऐसे थे, जिनमें नाना पाटेकर जैसी गहराई, अलग पहचान और खास मौजूदगी थी। उन्होंने हर किरदार में शानदार विविधता और रचनात्मकता दिखाई। उनके निभाए किरदार कई पीढ़ियों तक याद किए जाएंगे।' अक्षय कुमार ने कहा-'नाना जी के निधन की खबर से बहुत दुखी हूं।

वह उन चुनिंदा कलाकारों में से एक थे, जिन्हें आपको रुककर देखने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत नहीं पड़ती थी। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे उनके साथ (वेलकम) और फिर हाल ही में (हाउसफुल 5) में काम करने का मौका मिला। उन दोनों फिल्मों के सेट की बहुत सारी यादें हैं, जिन्हें मैं हमेशा अपने दिल के करीब रखूंगा।' रितेश देशमुख ने कहा-'मेरे पास शब्द नहीं हैं। नाना पाटेकर जी के निधन की खबर से ऐसा लग रहा है, जैसे मुझ पर कोई ट्रक चढ़ गया हो। मैं बेहद दुखी हूं। वह एक बेहतरीन अभिनेता थे और उनका कोई मुकाबला नहीं था। वह पर्दे से बाहर भी हीरो थे। लोगों की भलाई के लिए उन्होंने अपनी चैरिटी के जरिए लगातार काम किया।' 'वेलकम' में उदय शेट्टी बनकर कॉमेडी में भी छाएः-2007 में आई फिल्म 'वेलकम' में नाना पाटेकर ने गैंगस्टर उदय शेट्टी का किरदार निभाया था। इस कॉमेडी रोल को काफी पसंद किया गया। वे इसके सीक्वल 'वेलकम बैक' में भी उदय शेट्टी के किरदार में नजर आए। फिल्म प्रहार के लिए मिलिट्री ट्रेनिंग ली थीः-नाना पाटेकर ने फिल्म 'प्रहारः द फाइनल अटैक' में आर्मी मेजर की भूमिका निभाने के लिए भारतीय सेना की मराठा लाइट इन्फैंट्री के साथ सैन्य प्रशिक्षण लिया था। इस दौरान उन्होंने करीब तीन साल तक ट्रेनिंग की थी। ट्रेनिंग पूरी करने के बाद नाना पाटेकर टेरिटोरियल आर्मी से जुड़े। उन्हें मानद कैप्टन के रूप में कमीशन मिला। बाद में उन्होंने लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद तक सेवाएं दीं और 2013 में रिटायर हुए। कारगिल युद्ध के दौरान भी सेना के साथ रहेः-नाना पाटेकर का सेना से जुड़ाव 1999 के कारगिल युद्ध के दौरान भी सामने आया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडिस से विशेष अनुमति लेकर करीब 2 महीने सेना के साथ अग्रिम इलाकों में बिताए। इस दौरान वह द्रास, लेह, कुपवाड़ा और सोपोर जैसे क्षेत्रों में गए। किसानों की मदद के लिए शुरू किया था 'नाम फाउंडेशन'ः-नाना पाटेकर सिर्फ अपनी फिल्मों के लिए ही नहीं, बल्कि सामाजिक कामों के लिए भी जाने जाते थे। किसानों और उनके परिवारों की मदद के लिए उन्होंने अभिनेता मकरंद अनासपुरे के साथ 2015 में 'नाम फाउंडेशन' शुरू किया था। संस्था ने खास तौर पर महाराष्ट्र के सूखाग्रस्त इलाकों में किसानों की मदद के लिए काम किया। नाना ने किसान आत्महत्या से प्रभावित परिवारों को आर्थिक मदद दी। उनके बच्चों की पढ़ाई में भी मदद की। कई परिवारों की स्कूल और कॉलेज फीस का खर्च उठाया गया। नाम फाउंडेशन ने गांवों में पानी की समस्या दूर करने के लिए भी काम किया। इसके तहत तालाब, कुएं और चेक डैम बनाने के साथ नदियों और नहरों को फिर से उपयोगी बनाने की कोशिश की गई। नाना से जुड़ा एक किस्सा यह भी है कि वह करीब 1.5 करोड़ रुपए की लग्जरी कार खरीदने वाले थे। किसानों की हालत देखकर उन्होंने कार खरीदने का फैसला बदल दिया और रकम जरूरतमंद परिवारों की मदद में लगा दी।

स्वत्वाधिकारी
प्रकाशक एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
श्री आधुनिक प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजर्स प्रा.लि.
1- मिर्जापुर रोड नैनी प्रयागराज उ.प्र. 211008 से मुद्रित एवं एम2ए/25 एडीए कालोनी नैनी प्रयागराज 211008 (उ.प्र.) से प्रकाशित
सम्पादक
डॉ.दीपक अरोरा
मो 0 न0 09415608783
RNI No. UPHIN/2012/41154
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।